साप्ताहिक

टाईटल कोडः जेकेएचआईएन.00402

सबका जम्मू कश्मीर

हिन्दी • वर्षः 2 • अंकः 18 • कठुआ, शनिवार 3 मई 2025 • पृष्ठः 16 • मूल्यः 5 रुपए

राष्ट्रवाद सर्वोच्च, किसान विकसित भारत की कुंजी : उपराष्ट्रपति धनखड़

सबका जम्मू कश्मीर

नई दिल्ली : उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि पहलगाम के बाद भारत के सामने आई चुनौतियों ने एक बार फिर इस विश्वास की पुष्टि की है कि राष्ट्रवाद सर्वोपरि है और राष्ट्र के हितों को हर चीज से ऊपर रखा जाना चाहिए। वे रविवार शाम को मध्य प्रदेश के ग्वालियर में राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय में एक समारोह को संबोधित कर रहे थे। उपराष्ट्रपति ने भारत को वास्तव में एक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए किसाना. ें के कल्याण को प्राथमिकता देने के महत्व पर जोर दिया। धनखड़ ने कहा, ष्विकसित भारत का रास्ता हमारे किसानों के खेतों से होकर गुजरता है।ष् उन्होंने कहा, ष्भारत हमेशा से कृषि–उन्मुख राष्ट्र रहा है और आज हम एक कृषि क्रांति के कगार पर खड़े हैं जो हमारे देश के भविष्य को आकार देगी।ष् उन्होंने कहा, ष्किसानों की दुर्दशा और दर्द को समझना आवश्यक है और हमें उनके कल्याण के प्रति अत्यधिक संवेदनशील रहना चाहिए।

विश्वविद्यालय में छात्रों और शोधकर्ताओं को संबोधित करते हुए धनखड़ ने कहा, ष्मैं आप सभी से हमारे किसानों को महज उत्पादक से ष्कृषि उद्यमीष् (कृषि उद्यमी) बनाने की दिशा में काम करने का आग्रह करता हूं।ष् उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री द्वारा गढ़े गए प्रतिष्ठित नारे ष्जय जवान, जय किसानष् के विकास पर प्रकाश डाला, जिसे दिवंगत प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने ष्जय जवान, जय किसान, जय विज्ञानष् तक विस्तारित किया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ष्जय अनुसंधानष् (शोध) को जोड़कर इसे और आगे बढ़ाया। उन्होंने छात्रों और शोधकर्ताओं से कहा, ष्आप सभी को नवाचार, वैज्ञानिक अनुप्रयोग और अनुसंधान के माध्यम से इस नारे को लागू करने के लिए सक्रिय कदम उठाने चाहिए। उन्होंने दोहराया कि किसानों को किसी भी चुनौती

▪ शेष पेज 2...

सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ (संशोधन) अधिनियम को चुनौती देने वाली नई याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया

सबका जम्मू कश्मीर

नई दिल्ली : सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली एक नई याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया। मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति संजय कुमार और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की पीठ इस मुद्दे पर याचिकाओं पर पांच मई को सुनवाई करेगी। पीठ ने पहले स्पष्ट कर दिया था कि वह 70 से अधिक वादियों में से केवल पांच की सुनवाई करेगी। उसने आज फिर कहा कि इस मुद्दे पर कोई नई याचिका पर विचार नहीं किया जाएगा।

मुख्य न्यायाधीश ने याचिकाकर्ता मोहम्मद सुल्तान के वकील से कहा, ष्यदि आपके पास कुछ

▪ शेष पेज 2...

अटारी-वाघा सीमा पर फंसे 21 पाकिस्तानी नागरिकों को सीमा पार जाने की अनुमति, कई और कतार में

सबका जम्मू कश्मीर

अमृतसर : भारत सरकार द्वारा देश छोड़ने की समय सीमा समाप्त होने के बाद अटारी–वाघा सीमा पर फंसे लगभग 21 पाकिस्तानी नागरिक शुक्रवार को एकीकृत जांच चौकी के स्थल मार्ग से पाकिस्तान में प्रवेश कर गए, अधिकारियों ने कहा।

पिछले सप्ताह के पहलगाम आतंकवादी हमले के मद्देनजर, भारत सरकार ने पाकिस्तानी नागरिकों को दिए गए सभी प्रकार के वीजा रद्द कर दिए और उन्हें 30 अप्रैल तक छोड़ने का आदेश दिया।

भारत में अमृतसर और पाकिस्तान में लाहौर के पास स्थित अटारी–वाघा सीमा 30 अप्रैल तक खुली रहने के बाद गुरुवार को बंद कर दी गई। रिपोर्टों के अनुसार, एक दिन पहले भारत छोड़ने की समय सीमा समाप्त होने के बाद गुरुवार को लगभग 70 पाकिस्तानी नागरिक सीमा पर फंसे रहे।

▪ शेष पेज 2...

एलजी सिन्हा ने श्रीनगर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से जम्मू-कश्मीर के हज यात्रियों के पहले जत्थे को हरी झंडी दिखाई

सबका जम्मू कश्मीर

श्रीनगर : उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने आज केंद्र शासित प्रदेश जम्मू कश्मीर के हज यात्रियों के पहले जत्थे को श्रीनगर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से रवाना किया। उपराज्यपाल ने तीर्थयात्रियों से बातचीत की और उन्हें सुरक्षित तीर्थयात्रा और वास्तव में पूर्ण आध्यात्मिक अनुभव के लिए बधाई और शुभकामनाएं दीं। उन्होंने जम्मू–कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश की शांति और समृद्धि और सभी के कल्याण के लिए प्रार्थना की। उपराज्यपाल ने कहा,

ष्मैं पवित्र हज यात्रा पर जाने वाले तीर्थयात्रियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देता हूं। दिव्य तीर्थयात्रा सर्वशक्तिमान की ओर से एक आह्वान और एक पोषित और जीवन भर का सपना है। केंद्र सरकार तीर्थयात्रियों और उनकी पवित्र तीर्थयात्रा की भलाई के लिए सर्वोत्तम संभव व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।ष्

इस वर्ष, केंद्र शासित प्रदेश जम्मू कश्मीर से लगभग 3622 तीर्थयात्री हज यात्रा करेंगे। श्रीनगर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा 4 से 15 मई 2025 के बीच 11 उड़ानें संचालित करने वाला है, जिससे जम्मू–कश्मीर से लगभग 3132 और केंद्र

▪ शेष पेज 2...

सीएम उमर ने श्रीनगर हवाई अड्डे पर हज यात्रियों के पहले जत्थे को विदाई दी

सबका जम्मू कश्मीर

श्रीनगर : मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने आज सुबह जम्मू–कश्मीर से हज यात्रियों के पहले जत्थे को गर्मजोशी से विदाई दी तथा उनकी सुरक्षित यात्रा और मानसिक–ए–हज के सुचारू संचालन के लिए शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री आज सुबह शेख–उल–आलम अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे श्रीनगर पहुंचे, जहां उन्होंने तीर्थयात्रियों के प्रस्थान से पहले उनसे बातचीत की। कुल 178 तीर्थयात्री सऊदी अरब के लिए सीधी उड़ान में सवार हुए।

तीर्थयात्रियों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री ने उनकी भलाई और आध्यात्मिक रूप से पूर्ण हज–ए–बैतुल्लाह की कामना की। उन्होंने उनसे जम्मू–कश्मीर में स्थायी शांति, समृद्धि और प्रगति तथा लोगों की पीड़ा और विपत्ति से सुरक्षा के लिए प्रार्थना करने का आग्रह किया।

मुख्यमंत्री के साथ उनके सलाहकार नासिर असलम वानी, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव धीरज गुप्ता, कश्मीर के संभागीय आयुक्त विजय कुमार बिधूड़ी और अन्य संबंधित लोग भी थे।

तीर्थयात्रियों ने हज हाउस और श्रीनगर

▪ शेष पेज 2...

पाक महिला से शादी करने पर बर्खास्त सीआरपीएफ जवान ने प्रधानमंत्री मोदी से लगाई इंसाफ की गुहार

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : पाकिस्तानी महिला से अपनी शादी की बात छिपाने के आरोप में सेवा से बर्खास्त किये जाने के एक दिन बाद सीआरपीएफ जवान मुनीर अहमद ने रविवार को कहा कि पिछले साल बल मुख्यालय से अनुमति मिलने के करीब एक महीने बाद उन्होंने अपनी चचेरी बहन से शादी की थी।

जम्मू के घरोत्रा इलाके के निवासी अहमद ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि उनकी शादी उनके परिवारों ने तय की थी और वह अपनी बर्खास्तगी को अदालत में चुनौती देंगे।

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और सीआरपीएफ से अपने मामले पर फिर से विचार करने की अपील की और दावा किया कि "उन्होंने नियमों के मुताबिक सभी औपचारिकताएं पूरी कर ली हैं और उन्होंने कोई गलत काम नहीं किया है।" केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) ने पाकिस्तानी महिला मीनल खान के साथ अपनी शादी को "छिपाने" के लिए अहमद को बर्खास्त कर दिया है और कहा कि उनके कृत्य राष्ट्रीय सुरक्षा

▪ शेष पेज 2...

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर

शेष पेज 1 से.....

राष्ट्रवाद सर्वोच्च ....

का सामना नहीं करना चाहिए और कहा कि केंद्र सरकार उनके समर्थन के लिए लगातार और समर्पित कदम उठा रही है। केंद्रीय कृषि मंत्री और मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की प्रशंसा करते हुए धनखड़ ने कहा कि चौहान किसानों की चिंताओं को समझते हैं और उन्होंने उनके साथ रचनात्मक बातचीत शुरू की है, जो बेहद सराहनीय है। उन्होंने कहा, ष्इस देश के किसान अपने कल्याण के लिए केंद्र सरकार के प्रयासों को तेजी से पहचान रहे हैं। पहले कभी नहीं किए गए प्रयास अब किसानों के हित में किए जा रहे हैं।ष दिवंगत राजमाता विजयाराजे सिंधिया को श्रद्धांजलि देते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि वे राष्ट्रवाद के लिए दृढ़ता से खड़ी रहीं और उन्होंने अटूट समर्पण के साथ राष्ट्र की सेवा की।

उन्होंने उपस्थित सभी लोगों से राष्ट्रवाद को सर्वोच्च प्राथमिकता देने और राष्ट्र की भलाई के लिए खुद को पूरी तरह समर्पित करने का आग्रह किया। इस अवसर पर मध्य प्रदेश के राज्यपाल मंगूभाई पटेल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और अन्य गणमान्य व्यक्ति भी मौजूद थे।

एलजी सिन्हा ने ...

शासित प्रदेश लद्दाख से 242 हज यात्री सुविधा प्राप्त करेंगे।

हज यात्रियों का स्वागत जेद्दा में भारत सरकार के विदेश मंत्रालय के महावाणिज्य दूतावास द्वारा किया जाएगा। उपराज्यपाल ने पवित्र तीर्थयात्रा के सफल आयोजन के लिए सभी हितधारकों के सहयोग की भी सराहना की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री

उमर अब्दुल्ला, अतिरिक्त मुख्य सचिव धीरज गुप्ता, कश्मीर के संभागीय आयुक्त विजय कुमार बिधूड़ी, कश्मीर के पुलिस महानिरीक्षक विधि कुमार बिरदी, बडगाम के उपायुक्त अक्षय लाबरू और जम्मू–कश्मीर हज समिति के सदस्य, हवाई अड्डा प्राधिकरण, नागरिक और पुलिस प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

सीएम उमर अब्दुल्ला...

अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे दोनों पर किए गए विस्तृत और कुशल प्रबंधों के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया।

तीर्थयात्रियों की सुविधा के लिए सुगम परिवहन, बोर्डिंग और लॉजिंग, सामान सत्यापन, सुरक्षा जांच, जलपान, भोजन, प्रार्थना व्यवस्था, यात्रा दस्तावेजों का वितरण और बोर्डिंग पास जारी करने सहित विस्तृत सुविधाएं प्रदान की गई हैं।

पाक महिला से...

के लिए हानिकारक हैं।

2017 में सीआरपीएफ में शामिल हुए अहमद ने यहां संवाददाताओं से कहा, "मेरी पत्नी मेरे मामा की बेटी है, जो 1947 में विभाजन के दौरान जम्मू से पाकिस्तान चले गए थे।" उन्होंने सोशल मीडिया की उन खबरों को "झूठा और मनगढ़ंत" करार दिया, जिसमें दावा किया गया है कि वे ऑनलाइन मिले और प्यार हो गया। अपने इस दावे के समर्थन में दस्तावेज और तस्वीरें दिखाते हुए कि उन्होंने खान के साथ विवाह करने से पहले सीआरपीएफ को इसकी सूचना दी थी, जम्मू के घरोटा क्षेत्र के निवासी ने कहा, "मुख्यालय से मंजूरी मिलने के बाद हमारे परिवारों ने कैंसर रोगी मेरे पिता की हालत बिगड़ने के बाद वीजा का इंतजार किए बिना ऑनलाइन विवाह करने का फैसला किया। उनके इलाज का खर्च भी बल ने उठाया।" शनिवार देर शाम अपने घर से फोन पर पीटीआई से बात करते हुए उन्होंने कहा, "मुझे शुरू में मीडिया रिपोर्टों के माध्यम से अपनी बर्खास्तगी के बारे में पता चला। कुछ ही समय बाद मुझे सीआरपीएफ से एक पत्र मिला जिसमें मुझे बर्खास्तगी के बारे में बताया गया, जो मेरे और मेरे परिवार के लिए एक सदमे की तरह था क्योंकि मैंने मुख्यालय से एक पाकिस्तानी महिला से विवाह के लिए अनुमति मांगी थी और मुझे अनुमति मिल गई थी।" पहलगाम आतंकवादी हमले के मद्देनजर उठाए गए राजनयिक उपायों के तहत भारत द्वारा पाकिस्तानी नागरिकों को देश छोड़ने के लिए कहने के बाद खान के साथ अहमद की शादी सामने आई थी। इस हमले में 26 लोग मारे गए थे।

खान 28 फरवरी को वाघा–अटारी सीमा के माध्यम से भारत में दाखिल हुई थी और उसका अल्पकालिक वीजा 14 मार्च को समाप्त हो गया था। हालांकि, उसके दीर्घकालिक वीजा (एलटीवी) के आवेदन पर विचार करते हुए उच्च न्यायालय ने उसके निर्वासन पर रोक लगा दी थी और वह वर्तमान में अहमद के जम्मू स्थित आवास में रह रही है।जम्मू यात्रा गाइड

"मैंने 31 दिसंबर, 2022 को पहला पत्राचार किया, जिसमें पाकिस्तानी नागरिक से शादी करने की अपनी इच्छा बताई और मुझे अपने पासपोर्ट, शादी के कार्ड और हलफनामों की प्रतियां और प्रस्तावित विवाह गंतव्य संलग्न करने जैसी औपचारिकताएं पूरी करने के लिए कहा गया।

उन्होंने कहा, "मैंने अपना हलफनामा और अपने माता–पिता, सरपंच और जिला विकास परिषद के सदस्य के हलफनामे उचित चौनलों के माध्यम से जमा किए और आखिरकार 30 अप्रैल, 2024 को मुख्यालय से हरी झंडी मिल गई।"

सीआरपीएफ जवान ने कहा कि उन्होंने अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) के लिए आवेदन किया था, लेकिन उन्हें बताया गया कि ऐसा कोई प्रावधान उपलब्ध नहीं है और उन्होंने नियमों के अनुसार एक विदेशी नागरिक से अपनी शादी के बारे में सरकार को सूचित करके औपचारिकताएं पहले ही पूरी कर ली हैं।

"हमने पिछले साल 24 मई को एक वीडियो कॉल के जरिए ऑनलाइन शादी की थी। इसके बाद, मैंने अपनी 72 बटालियन को शादी की तस्वीरें, शनिकाहश के कागजात और विवाह प्रमाण पत्र जमा किए, जहां मैं तैनात था।

उन्होंने कहा, ष्जब वह पहली बार 28 फरवरी को 15 दिन के वीजा पर आईं, तो हमने मार्च में ही दीर्घकालिक वीजा के लिए आवेदन कर दिया था और साक्षात्कार सहित आवश्यक औपचारिकताएं पूरी कर ली थीं।ष उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि इससे जम्मू–कश्मीर और लद्दाख उच्च न्यायालय के लिए बुधवार को अंतिम समय में उनकी पत्नी के निर्वासन पर रोक लगाकर उन्हें राहत प्रदान करने का मार्ग प्रशस्त हुआ।

अहमद ने कहा कि वह अपनी छुट्टी की अवधि समाप्त होने पर अपनी ड्यूटी पर लौट आया और उसे 25 मार्च को सुंदरबनी स्थित बटालियन मुख्यालय में रिपोर्ट करने के लिए कहा गया, लेकिन 27 मार्च को, ष्मुझे एक स्थानांतरण आदेश दिया गया और 15 दिनों की अनिवार्य जॉइनिंग अवधि दिए बिना भोपाल (मध्य प्रदेश) में 41वीं बटालियन में तैनात कर दिया गया।

ष ष्मुझे आदेश की प्रति दी गई और तुरंत कार्यमुक्त कर दिया गया, जिससे मेरे पास भोपाल में अपनी ड्यूटी पर जाने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा, जहाँ मैंने 29 मार्च को कार्यभार संभाला। वहाँ पहुँचने पर मैंने कमांडिंग ऑफिसर और उनके डिप्टी का साक्षात्कार लिया और दस्तावेज़ीकरण प्रक्रिया भी पूरी की, जिसमें स्पष्ट रूप से एक पाकिस्तानी महिला से मेरी शादी का उल्लेख था,ष उन्होंने कहा, उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने अपनी बटालियन डेटा रिकॉर्ड बुक में भी इसकी प्रविष्टि की है।

सीआरपीएफ जवान ने कहा कि वह अपनी बर्खास्तगी को चुनौती देने के लिए अगले कुछ दिनों में अदालत का रुख करेगा।

उन्होंने कहा, ष्मुझे कानून की अदालत से न्याय मिलने की उम्मीद है,ष उन्होंने 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले के पीड़ितों को भी श्रद्धांजलि दी, जिसमें 26 लोगों की जान चली गई थी।

अटारी-वाघा सीमा...

शुक्रवार को दोपहर 12 बजे तक पाकिस्तान में प्रवेश करने वाले 21 पाकिस्तानी नागरिक एकीकृत जांच चौकी के बाहर सड़कों पर डेरा डाले हुए थे पाकिस्तान ने शुक्रवार को घोषणा की कि वह भारत में फंसे अपने नागरिकों के लिए वाघा सीमा क्रॉसिंग के इस्तेमाल की अनुमति देना जारी रखेगा। मीडिया ? के सवालों का जवाब देते हुए, पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने अटारी सीमा पर भारत की ओर से बच्चों सहित पाकिस्तानी नागरिकों के फंसे होने की रिपोर्ट को स्वीकार किया। प्रवक्ता ने

कहा, हमें मीडिया की उन रिपोर्टों की जानकारी है, जिनमें संकेत दिया गया है कि अटारी में कुछ पाकिस्तानी नागरिक फंसे हुए हैं। अगर भारतीय अधिकारी उन्हें अपनी सीमा से सीमा पार करने की अनुमति देते हैं, तो हम अपने नागरिकों को स्वीकार करने के लिए तैयार हैं। प्रवक्ता ने कहा कि भविष्य में भी वाघा सीमा पाकिस्तानी नागरिकों के लिए खुली रहेगी, जो वापस लौटना चाहते हैं।

हालांकि, कुछ अन्य विदेशी नागरिक जिनके पास अपने निजी वाहनों में जाने के लिए वीज़ा था, उन्हें अभी भी सीमा पार करने की अनुमति नहीं दी गई है और वे एकीकृत चेक पोस्ट के पास इंतजार कर रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ....

अतिरिक्त आधार हैं, तो आप हस्तक्षेप आवेदन दायर कर सकते हैं।

29 अप्रैल को पीठ ने अधिनियम की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली 13 याचिकाओं पर विचार करने से इनकार कर दिया था। पीठ ने कहा, ष्हम अब याचिकाओं की संख्या नहीं बढ़ाने जा रहे हैं... यह बढ़ती रहेंगी और इन्हें संभालना मुश्किल हो जाएगा।

17 अप्रैल को पीठ ने अपने समक्ष प्रस्तुत याचिकाओं में से केवल पांच पर सुनवाई करने का निर्णय लिया और मामले का शीर्षक रखाः "वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 के संबंध में"। तब केंद्र ने पीठ को आश्वासन दिया कि वह 5 मई तक न तो "वक्फ बाय यूजर" सहित वक्फ संपत्तियों को गैर–अधिसूचित करेगा और न ही केंद्रीय वक्फ परिषद और बोर्डों में कोई नियुक्ति करेगा।

इस कानून के खिलाफ करीब 72 याचिकाएं दायर की गई थीं। इनमें एआईएमआईएम नेता असदुद्दीन ओवैसी, ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (एआईएमपीएलबी), जमीयत उलमा–ए– हिंद, द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) और कांग्रेस सांसद इमरान प्रतापगढ़ी और मोहम्मद जावेद की याचिकाएं शामिल थीं।

तीन वकीलों को नोडल वकील नियुक्त करते हुए पीठ ने वकीलों से कहा कि वे आपस में तय करें कि कौन बहस करेगा।

पीठ ने कहा, ष्हम स्पष्ट करते हैं कि अगली सुनवाई (5 मई) प्रारंभिक आपत्तियों और अंतरिम आदेश के लिए होगी।ष

केंद्र ने हाल ही में इस अधिनियम को अधिसूचित किया है, जिसे संसद के दोनों सदनों में गरमागरम बहस के बाद पारित होने के बाद 5 अप्रैल को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की मंजूरी मिल गई थी।

विधेयक को राज्य सभा में पारित कर दिया गया, जहां 128 सदस्यों ने इसके पक्ष में तथा 95 ने इसके विरोध में मत दिया। लोकसभा में इसे 288 सदस्यों ने इसके समर्थन में तथा 232 सदस्यों ने इसके विरोध में मत दिया।

इंडोनेशिया में 3 भारतीयों को मौत की सजा, दिल्ली हाईकोर्ट ने एमईए को दिया यह आदेश

एजेंसी

दिल्ली उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को इंडोनेशिया में मादक पदार्थ तस्करी के मामले में मौत की सजा पाए तीन भारतीय नागरिकों को कानूनी सहायता उपलब्ध कराने का आदेश दिया है. अदालत ने इंडोनेशिया स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास को निर्देश दिया है कि वह यह सुनिश्चित करे कि दोषियों को पर्याप्त कानूनी प्रतिनिधित्व और अपीलीय सहायता मिले.

न्यायमूर्ति सचिन दत्ता ने यह आदेश दोषियों के जीवनसाथियों द्वारा दायर एक याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया. उन्होंने विदेश मंत्रालय को भी निर्देश दिया कि वह इंडोनेशियाई सरकार के साथ राजनयिक स्तर पर मामला उठाए और संबंधित अंतरराष्ट्रीय समझौतों के तहत कार्रवाई करे.

तीनों भारतीय नागरिक कृ तमिलनाडु के राजू मुथुकुमारन, सेल्वादुरई दिनाकरन और गोविंदसामी विमलकांधन कृ को जुलाई 2024 में इंडोनेशिया के तांजुंग बलाई करीमुन जिले में एक मालवाहक जहाज से 106 किलोग्राम क्रिस्टल मेथ (एक मादक पदार्थ) की तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया गया था. हाल ही में जिला न्यायालय ने उन्हें मादक पदार्थ कानून के तहत मृत्युदंड की सजा सुनाई है.

याचिका में कहा गया है कि तीनों व्यक्ति सिंगापुर की एक शिपिंग कंपनी में काम करके अपने परिवार का पालन–पोषण कर रहे थे और उनके पास सीमित आर्थिक संसाधन हैं.

उन्होंने यह भी बताया कि अपील दायर करने की समय–सीमा बेहद सख्त है और तुरंत कार्रवाई की आवश्यकता है.

दिल्ली हाईकोर्ट ने वाणिज्य दूतावास को दिया ये आदेश

अदालत ने वाणिज्य दूतावास को दोषियों और भारत में उनके परिवारों के बीच संचार बनाए रखने के लिए आवश्यक कदम उठाने का भी निर्देश दिया है. याचिकाकर्ताओं को इंडोनेशियाई अदालत के फैसले की प्रति 29 अप्रैल को प्राप्त हुई थी, और इस मामले की अगली सुनवाई 6 मई को तय की गई है.

अदालत ने वाणिज्य दूतावास को कहा कि वह पीड़ित परिवारों को लेकर आवश्यक कदम उठाए है और उनके लिए कानून मदद उपलब्ध कराएं. इसके साथ ही हाईकोर्ट ने उन पीड़ित व्यक्तियों से संपर्क बनाए रखने का निर्देश दिया है. कोर्ट ने कहा कि तत्काल इस बावत वाणिज्य दूतावास की ओर से कदम उठाए जाएं. कोर्ट नेविदेश मंत्रालय को भी इंडोनेशियाई सरकार के साथ राजनयिक स्तर पर बातचीत करने को कहा है.

घाट में अंतर-विद्यालयीय क्षेत्रीय स्तरीय टूर्नामेंट आयोजित

सबका जम्मू कश्मीर

उपायुक्त हरविंदर सिंह के निर्देशानुसार तथा जिला युवा सेवाएं एवं खेल अधिकारी प्रीतम सिंह के मार्गदर्शन में आज घाट में अंतर–विद्यालय जोनल स्तरीय खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया ।

क्षेत्रीय शारीरिक शिक्षा कार्यालय ने वॉलीबॉल, कबड्डी और खो–खो में उत्साहपूर्ण प्रतियोगिताओं वाले टूर्नामेंट का समन्वय किया । घाट क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों के 162 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया । युवा खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता के दौरान उल्लेखनीय प्रतिभा, टीमवर्क और खेल भावना का प्रदर्शन किया, जिससे यह कार्यक्रम युवाओं और शारी. रिक फिटनेस का जीवंत उत्सव बन गया।

प्रधानाचार्य, राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय घाट दिनेश कुमार मुख्य अतिथि थे। उन्होंने प्रतिभागियों की लगन और ऊर्जा की सराहना की।

पीईएल और प्रभारी जेडपीईओ सुरिंदर कुमार ने नोडल अधिकारी के रूप में कार्य किया और आयोजन और देखरेख में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। टूर्नामेंट का सफल क्रियान्वयन सभी पीईएम, पीईटी और आरईके के सामूहिक प्रयासों से संभव हुआ। मेडिकल स्टाफ की तैनाती और मौके पर प्राथमिक उपचार सहायता सुनिश्चित करने के लिए ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर, घाट को विशेष धन्यवाद दिया गया। आयोजकों ने डायमंड यूथ क्लब घाट को निःशुल्क एम्बुलेंस सेवा प्रदान करने के लिए भी हार्दिक आभार व्यक्त किया, जिससे कार्यक्रम की सुरक्षा और सुचारू संचालन में और अधिक योगदान मिला। इस टूर्नामेंट ने न केवल स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा दिया, बल्कि स्कूली छात्रों के बीच खेल और शारीरिक शिक्षा के महत्व को भी मजबूत किया।

जम्मू-कश्मीर के राजौरी में सड़क दुर्घटना में दो लोगों की मौत, 2 अन्य घायल

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : जम्मू–कश्मीर के राजौरी जिले के डलहोरी इलाके के पास शुक्रवार को एक वाहन के पलट जाने से कम से कम दो लोगों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य घायल हो गए।

अधिकारियों ने बताया कि पंजीकरण संख्या जेके11ई–0621 वाला एक वाहन अपना नियंत्रण खो बैठा और पलट गया। इस घटना में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

मृतकों की पहचान शकूर अहमद (22) निवासी डलहोरी तल्ली और अजहर अली पुत्र मोहम्मद मुश्ताक (12) निवासी मंजाकोट के रूप में हुई है। जबकि घायलों की पहचान रजिया बेगम (30) पत्नी जुल्फिकार हुसैन और मोहम्मद नोरानी (56) पुत्र अब्दुल रमीन दोनों निवासी डलहोरी के रूप में हुई है।

इस बीच, पुलिस ने घटना का संज्ञान ले लिया है।

सोना 1,080 रुपये बढ़कर 96,800 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंचा, चांदी 1,600 रुपये उछली

सबका जम्मू कश्मीर

नई दिल्ली : अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, विदेशों में मजबूती के रुख के बीच आभूषण विक्रेताओं की ताजा खरीदारी के कारण शुक्रवार को राष्ट्रीय राजधानी में सोना 1,080 रुपये बढ़कर 96,800 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। गुरुवार को 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाली कीमती धातु 2,830 रुपये गिरकर 95,720 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गई थी। 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 180 रुपये बढ़कर 96,350 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। पिछले बाजार सत्र में यह 1,930 रुपये घटकर 96,170 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया था।

कारोबारियों ने कहा कि स्थानीय आभूषण विक्रेताओं की ताजा मांग और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में मजबूती के रुख के कारण सोने में तेजी आई। इसके अलावा, शुक्रवार को चांदी की कीमत भी 1,600 रुपये बढ़कर 97,100 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। पिछले बंद में सफेद धातु 2,500 रुपये की गिरावट के साथ 95,500 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गई थी। श्अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवसश के अवसर पर गुरुवार को सुबह के सत्र में स्थानीय बाजार बंद थे।

बाद में, शाम के सत्र में इसे कारोबार के लिए फिर से खोला गया। वैश्विक बाजारों में हाजिर सोना 23.10 डॉलर या 0.71 प्रतिशत बढ़कर 3,262.30 डॉलर प्रति औंस हो गया।

एलकेपी सिक्योरिटीज के वाइस प्रेसिडेंट रिसर्च एनालिस्ट, कमोडिटी एंड करेंसी, जतिन त्रिवेदी ने कहा, अमेरिका के नेतृत्व वाले व्यापार सौदों को लेकर लगातार अस्पष्टता के बीच धारणा स्थिर होने से सोने की कीमतों में जोरदार उछाल आया।

उपमुख्यमंत्री ने डाक बंगला नौशेरा में निर्माण कार्यों की प्रगति का निरीक्षण किया

सबका जम्मू कश्मीर

राजौरी : उपमुख्यमंत्री सुरेन्द्र सिंह चौधरी ने आज पीडब्ल्यूडी डाक का दौरा किया उन्होंने नौशेरा स्थित बंगलो का दौरा किया और वहां चल रहे निर्माण कार्यों की प्रगति का निरीक्षण किया।

डाक बंगले में सम्मेलन हॉल की प्रगति का मूल्यांकन करना था। बंगला नौशेरा .

अपने दौरे के दौरान उपमुख्यमंत्री को बताया गया कि परियोजना की अनुमानित लागत 249 लाख रुपये है और यह दिसंबर 2025 तक पूरी हो जाएगी।

उपमुख्यमंत्री ने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता का निरीक्षण किया तथा कार्यदायी संस्थाओं को कार्य निष्पादन में उच्च मानक बनाए रखते हुए प्रगति की गति में तेजी लाने के निर्देश दिए।

बुनियादी ढांचे के विकास के महत्व पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे समय–सीमा का सख्ती से पालन सुनिश्चित करें तथा परियोजनाओं को समय पर पूरा करने में आने वाली बाधाओं को दूर करें।

सुरिंदर ने कहा , गुणवत्ता से किसी भी कीमत पर समझौता नहीं किया जाना चाहिए, क्योंकि ये परियोजनाएं क्षेत्र के समग्र विकास और लोगों की भलाई के लिए महत्वपूर्ण हैं।ß चौधरी ने टिप्पणी की।

उपमुख्यमंत्री ने पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए चल रहे कार्यों की नियमित निगरानी और मूल्यांकन का आह्वान किया।

एयर मार्शल एन तिवारी ने वायुसेना उप प्रमुख का कार्यभार संभाला

सबका जम्मू कश्मीर

नई दिल्ली : 3,600 घंटे से ज़्यादा उड़ान के अनुभव वाले एक प्रतिष्ठित लड़ाकू पायलट एयर मार्शल नर्मदेश्वर तिवारी ने शुक्रवार को वायुसेना के नए उप प्रमुख के रूप में कार्यभार संभाला।

वे एयर मार्शल एसपी धारकर की जगह लेंगे, जो 30 अप्रैल को सेवा. निवृत्त हुए थे। वायुसेना के उप प्रमुख के रूप में कार्यभार संभालने से पहले, एयर मार्शल तिवारी गांधीनगर स्थित दक्षिण पश्चिमी वायु कमान (एसडब्ल्यूएसी) के एयर ऑफिसर कमांडिंग–इन–चीफ (एओसी–इन–सी) के रूप में कार्यरत थे।

एयर मार्शल को वायु सेना मुख्यालय – वायु भवन में गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। "एयर मार्शल नर्मदेश्वर तिवारी पीवीएसएम एवीएसएम वीएम ने 02 मई 25 को आईएएफ के वाइस चीफ के रूप में पदभार संभाला। आरआईएमसी, एनडीए और यूएस एयर कमांड एंड स्टाफ कॉलेज के पूर्व छात्र, वह एक प्रतिष्ठित फाइटर पायलट, टेस्ट पायलट और एसडब्ल्यूएसी के पूर्व एओसी–इन–सी हैं, जिनके पास 3600 घंटे से अधिक का उड़ान अनुभव है," आईएएफ ने एक्स पर पोस्ट किया।

उन्हें जून 1986 में फाइटर स्ट्रीम में कमीशन किया गया था। राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के पूर्व छात्र, वे राष्ट्रपति के स्वर्ण पदक विजेता के रूप में उत्तीर्ण हुए।

एयर मार्शल तिवारी ने विभिन्न प्रकार के विमान उड़ाए हैं, और एक योग्य उड़ान प्रशिक्षक और साथ ही एक प्रायोगिक परीक्षण पायलट हैं, रक्षा मंत्रालय ने पहले एक बयान में कहा था। एयर मार्शल ने इससे पहले मई 2023 में एओसी–इन–सी, एसडब्ल्यूएसी के रूप में पदभार संभाला था।

जेआईएआर ने छात्रों और शिक्षकों के लिए मानसिक स्वास्थ्य सत्र आयोजित किया

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : जम्मू आयुर्वेद एवं अनुसंधान संस्थान (जेआईएआर) ने आज छात्रों और शिक्षकों के बीच आध्यात्मिक विकास और समग्र स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए ष्मानसिक स्वास्थ्य और कल्याणष् पर एक सत्र आयोजित किया। छात्रों और शिक्षकों ने इस विषय में गहरी रुचि दिखाते हुए उत्साहपूर्वक भाग लिया।

मुख्य वक्ता आध्यात्मिक नेता और गॉड होम जर्नी ट्रस्ट के संस्थापक मास्टर जी थे, जिन्होंने खुशी और कल्याण प्राप्त करने के बारे में बात की।

अन्य वक्ताओं में श्री भानु प्रताप, डॉ. इशिता गुप्ता, श्रीमती अशोक लता और श्री एम.के. धर शामिल थे, जिन्होंने आधुनिक जीवन में मानसिक स्वास्थ्य के महत्व पर अंतर्दृष्टि साझा की।

सत्र में जेआईएआर की अध्यक्ष श्रीमती सुमन शर्मा ने भाग लिया, जो मुख्य अतिथि थीं, जिन्होंने समग्र विकास के लिए संस्थान की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला।

जेआईएआर के सीईओ और प्रिंसिपल डॉ. नितिन महाजन ने शैक्षणिक और व्यक्तिगत विकास के लिए मानसिक कल्याण के महत्व पर जोर दिया। प्रबंध निदेशक श्री रवीश शर्मा और सीईओ श्रीमती जसुधा शर्मा ने भी वक्ताओं और योगदानकर्ताओं को धन्यवाद दिया।

सत्र ने अपने शैक्षणिक समुदाय के लिए एक देखभाल और सहायक वातावरण बनाने के लिए श्रप्ॅ्त की प्रतिबद्धता को दर्शाया।

ष्मानसिक स्वास्थ्य और कल्याणष् सत्र श्रप्ॅ्त के समर्पण का प्रमाण था, जो एक सहायक, दयालु और आध्यात्मिक रूप से उत्थान करने वाला वातावरण बनाने के लिए था, जहाँ व्यक्तियों को शैक्षणिक और व्यक्तिगत रूप से आगे बढ़ने के लिए सशक्त बनाया जाता है।

पुंछ में बोर्ड परीक्षा के टॉपर्स से बातचीत की

सबका जम्मू कश्मीर

पुंछ : उपायुक्त (डीसी) विकास कुंडल ने आज कक्षा 12वीं और कक्षा 10वीं की बोर्ड परीक्षा के शीर्ष अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों से बात. चीत की, जिनके परिणाम हाल ही में घोषित किए गए। 95ः अंक लाने वाले विद्यार्थियों ने डीसी से उनके कार्यालय में मुलाकात की। उन्होंने विद्यार्थियों को उनकी असाधारण शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए बधाई दी तथा उनकी लगन और कड़ी मेहनत की प्रशंसा की । डीसी ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने और विभिन्न चुनौतियों का सामना करते हुए भी छात्रों की क्षमता का पोषण करने में सरकारी स्कूलों की सराहना की।

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर

पाकिस्तान फिर हुआ बेनकाब, पहलगाम हमले का मास्टरमाइंड निकला आतंकी हाशिम मूसा

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए भीषण आतंकी हमले की जांच में बड़ा खुलासा हुआ है. सुरक्षा एजेंसियों ने हमले के मास्टरमाइंड की पहचान कर ली है. यह आतंकी कोई और नहीं बल्कि पाकिस्तान में सक्रिय लश्कर–ए–तैयबा और द रेजिस्टेंस फ्रंट (ज्थ्) से जुड़ा कुख्यात आतंकवादी हाशिम मूसा है. हाशिम मूसा उन चार आतंकवादियों में भी शामिल जिन्होंने इस घटना को अंजाम दिया था और 26 निर्दोष लोगों को गोली मार दी थी.

सूत्रों के अनुसार, दावा यह भी किया जा रहा है कि इस हमले की पूरी साजिश पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी [illegible] के निर्देश पर रची गई थी. [illegible] के इंडिया डेस्क प्रमुख ब्रिगेडियर खालिद शहजाद और [illegible] प्रमुख आसिम मलिक के साथ–साथ पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर तक इस साजिश में शामिल थे.

भारत की शांति को भंग करने की साजिश

पहलगाम हमला एक बार फिर साबित करता है कि पाकिस्तान की जमीन से संचा. लित आतंकी संगठन भारत की शांति और स्थिरता को भंग करने की कोशिश कर रहे हैं. पूरे देश में इस घटना के बाद से गुस्सा और लोग पाकिस्तान पर सख्त एक्शन की मांग कर रहे हैं. घटना के विरोध में जम्मू–कश्मीर के लोग भी सड़क पर उतर आए थे और आतंकवादियों के खिलाफ सख्त एक्शन की मांग कर रहे हैं.

चरम पर है दोनों देशों के बीच तनाव

इस हमले ने भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव को और भी बढ़ा दिया है. भारत सरकार ने साफ कर दिया है कि आतंकवाद के खिलाफ उनकी लड़ाई जारी रहेगी और 26 निर्दोष लोगों की मौत का बदला लिया जाएगा. घटना को अंजाम देने वाले आतंकियों और उनके आकाओं को छोड़ा नहीं जाएगा. हमले में मारे गए पर्यटकों के परिवारों के प्रति भारत सरकार ने अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की है और दोषियों को न्याय के कटघरे में खड़ा करने का आश्वासन भी दिया है.

भारत की सेनाएं हाई अलर्ट पर

पहलगाम अटैक के बाद से भारत की तीनों सेनाएं पूरी तरह से अलर्ट मोड में हैं. जम्मू–कश्मीर में चप्पे–चप्पे में तलाशी अभियान चलाया जा रहा है. पुलिस और सुरक्षाबलों की ओर से पहलगाम और उसके आसपास के इलाकों से करीब 1500 लोगों से हिरासत में लेकर पूछताछ की गई है. कई लोगों से अभी भी पूछताछ चल रही है.

पाकिस्तान के खिलाफ सख्त एक्शन

घटना के बाद केंद्र सरकार ने पाकिस्तान को लेकर सख्त एक्शन भी लिया जिसमें सिंधु जल समझौता को स्थगित कर दिया है. सरकार ने दिल्ली स्थिति पाकिस्तानी उच्चायोग में 5 अधिकारियों की कटौती करने का भी निर्देश दिया.

इसके साथ–साथ अटारी वाघा बॉर्डर पर को भी बंद कर दिया गया है. भारत में मौजूद सभी पाकिस्तानी नागरिकों को वापस भेजने की प्रक्रिया चल रही है.

सीएम उमर के जम्मू स्थित घर पर कैबिनेट की आपातकालीन बैठक जारी

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : जम्मू–कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने जम्मू में अपने आवास पर अपने मंत्रिमंडल के सहयोगियों की एक आपातकालीन बैठक बुलाई है। सूत्रों ने बताया कि जम्मू में मुख्यमंत्री के वजारत आवास पर मंत्रिमंडल की बैठक चल रही है।

उन्होंने बताया कि बैठक में उनके सभी मंत्रिमंडल के सहयोगी मौजूद हैं। बैठक का एजेंडा क्या है, यह अभी पता नहीं चल पाया है। पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए घातक आतंकी हमले के मद्देनजर यह बैठक महत्वपूर्ण मानी जा रही है, जिसमें 26 नागरिक मारे गए थे। इससे पहले मुख्यमंत्री ने हमले की निंदा करने के लिए श्रीनगर में मंत्रिमंडल की बैठक की अध्यक्षता भी की थी ।

कनाडा में तीन दिन से लापता भारतीय छात्र मृत मिला

सबका जम्मू कश्मीर

ओटावा : अधिकारियों के अनुसार, कनाडा के ओंटारियो प्रांत में तीन दिन पहले लापता हुई 21 वर्षीय भारतीय छात्रा मृत पाई गई है। ओटावा में भारतीय उच्चायोग ने सोमवार को एक पोस्ट में वंशिका की मौत की पुष्टि की। इसमें कहा गया, ष्ओटावा में भारत की छात्रा सुश्री वंशिका की मौत की सूचना पाकर हमें बहुत दुख हुआ है।

साथ ही, संबंधित अधिकारियों ने मामले को अपने हाथ में ले लिया है, जिसकी अब जांच चल रही है। उच्चायोग से जुड़े इंडो–कैनेडियन एसोसिएशन द्वारा सोशल मीडिया पर पोस्ट के अनुसार, वंशिका पिछले शुक्रवार को ओटावा में 7 मैजेस्टिक ड्राइव स्थित अपने घर से रात करीब 8–9 बजे किराए का कमरा देखने के लिए निकली थी, जिसके बाद वह लापता हो गई। पोस्ट के अनुसार, उसका फोन उस रात करीब 11. 40 बजे बंद हो गया था और वह अगले दिन एक महत्वपूर्ण परीक्षा में शामिल नहीं हो पाई, जिसके बारे में कहा गया कि यह छात्रा के लिए "पूरी तरह से असामान्य" था। उच्चायोग ने कहा कि वह "शोक संतप्त परिजनों और स्थानीय सामुदायिक संगठनों के साथ हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए निकट संपर्क में है"। एक्स पर पहले की एक पोस्ट में, इसने मामले के बारे में कोई भी जानकारी रखने वाले लोगों से स्थानीय सामुदायिक संगठनों से संपर्क करने का आग्रह किया था।

'हम अपने आतंकवादियों को शहीद कर देंगे...', भरी सभा में यह क्या बोल गए झारखंड के मंत्री इरफान अंसारी; बीजेपी ने घेरा

एजेंसी

जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में हाल ही में हुए आतंकी हमले में 26 निर्दोष पर्यटकों की पहचान पूछकर की गई निर्मम हत्या ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है. इस बर्बर हमले के बाद पूरे देश में आक्रोश का माहौल है और पाकिस्तान के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की जा रही है. झारखंड में भी इस हमले के खिलाफ विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं. इसी बीच झारखंड सरकार के स्वास्थ्य एवं खाद्य आपूर्ति मंत्री डॉ. इरफान अंसारी अपने एक बयान को लेकर विवादों में घिर गए हैं.

मंत्री इरफान अंसारी ने कहा कि मुझे मशीन गन, टैंक या तोप दीजिए, मैं आतंकवादियों को खत्म करूंगा. हम गरीबों के आंसू नहीं देख सकते. अब समय आ गया है कि पाकिस्तान में घुसकर आतंकियों को मारा जाए. हालांकि, इसी भाषण के दौरान उनकी ओर से कहे गए एक लाइन 'हम अपने आतंकवादियों को शहीद कर देंगे. को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है.

मंत्री के बयान पर विपक्षी दल बीजेपी ने दी कड़ी प्रतिक्रिया

मंत्री के इस बयान को लेकर विपक्षी दल बीजेपी ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है. बीजेपी के विधायक और पूर्व मंत्री सीपी सिंह ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि मैं इरफान अंसारी को सलाह दूंगा कि बॉर्डर पर जाने से पहले अपनी पैंट टाइट कर लें, नहीं तो पैंट खुल जाएगी और गीली भी हो जाएगी. उन्होंने आरा. `प लगाया कि मंत्री अंसारी जैसे लोग आतंकवादियों को शहीद मानते हैं और उनके दिल में उनके लिए हमदर्दी है. उन्होंने तंज कसते हुए पूछा कि अगर सभी आतंकी जन्नत जाते हैं, तो 72 हूरों की संख्या कितनी है?

कांग्रेस ने मंत्री इरफान अंसारी के बयान का किया बचाव दूसरी ओर कांग्रेस मंत्री इरफान अंसारी के बचाव में उतर आई टिप्पणी को स्लिप ऑफ टंग करार दिया.प्रदेश कांग्रेस महासचिव राकेश सिन्हा ने कहा कि बयान आक्रोश में दिया गया और वह 'स्लिप ऑफ टंग' था. जब कोई व्यक्ति भावनात्मक स्थिति में होता है तो शब्दों का चयन गलत हो सकता है. उन्होंने भाजपा पर पलटवार करते हुए कहा कि सीपी सिंह जैसे नेता जानबूझकर उकसाने वाले बयान देते हैं. साथ ही उन्होंने प्रधानमंत्री द्वारा 'पंचर बनाने वाला' जैसे शब्दों के इस्तेमाल पर भी सवाल उठाया.

उन्होंने कहा, सीपी सिंह उस वक्त क्यों नहीं बोले थे, जब प्रधानमंत्री ने एक पूरे समुदाय को 'पंचर बनाने वाला' कह दिया था. ये लोग व्हाट्सएप यूनिवर्सिटी के पढ़े हुए हैं, जो नाग. पुर की स्क्रिप्ट पर बयानबाजी करते हैं. ऐसे लोगों पर प्रतिक्रिया देना भी उचित नहीं है.

उत्तर प्रदेश : कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने रायबरेली में दिशा बैठक की अध्यक्षता की

सबका जम्मू कश्मीर

उत्तर प्रदेश/रायबरेली : कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को रायबरेली में जिला विकास समन्वय और निगरानी समिति (दिशा) की बैठक की अध्यक्षता की। दिशा समिति की बैठकें सांसद की अध्यक्षता में तिमाही आधार पर आयोजित की जाती हैं।

इससे पहले राहुल गांधी ने रायबरेली में नवनिर्मित शहीद चौक और डिग्री कॉलेज चौराहे का उद्घाटन किया। उन्होंने शहर में श्री पीपलेश्वर महादेवजी मंदिर और हनुमान मंदिर में जाकर पूजा–अर्चना भी की। रायबरेली से सांसद राहुल गांधी इस समय जिले के एक दिवसीय दौरे पर हैं। अपने दौरे के दौरान वह प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) के तहत सड़कों का उद्घाटन भी करेंगे। गौरतलब है कि राहुल गांधी ने 2024 के आम चुनावों में रायबरेली लोकसभा सीट से 390,030 वोटों के बड़े अंतर से जीत हासिल की थी।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद बढ़ी सतर्कता, कश्मीर घाटी में 48 टूरिस्ट साइट बंद

एजेंसी

पहलगाम आतंकी हमले की वजह से एहतियात के तौर पर कश्मीर घाटी के कुछ पर्यटन स्थलों को कुछ समय के लिए विराम दिया गया है. टूरिस्ट्स के सुरक्षा के लिहाज से संवेदनशील इलाकों में स्थित करीब 50 सार्वजनिक पार्क और गार्डन को बंद कर दिया गया है. अधिकारियों ने वहां जाने वाले टूरिस्टों के लिए खतरे की आशंका के मद्देनजर कश्मीर में 87 सार्वजनिक पार्क और 48 गार्डन को बंद कर दिया गया है. उन्होंने बताया कि सुरक्षा समीक्षा एक लगातार होने वाली प्रक्रिया है और आने वाले दिनों में और भी कई जगहों को लिस्ट सूची में जोड़ा जा सकता है.

अधिकारियों ने बताया कि बंद किए गए पर्यटक स्थल कश्मीर के दूरदराज के इलाकों में हैं. खासतौर पर इनमें पिछले 10 सालों में खोले गए कुछ नए स्थल भी शामिल हैं. पर्यटकों के लिए प्रतिबंधित स्थानों में दूधपथरी, को. करनाग, दुक्सुम, सिंथन टॉप, अच्छाबल, बंगस घाटी, मार्गन टॉप और तोसामैदान शामिल हैं.

औपचारिक आदेश नहीं है जारी

बंद किए गए इन पर्यटकों को लेकर अधिकारियों की ओर से किसी भी तरह का औपचारिक आदेश जारी नहीं किया गया है. फिलहाल, के लिए इन स्थानों पर पर्यटकों की एंट्री को रोक दिया गया है. दक्षिण कश्मीर के कई मुगल गार्डन के मामले में इन स्थानों को पर्यटकों के लिए बंद कर दिया गया है.

इन पर्यटन स्थलों को बंद करने का फैसला पहलगाम रिसॉर्ट के बैसरन मैदान में आतंकवादियों की ओर से 26 लोगों की मौत के बाद लिया गया है. मरने वाले लोगों में ज्यादातर पर्यटक शामिल थे. 22 अप्रैल को इन सभी की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी.

मरने वाले 26 लोगों में 25 भारतीय और एक नेपाली नागरिक शामिल हैं. द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) ने शुरू में हमले की जिम्मेदारी ली थी, लेकिन बाद में वो अपने बयान से मुकर गया. इस हमले ने भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ा दिया है. इस हमले के बाद से क्षेत्र में सुरक्षा प्रोटोकॉल बढ़ा दिए गए हैं.

टूरिज्म सेक्टर पर पड़ेगा प्रभाव

एक ओर जहां पहलगाम घटना के बाद भी कुछ लोग जम्मू कश्मीर में जाने की अपील कर रहे हैं, तो वहीं ज्यादा संख्या में लोगों ने यहां जाने के अभी के प्लान को टाल दिया है.

वेव्स यानी भारतीय सिनेमा का ग्लोबल गेटवे३ क्या है कांसेप्ट, समझें पूरा प्लान

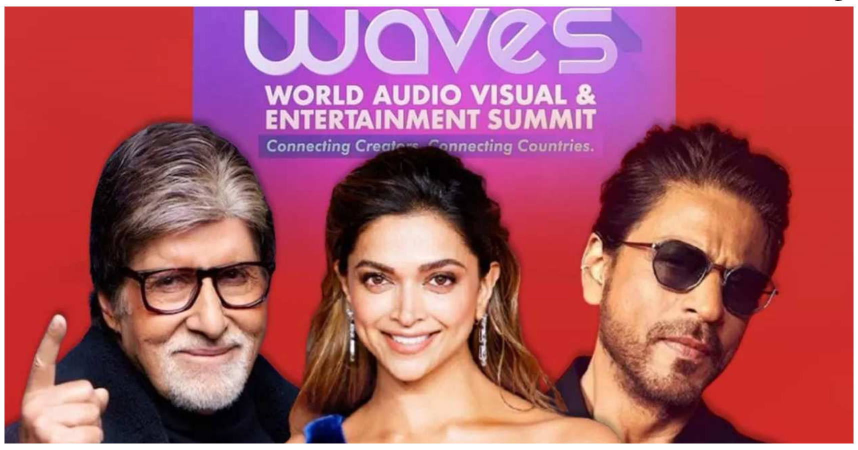

एजेंसी

भारतीय सिनेमा जगत ग्रेट शोमैन राज कपूर के जमाने से ही ग्लोबल है. राज कपूर की फिल्में पूर्व सोवियत संघ से लेकर चीन और पूरे एशियाई देशों में काफी लो. कप्रिय रही हैं. राज कपूर के पहले लंदन से लेकर पेरिस तक देविका रानी और हिमांशु रॉय जैसी फिल्म हस्तियों की पर्सनाल्टी का दबदबा रहा है. वहीं सत्तर और अस्सी के दशक में जब भारतीय सिनेमा अमिताभ बच्चन, मिथुन चक्रवर्ती, रजनीकांत, शाहरुख खान, सलमान खान, ऋतिक रोशन, प्रियंका चोपड़ा जैसे सितारों के दौर से गुजरता है तो वह पहले से भी अधिक इंटरनेशनल हो जाता है. दुनिया का कोई भी ऐसा मुल्क नहीं जहां भारतीय कला और मनोरंजन जगत की उपलब्धियों की पहुंच और प्रसिद्धि ना देखने को मिली हो. इस लिहाज से वेव्स समिट अहम है जो क्रिएटर्स को विधिवत तरीके से एक मंच प्रदान करता है. नई पीढ़ी के कलाकारों में सकारात्मक उत्साह बढ़ाता है.

हाल के सालों में इंडियन एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री का ग्लोबल प्रभाव और भी तेजी से बढ़ा है. यह देखा गया है कि हॉलीवुड, कोरिया, चीनी, ईरानी या रसियन सिनेमा की तरह भारतीय सिनेमा भी अब पूरे ग्लोबल स्टैंडर्ड के साथ आ रहा है. इस तकनीक में दक्षिण भारत का सिनेमा तो बॉलीवुड से भी एक कदम आगे निकल चुका है, जो सीधे हॉलीवुड से मुकाबला कर रहा है. गुरुवार को वेव्स समिट में एक बातचीत में पुष्पा एक्टर अल्लू अर्जुन ने यह कहा भी कि हम दुनिया के प्लेटफॉर्म पर तेजी से आगे बढ़ रहे हैं. यानी वेव्स समिट भारतीय सिनेमा का ग्लोबल गेटवे बनने वाला है.

गौरतलब है कि भारतीय फिल्म इंडस्ट्री इन दिनों आर्थिक संकट से भी गुजर रही है. पूरे साल में पांच सौ से ज्यादा फिल्में तो बन रही हैं लेकिन गिनती की ही ऐसी फिल्में हैं जो बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर हो पा रही हैं. ज्यादातर फिल्मों का बॉक्स ऑफिस पर प्रदर्शन खराब देखा जा रहा है. ऐसे में ॅ।टै का मकसद निराशा के इस माहौल को दूर करना और सिनेमा संस्कृति को नई ऊंचाइयों पर ले जाना है. सम्मेलन में फिल्म जगत के तमाम दिग्गजों में अमिताभ बच्चन, शाहरुख खान, दीपिका पादुकोण, रणबीर कपूर, आलिया भट्ट, आमिर खान आदि जुटे और इस पहल की सबसे अपने अपने शब्दों में सराहना की. तय ये भी किया गया कि भविष्य में ॅ।टै पुरस्कार शुरू किए जाएंगे.

भारत को ग्लोबल पावर बनाना है

वास्तव में वेव्स समिट का मकसद क्रिएटीविटी को प्रोत्साहित करना और डिजिटल कंटेंट के साथ भारत को ग्लोबल पावर रूप में स्थापित करना है. भारतीय सिनेमा हमेशा से पूरी दुनिया में भरपूर मना. `रंजन प्रदान करता रहा है. आज की तारीख में अमेरिका में भारतीय फिल्में धूम मचाती हैं. हिंदी फिल्मों का कैसा प्रभाव है, उसे इसी बात से समझा जा सकता है कि पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा जब भारत आए तो उन्होंने अपने भाषण की शुरुआत शाहरुख खान की लोकप्रिय फिल्म दिल वाले दुल्हनिया ले जाएंगे से की. उन्होंने कहा– बड़े बड़े देशों में३ दुनिया के सबसे शक्ति राष्ट्र के शक्तिशाली राष्ट्रपति की जुबान पर हिंदी फिल्म का डायलॉग था. मिथुन चक्रवर्ती की फिल्म डिस्को डांसर रूस से लेकर चीन तक ब्लॉकबस्टर रही है.

सम्मेलन का मकसद भारतीय कला और मनोरंजन को रेखांकित करना और उसे वैश्विक फलक पर आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करना है. सम्मेलन में इस बात पर जोर दिया गया है कि भारत पौराणिक काल में भी दुनिया में अग्रणी था और आज जिस तरह से दुनिया के मंच पर भारत के हर क्षेत्र की प्रसिद्धि तेजी से बढ़ रही है, सिनेमा जगत को भी उसका लाभ उठाना चाहिए.

भारतीय फिल्मी हस्तियों का ग्लोबल प्रभाव

आज की तारीख में भारत दुनिया के मंच पर एक ऐसा देश बन कर उभर रहा है, जिसकी केवल इकॉनोमी की चर्चा ही शुमार नहीं है बल्कि ब्रॉडकास्टिंग, फिल्म, डिजीटल मीडिया, इन्फोटेनमेंट जैसे अनेक क्षेत्रों में तेजी से विस्तार कर रहा है. गुरु दत्त की सिनेमाई कविता, सत्यजीत रे और आरआरआर को ऑस्कर, ऋत्विक घटक के सामाजिक सरोकार वाली फिल्में, एआर रहमान का संगीत, एसएस राजामौली का एपिक सबने दुनिया भर में धूम मचाई है. यह अनवरत जारी है. भारतीय फिल्मों का दुनिया से संपर्क पहले से कहीं ज्यादा बढ़ा है. और भारत में भी दुनिया के सिनेमा ने अपने दर्शक बनाए हैं.

भारत मनोरंजन जगत का ग्लोबल हब

वेव्स के उद्घाटन समारोह के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस समिट की भरपूर प्रशंसा की और इसकी उपयोगिता को रेखांकित किया. उन्होंने क्रिएटीविटी इकोनॉमी की बात कही और ये भी बताया कि भारत फिल्म प्रोडक्शन, डिजिटल कंटेंट, फैशन, म्यूजिक का ग्लोबल हब बन रहा है. भारत और यहां जुटे तमाम मुल्कों के क्रिएटर्स को इस मंच का भरपूर लाभ उठाना चाहिए. प्रधानमंत्री मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि भारत में कथा–कहानियां का खजाना है. फिल्म निर्माण में इन कहानियों का लाभ उठाया जाना चाहिए. इन पर फिल्में बननी चाहिए.

नई पीढ़ी तक उसे पहुंचाना चाहिए.

कहानी कहने की कला विकसित करना है

वेव्स समिट में 100 से अधिक देशों के कलाकार, स्टार्टअप उद्यमी, निवेशक और क्रिएटर्स एकजुट हुए हैं. वेव्स का मकसद प्रतिभा और रचनात्मकता को उचित मंच देना और उसे ग्लोबल लेवल पर प्रसारित करना है.

भाखड़ा जल बंटवारे पर पंजाब-हरियाणा में घमासान, केंद्र के साथ बैठक में नहीं निकला समाधान

एजेंसी

गृह मंत्रालय में लगभग डेढ़ घंटे चली बैठक के बाद भी पंजाब और हरियाणा के बीच जल विवाद का मसला अभी हल नहीं हो सका है. पंजाब और हरियाणा के बीच फिलहाल कोई सहमति नहीं बन सकी है.

बैठक में पंजाब ने पहले की तरह केवल 4,000 क्यूसेक पानी उपलब्ध कराने पर सहमति जताई, जबकि हरियाणा 8,500 क्यूसेक पानी की अपनी मांग पर अड़ा रहा.

शुक्रवार को गृह सचिव के साथ गृह मंत्रालय में हुई बैठक में शामिल हुए पंजाब के एसीएस आलोक शेखर ने मुख्यमंत्री भगवंत मान की मंशा से अवगत कराया.

गृह सचिव गोविंद मोहन अभी भी दोनों राज्यों के बीच सहमति बनवाने की कवायद में जुटे हुए हैं. केंद्रीय गृह मंत्रालय ने नंगल डैम के आसपास पुलिस की तैनाती को लेकर भी अंदरुनी तौर पर सख्त नोटिस लिया है, जबकि हरियाणा के अधिकारी लगातार अतिरिक्त पानी की मांग करते रहे. सूत्रों के अनुसार, केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन ने पंजाब और हरियाणा से इस मामले में अपनी जिद छोड़ने को कहा है. इसके अलावा, हरियाणा को अपनी जल आवश्यकता के संबंध में बीबीएमबी के समक्ष अपने तर्क प्रस्तुत करने को कहा गया.

गृह सचिव के साथ बैठक में नहीं निकला समाधान

सूत्रों के अनुसार गृह सचिव ने कहा कि यदि हरियाणा की अतिरिक्त पानी की मांग सही है तो हरियाणा को अपनी आवश्यकता के अनुसार बिना शर्त पंजाब से पानी उधार लेना चाहिए और पंजाब को जब भी जरूरत होगी, उसे यह पानी हरियाणा को वापस करना होगा.

अभी एक दो बैठके और हो सकती हैं. पंजाब सरकार ने बीबीएमबी के फैसले को लेकर पूरे दिन कानूनी सलाह भी ली. मामले का जल्द निपटारा नहीं हुआ तो हरियाणा और पंजाब दोनों राज्य सर्वोच्च न्यायालय का रुख कर सकते हैं.

हरियाणा की जल की जरूरत पूरा करने पर जोर

आज की बैठक में गृह मंत्रालय ने सलाह दिया कि भाखड़ा बांधों से हरियाणा को अगले 8 दिनों के लिए 4500 क्यूसेक अति. रिक्त पानी छोड़ने के बीबीएमबी के निर्णय को लागू किया जाए, जिससे कि हरियाणा की तत्काल जल आवश्यकताओं को पूरा किया जा सके. इस बात पर भी सहमति बनाने का प्रयास हुआ कि बांधों के भरने की अवधि के दौरान, बीबीएमबी पंजाब को उनकी किसी भी अतिरिक्त आवश्यकता को पूरा करने के लिए यह अतिरिक्त पानी उपलब्ध कराएगा.

गृह सचिव के साथ बैठक में ये भी तय हुआ कि बीबीएमबी हरियाणा को अतिरिक्त पानी छोड़ने के कार्यान्वयन के तौर–तरीकों पर काम करने के लिए तुरंत बोर्ड की बैठक बुलाएगा.

सुप्रीम कोर्ट जाएगी हरियाणा सरकार, मंत्री का ऐलान

दूसरी ओर, हरियाणा की सिंचाई मंत्री श्रुति चौधरी ने कहा कि हम अपने जल अधिकार के लिए सुप्रीम कोर्ट जा रहे हैं. हम इस संबंध में एक याचिका दायर करेंगे. संभावना है कि इस मुद्दे पर आज ही याचिका दायर कर दी जाएगी.

जातीय जनगणना पर कांग्रेस चलाएगी हस्ताक्षर अभियान, जानें इसकी वजह

एजेंसी

केंद्र सरकार ने जनगणना के साथ ही जाति जनगणना कराने का ऐलान किया है. कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष लंबे समय से जातिगत जनगणना की मांग कर रहे हैं, लेकिन केंद्र सरकार द्वारा जातिगत जनगणना कराने के ऐलान के बाद अब इसका श्रेय लेने की सियासत तेज हो गई है.

ऐसे में अब कांग्रेस जल्द ही जातिगत जनगणना पर देशभर में राज्यवार हस्ताक्षर अभियान चलाएगी, ताकि इसका क्रेडिट उससे छिनने न पाए.

हां, हमने आतंकवादी पाले...ख्वाजा आसिफ के बाद बिलावल भुट्टो ने कबूला पाकिस्तान का जुर्म

इस अभियान के तहत जातिगत जनगणना के लिए सरकार पर दबाव बनाने की कोशिश करेगी कि वो सिर्फ जाति का ही एक कॉलम जनगणना में जोड़कर खाना पूर्ति न करे.

रखे जाएंगे तेलंगाना मॉडल के 56 सवाल

सूत्रों का कहना है कि इस हस्ताक्षर अभियान के तहत एससी, एसटी, ओबीसी और दलितों के बीच तेलंगाना मॉडल के 56 सवाल भी रखे जाएंगे, जिससे जातिगत जनगणना में आर्थिक, सामाजिक, शैक्षणिक, राजनैतिक स्थिति की भी जानकारी सामने आए. इसमें जनता अगर खुद कुछ जोड़ना चाहती है तो वो भी किया जाएगा.

साथ ही इस अभियान के तहत समझाया भी जाएगा कि तेलंगाना मॉडल ही एक तरह का सही एक्सरे होगा, जिसके बाद योजनाओं से लेकर फंड एलोकेशन, आरक्षण वगैरह सही तरीके से बंटवारा हो सकेगा. इसके अलावा मास कॉन्टैक्ट के और भी कार्यक्रम चलाने पर भी सहमति बनी है, जिसे अंतिम रूप दिया जाना बाकी है.

जाति जनगणना के ऐलान पर राहुल ने कही थी ये बात

इससे पहले बुधवार को राष्ट्रव्यापी जाति जनगणना की अचानक घोषणा का राहुल गांधी ने स्वागत किया था और इसके पूरा होने के लिए समयसीमा की मांग की थी. उन्होंने केंद्र से आरक्षण पर 50: की सीमा हटाने और संविधान के अनुच्छेद 15(5) के तहत निजी शिक्षण संस्थानों में कोटा सुनिश्चित करने का आग्रह किया था. गांधी ने कहा था कि सरकार पर दबाव बनाने के कांग्रेस पार्टी के प्रयास सफल रहे, लेकिन उन्होंने तुरंत यह भी कहा कि जाति जनगणना महिला आरक्षण विधेयक, 2023 की तरह नहीं होनी चाहिए, यानी बिना किसी विशिष्ट समयसीमा के. उन्होंने कहा था किजाति जनगणना हमारा मॉडल था. मुझे खुशी है कि उन्होंने इसे अपनाया है लेकिन हम चाहते हैं कि हमें तारीखें बताई जाएं कि यह कब तक पूरा हो जाएगा और इसके लिए बजटीय प्रावधान होना चाहिए.

साप्ताहिक सबका जम्मू कश्मीर

एक खून, एक राष्ट्र, आतंक के खिलाफ भारत एकजुट है.. शहीद झंटू अली शेख की शहादत ने पेश की मिसाल

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले ने झकझोर कर दिया है. ये वो दिन था जिसने एक बार फिर देश की आत्मा को छलनी किया गया. पाकिस्तान प्रायोजित आतंकियों द रेजिस्टेंस फ्रंट, जो लश्कर–ए–तैयबा का मुखौटा संगठन है जिसने हिंदू पर्यटकों को निशाना बनाया. आतंकियों ने पर्यटकों का धर्म पूछा और धर्म की पुष्टि करने के बाद उन पर गोलियां बरसा दीं. इस आतंकी हमले में 26 नागरिकों मौत हो गई. यह सिर्फ हिंद. ुओं पर हमला नहीं था, यह भारत पर हमला था हमारी एकता, हमारी शांति और हमारी पहचान पर हमला था.

दहशतगर्दों की इस कायराना हरकत के ठीक दो दिन भारत ने जवाब दिया, लेकिन वो जवाब नफरत से नहीं, विभाजन से नहीं, बल्कि उस साहस, बलिदान और अटूट आत्मा से जो हमारे महान राष्ट्र की पहचान है. 24 अप्रैल को, उधमपुर में इन्हीं दुश्मनों से लड़ते हुए 6 पैरा रेजिमेंट के वीर हवलदार झंटू अली

शेख शहीद हो गए. एक गर्वित भारतीय, एक आस्थावान मुसलमान और एक निडर सैनिक हवलदार शेख का खून उस मिट्टी के लिए बहा जिसने उन्हें जन्म दिया, उस तिरंगे के लिए जो उन्होंने कसम खाकर बचाने की ठानी, और उन भाई–बहनों के लिए जिन्हें वो धर्म की परवाह किए बिना रक्षा का वचन देकर निकले थे.

एकता ही देश की ताकत है

उनका अंतिम बलिदान सिर्फ वीरता की कहानी नहीं है, बल्कि यह एक संदेश है, एक उद्घोषणा है कि भारतीय सेना में न कोई हिंदू है, न मुसलमान, न सिख, न ईसाई. वहां सिर्फ भारतीय सैनिक होता है और यही भावना हर भारतीय दिल में जीवित रहनी चाहिए. यही एकता देश भारत की पहचान है भी है और इसकी ताकत भी है.

'मेरा भाई भारत के लिए मरा'

शहीद झंटू अली शेख के जनाजे में भारी संख्या में भीड़ उमड़ी. इस दौरान उनके भाई और भारतीय सेना में कार्यरत

जम्मू–कश्मीर के उधमपुर जिले के डूडा बसंतगढ़ इलाके में ऑपरेशन के दौरान हवलदार जे. अली शेख शहीद हो गए. उनकी शहदत ने एक मिसाल पेश की जिस पर हर भारतीय को गर्व होगा. शहीद के भाई ने उनके अंतिम संस्कार के दौरान कहा कि मेरा भाई हिंदुस्तान के लिए लड़ा, किसी धर्म के लिए नहीं. वह मुसलमानों या हिंदुओं के लिए नहीं मरा, वह भारत के लिए मरा.

सुबेदार रफील उल शेख ने शोक में डूबे, गर्वित भीड़ के सामने कहा, जिनमें कई मुसलमान भी थे '"मेरा भाई हिंदुस्तान के लिए लड़ा, किसी धर्म के लिए नहीं. वह मुसलमानों या हिंदुओं के लिए नहीं मरा, वह भारत के लिए मरा. सेना में हम साथ खाते हैं, साथ लड़ते हैं, और ज़रूरत पड़े तो साथ मरते हैं. जहां तिरंगा लहराता हैं, वहां नफ़रत की कोई जगह नहीं है'.

सेना में धर्म नहीं देश प्रेम सबसे आगे

रफील उल शेख के इन शब्दों में ही वह इलाज है उस ज़हर का जिसे हमारे दुश्मन हमारे बीच फैलाना चाहते हैं. आतंकी हमें धर्म के नाम पर बांटना चाहते हैं. लेकिन भारतीय सैनिक हमें खून, सम्मान और बलिदान से जोड़ता है. हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि जहां हमारे पर्यटकों को हिंदू होने पर निशाना बनाया गया, वहीं एक मुस्लिम सैनिक ने इस देश की रक्षा करते हुए जान दे दी. यह विरोधाभास ही सच्चा भारत है और यही हिंदुस्तान है.

अब समय है कि हम केवल अपने दुश्मनों के खिलाफ क्रोध में न उठें, बल्कि अपने भीतर एकता के साथ खड़े हों. उस घृणा को अस्वीकार करें जिसे वे हमारे बीच बोना चाहते हैं. हर शहीद चाहे हिंदू हो, मुसलमान या कोई और उसका सम्मान करें साथ ही संकल्प लें कि हम एकजुट रहेंगे. हवलदार झंटू अली शेख का बलिदान सिर्फ एक वीरगाथा नहीं, बल्कि एक यादगार संदेश बने कि भारत सबका है और कोई भी दुश्मन हमें तोड़ नहीं सकता.

असीम गुप्ता, भारत भूषण, मोहन लाल भगत ने अंबेडकर के आदर्शों के प्रति भाजपा की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला

जम्मू में जयंती पखवाड़ा पर भारत रत्न डॉ. बी.आर. अंबेडकर को श्रद्धांजलि दी गई

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : बी.आर. अंबेडकर जयंती पखवाड़ा समारोह के तहत आज जम्मू उत्तर के जिला अध्यक्ष नंद किशोर शर्मा की अध्यक्षता में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में प्रमुख नेताओं ने भारतीय संविधान के निर्माता को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

मुख्य वक्ता असीम गुप्ता, भाजपा जम्मू और कश्मीर (यूटी) के उपाध्यक्ष, ने अपने संबोधन में सामाजिक न्याय और समानता के लिए डॉ. अंबेडकर के दृष्टिकोण की कालातीत प्रासंगि. कता पर जोर दिया। उन्होंने कहा, ष्डॉ. अंबेडकर का सशक्तिकरण और एकता का संद. ेश समावेशी समाज के निर्माण के अपने मिशन में भाजपा का मार्गदर्शन करता रहता है।ष गुप्ता ने पार्टी कार्यकर्ताओं से अंबेडकर के जीवन से प्रेरणा लेने और हाशिए पर पड़े वर्गों के उत्थान के लिए अथक प्रयास करने का आह्वान किया।

अखनूर के विधायक मोहन लाल भगत ने डॉ. अंबेडकर को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए इस बात पर प्रकाश डाला कि यह भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ही है जिसने अंबेडकर के मूल्यों को निरंतर कायम रखा है और उन्हें बढ़ावा दिया है।

उन्होंने कहा, ष्संवैधानिक अधिकारों को लागू करने से लेकर वंचितों को सशक्त बनाने तक, भाजपा अंबेडकर के मजबूत, एकजुट भारत के सपने के प्रति प्रतिबद्ध है।ष जिला अध्यक्ष नंद किशोर शर्मा ने युवा पीढ़ी को डॉ. अंबेडकर के योगदान के बारे में शिक्षित करने के महत्व के बारे में बताया। शर्मा ने कहा, ष्सामाजिक सद्भाव, समानता और न्याय के आदर्शों को आगे बढ़ाना हमारी जिम्मेदारी है, जिसके लिए अंबेडकर खड़े थे। भाजपा इस उद्देश्य के लिए प्रतिबद्ध है।ष उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं को जमीनी स्तर पर इसी तरह के कार्यक्रम आयोजित करने के लिए प्रोत्साहित किया। जम्मू के डीडीसी चेयरमैन भारत भूषण ने भी सभा को संबोधित किया और इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार की नीतियां अंबेडकर के दृष्टिकोण से प्रेरित हैं। उन्होंने कहा, ष्स्टैंड–अप इंडिया, मुद्रा योजना और सामाजिक न्याय के लिए संवैधानिक संशोधन जैसी योजनाएं अंबेडकर के सिद्धांतों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं।ष भारत भूषण ने युवाओं से लोकतंत्र और सामाजिक सुधार की सच्ची भावना को समझने के लिए अंबेडकर के जीवन का अध्ययन करने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में करण सिंह, ओमी खजूरिया और राजिंदर सिंह सहित वरिष्ठ भाजपा नेता भी मौजूद थे। जिला महासचिव रवीश मेंगी और भुवनेश मेहता के साथ ही गुलशन भगत, वैष्णो देवी और अन्य प्रमुख कार्यकर्ता मौजूद थे और उन्होंने कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लिया।

कविंदर ने पाकिस्तानी नागरिकों के निर्वासन का विरोध करने पर महबूबा मुफ्ती की आलोचना की

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : वरिष्ठ भाजपा नेता और पूर्व उपमुख्यमंत्री कविंदर गुप्ता ने भारतीय नागरिकों से विवाहित पाकिस्तानी नागरिकों के निर्वासन को ष्अमानवीयष बताने के लिए पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती की कड़ी आलोचना की है। कविंदर ने उनके बयान को बेहद गैरजिम्मेदाराना और असंवेदनशील बताते हुए कहा कि ऐसे समय में जब देश हाल ही में पहलगाम आतंकी हमले में 26 निर्दोष हिंदू पर्यटकों की नृशंस हत्या पर शोक मना रहा है, ऐसे बयान देश की सुरक्षा के लिए किए जा रहे प्रयासों को हतोत्साहित करने का काम करते हैं।

उन्होंने आज यहां जारी एक बयान में कहा, ष्पहलगाम में हुए भयावह हमले के मद्देनजर, जिसम. ें 26 निर्दोष तीर्थयात्रियों ने पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के कारण अपनी जान गंवा दी, महबू. बा मुफ्ती को अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों के खिलाफ भारत सरकार की सख्त कार्रवाई में उसका साथ देना चाहिए था। इसके बजाय, वह उन लोगों के साथ सहानुभूति जताना चाहती हैं, जिनकी मौजूदगी सुरक्षा के लिए संभावित खतरा पैदा करती है।

वरिष्ठ भाजपा नेता ने कहा कि पाकिस्तानी नागरिकों, यहां तक ष्कि भारतीय नागरिकों से विवाि. हत लोगों को भी वापस भेजना राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में केंद्र सरकार द्वारा उठाया गया एक न्यायोचित और संप्रभु कदम है।

टारगेट और टाइम सेना तय करे.... हाई लेवल मीटिंग में पीएम मोदी का सीधा संदेश

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए भीषण आतंकी हमले के बाद देशभर में आक्रोश है और केंद्र सरकार पूरी तरह एक्शन मोड में आ चुकी है. पीएम मोदी कह चुके हैं कि भारत की आत्मा पर हमला करने वालों को मिट्टी में मिला दिया जाएगा. इसके बाद से पूरे देश को आतंकवादियों और उनके आकाओं के खिलाफ कड़े एक्शन का इंतजार है. इस बीच आज यानी मंगलवार शाम को प्रधानमंत्री आवास पर एक हाई लेवल मीटिंग हुई. पीएम मोदी के अगुवाई में हुई इस बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल, सीडीएस अनिल चौहान और तीनों सेनाओं के प्रमुख भी शामिल रहे.

इस बैठक में प्रधानमंत्री ने कहा है कि आतंकवाद को करारा जवाब देना हमारा दृढ़ राष्ट्रीय संकल्प है.पीएम ने भारतीय सैन्य बलों की पेश. ेवर क्षमताओं में पूर्ण विश्वास व्यक्त किया. इसके साथ–साथ कहा कि हमारी जवाबी कार्रवाई का तरीका क्या हो, इसके टार्गेट्स कौन से हों और इसका समय क्या हो, इस प्रकार के ऑपरेशनल निर्णय लेने के लिए सैन्य बलों को खुली छूट है.

आतंकी हमले में 26 लोगों की निर्मम हत्या

यह आतंकी हमला 22 अप्रैल को हुआ था जब कश्मीर के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल पहलगाम में अज्ञात आतंकियों ने फायरिंग कर 26 निर्दोष नागरिकों, जिनमें ज्यादातर पर्यटक थे, की निर्मम हत्या कर दी थी. इस हमले को हाल के वर्षों में नागरिकों पर हुआ सबसे बर्बर हमला माना जा रहा है. घटना में शामिल आतंकियों ने वारदात को अंजाम देने के बाद जंगल की तरफ भाग निकले. इस आतंकी हमले के बाद से इस बात की चर्चा तेज हो गई है कि भारत पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान के खिलाफ सख्त कदम उठा सकता है. सरकार यह पहले ही साफ कर चुकी है कि घटना को पाकिस्तानी आतंकियों ने अंजाम दिया है.

पीएम पहले ही कह चुके हैं, आतंकियों को कड़ी सजा मिलेगी

आतंकी हमले के ठीक दो दिन बाद यानी 24 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बिहार दौरे पर गए थे. जहां, उन्होंने मधुबनी जिले में आयोजित राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पीएम ने आतंकियों और उनके आकाओं को कड़ी चेतावनी भी दी. पीएम ने कहा कि जिन्होंने भी यह हमला किया है उन आतंकियों को और इस हमले की साजिश रचने वालों को उनकी कल्पना से भी बड़ी सजा मिलेगी.

किसी ने अपना भाई तो किसी ने अपना जीवनसाथी खोया३

पीएम ने आगे कहा कि आतंकी हमले में मासूम देशवासियों को जिस बेरहमी से मारा गया है उससे पूरा देश व्यथित है.देशवासी दुखी हैं.दुख की इस घड़ी में पूरा देश पीड़ित परिवार के साथ खड़ा है.

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर

संपादकीय

भारत की न्यूक्लियर दिशा

भारत का एक मजबूत असैन्य परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम का लंबे समय से चला आ रहा सपना आखिरकार निर्णायक मोड़ पर पहुंच सकता है। अपने परमाणु दायित्व कानून में संशोधन का प्रस्ताव करके विशेष रूप से दुर्घटना की स्थिति में आपूर्तिकर्ताओं को दिए जाने वाले मुआवजे की सीमा तय करके सरकार स्पष्ट रूप से उस गतिरोध को तोड़ने की उम्मीद कर रही है जिसने एक दशक से अधिक समय से अमेरिकी परमाणु प्रौद्योगिकी फर्मों को रोक रखा है। यह एक रणनीतिक और आवश्यक कदम है, लेकिन इसे सावधानी और दूरदर्शिता के साथ अपनाया जाना चाहिए। 2010 में लागू किया गया वर्तमान नागरिक परमाणु दायित्व क्षति अधिनियम, भोपाल गैस त्रासदी की लंबी छाया से उभरा है। यह अपने नागरिकों की रक्षा करने के लिए भारत के नैतिक दायित्व का एक सचेत दावा था, जिसने परमाणु उपकरणों के आपूर्तिकर्ताओं पर भारी कानूनी जिम्मेदारी डाल दी। लेकिन ऐसा करने में, इसने अनजाने में उन संभावित विदेशी भागीदारों को दूर धकेल दिया, जो उत्तरदायित्व सीमा की अनुपस्थिति को एक वाणिज्यिक जोखिम के रूप में देखते थे, जिसे वहन करना बहुत कठिन था। कानून को वैश्विक मानदंडों के साथ अधिक निकटता से जोड़कर जहां सुरक्षा और उत्तरदायित्व का दायित्व काफी हद तक आपूर्तिकर्ता के बजाय ऑपरेटर पर है भारत एक संकेत भेज रहा है। यह स्वीकार करता है कि यदि देश 2047 तक अपनी परमाणु क्षमता को 12 गुना बढ़ाने के बारे में गंभीर है, तो अंतर्राष्ट्रीय सहयोग वैकल्पिक नहीं है यह आवश्यक है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए स्थापित परमाणु खिलाड़ियों से प्रौद्योगिकी, पूंजी और विशेषज्ञता महत्वपूर्ण होगी। परमाणु ऊर्जा शायद एकमात्र बड़े पैमाने पर, दृढ़ ऊर्जा विकल्प है जो विकासशील अर्थव्यवस्था की बढ़ती ऊर्जा भूख के साथ जलवायु दायित्वों को संतुलित करता है। सौर या पवन के विपरीत, यह शून्य उत्सर्जन के साथ विश्वसनीयता प्रदान करता है। लेकिन असली मुद्दा सिर्फ कानूनी सुधार नहीं है। आपूर्तिकर्ता देयता पर सीमा अमेरिकी और अन्य पश्चिमी फर्मों को आकर्षित कर सकती है, लेकिन भारत में परमाणु ऊर्जा अभी भी गहरी संरचनात्मक चुनौतियों से ग्रस्त है। परियोजना में देरी, लागत में वृद्धि, नौकरशाही की जड़ता और अपारदर्शी नियामक ढांचे ने इस क्षेत्र के सुस्त विकास में योगदान दिया है। दशकों की महत्वाकांक्षा के बावजूद आज भी भारत के कुल बिजली उत्पादन में परमाणु ऊर्जा का योगदान 3 प्रतिशत से भी कम है। इसके अलावा, सरकार को इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि उत्तरदायित्व सीमा आपूर्तिकर्ता की लापरवाही के लिए पूर्ण स्वतंत्रता न बन जाए। सुरक्षा सर्वोपरि होनी चाहिए। कानून में स्पष्ट रूप से उन परिस्थितियों को परिभाषित किया जाना चाहिए जिनके तहत सीमा लागू होती है, और ऑपरेटरों को जवाबदेह ठहराने के लिए मजबूत सुरक्षा उपाय शामिल किए जाने चाहिए। परमाणु क्षेत्र में आपदा न केवल मानवीय दृष्टि से विनाशकारी होगी, बल्कि स्वच्छ ऊर्जा संक्रमण को भी पटरी से उतार सकती है जिसकी भारत को सख्त जरूरत है। भारतीय निजी खिलाड़ियों के लिए इस क्षेत्र को खोलना एक और स्वागत योग्य कदम है, और बड़े समूह पहले ही इसमें रुचि दिखा चुके हैं। लेकिन निजी निवेश को फलने–फूलने के लिए दीर्घकालिक नीति, मूल्य निर्धारण तंत्र और विनियामक स्वतंत्रता पर पूर्ण स्पष्टता होनी चाहिए। भारत की परमाणु यात्रा अब एक महत्वपूर्ण मोड़ पर है। देयता कानूनों को आसान बनाना जिम्मेदारी को कम करना नहीं है यह एक व्यावहारिक पुनर्संतुलन है। यदि इसे सोच–समझकर लागू किया जाए, तो यह ऊर्जा सुरक्षा, आर्थिक विकास और जलवायु नेतृत्व के एक नए युग की शुरुआत कर सकता है। लेकिन यह उन लोगों की सुरक्षा और विश्वास से समझौता किए बिना किया जाना चाहिए जिनकी सेवा करने के लिए इसे बनाया गया है।

बेहाल वृद्धों के लिये आयोग बनना एक सराहनीय कदम

केरल योजना बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार, दक्षिणी राज्य पूरे भारत की तुलना में अधिक तेजी से वृद्ध हो रहा है। 1961 में, केरल में 60 वर्ष से अधिक आयु के लोगों की संख्या कुल जनसंख्या का 5.1 प्रतिशत थी, जो राष्ट्रीय औसत 5.6 प्रतिशत से थोड़ा कम थी।

ललित गर्ग

केरल भारत का पहला राज्य बन गया है जिसने वरिष्ठ नागरिकों के लिए आयोग स्थापित करने के लिए एक कानून पारित किया है। यह एक सराहनीय एवं स्वागत योग्य पहल होने के बावजूद एक बड़ा सवाल भी खड़ा करती है कि आखिर भारत के बुजुर्ग इतने उपेक्षित एवं प्रताड़ित क्यों है? केरल जैसे शिक्षित राज्य में ही इस आयोग को बनाने की जरूरत क्यों सामने आयी? केरल में क्यों सामाजिक सुरक्षा, स्नेह, सुरक्षा की वह छांव लुप्त होती जा रही है, जिसमें बुजुर्ग खुद को सुरक्षित महसूस कर सकें। क्यों केरल में ही बुजुर्ग सर्वाधिक अकेलेपन एवं एकाकीपन का संत्रास झेलने को विवश हो रहे है? केरल में कई बुजुर्ग लोगों को युवा पीढ़ी के हाथों गरीबी और दुर्व्यवहार का सामना करना पड़ रहा है। इस प्रांत में कई गांव ऐसे हैं जहां केवल बुजुर्ग ही बचे हैं, प्रश्न है कि ऐसा क्यों हो रहा है? यूं तो समूचे देश में बुजुर्गों की लगभग यही स्थिति बन रही है, जो सामाजिक व्यवस्था पर एक बदनुमा दाग है। केरल योजना बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार, दक्षिणी राज्य पूरे भारत की तुलना में अधिक तेजी से वृद्ध हो रहा है। 1961 में, केरल में 60 वर्ष से अधिक आयु के लोगों की संख्या कुल जनसंख्या का 5.1 प्रतिशत थी, जो राष्ट्रीय औसत 5.6 प्रतिशत से थोड़ा कम थी। हालांकि, 1980 के दशक तक, राज्य ने बाकी राज्यों को पीछे छोड़ दिया। 2001 तक यह हिस्सा बढ़कर 10.5 प्रतिशत हो गया, जबकि राष्ट्रीय औसत 7.5 प्रतिशत था। 2011 में यह 12.6 प्रतिशत था, जबकि राष्ट्रीय औसत 8.6 प्रतिशत था। केरल के योजना बोर्ड के अनुसार, 2015 में यह बढ़कर 13.1 प्रतिशत हो गया, जबकि राष्ट्रीय औसत 8.3 प्रतिशत था। अब, दक्षिणी राज्य में 60 वर्ष और उससे अधिक आयु के लगभग 4.8 मिलियन लोग हैं। इसके अलावा, बुजुर्ग समूह का 15 प्रतिशत 80 वर्ष से अधिक आयु का है, जो इसे बुजुर्ग लोगों के बीच सबसे तेज़ी से बढ़ने वाला आयु समूह बनाता है। 60 से अधिक आयु वर्ग में पुरुषों की तुलना में महिलाओं की संख्या अधिक है और उनमें से अधिकांश विधवाएं हैं। मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने बुधवार को पारित इस कानून की सराहना करते हुए कहा कि यह नया आयोग बुजुर्गों के अधिकारों, कल्याण और पुनर्वास पर ध्यान केंद्रित करेगा।

देश में बुजुर्गों की हालत दिन–ब–दिन जटिल होती जा रही है। केरल देश के सबसे शिक्षित राज्यों में शुमार होता है तो बुजुर्गों के प्रति बरती जा रही उपेक्षा, उदासीनता एवं प्रताड़ना में भी सबसे आगे है। लगभग 94 फीसदी साक्षरता वाले इस राज्य में बुजुर्ग शिक्षित युवाओं के पलायन का संत्रास झेल रहे हैं। राज्य के करीब 21 लाख घरों में युवाओं के पलायन करने के कारण सिर्फ बुजुर्ग बचे हैं। गांव के गांव पलायन का दंश झेलते हुए वीरान हो चुके हैं। लाखों घरों में सिर्फ ताले लटके नजर आते हैं। खाड़ी के देशों में जाकर सुनहरा भविष्य तलाशने की होड़ में इसी प्रांत के सर्वाधिक युवा है। भले ही इस प्रांत ने सर्वाधिक शिक्षा से प्रगतिशील सोच दी है, लेकिन अंतहीन भौतिक लिप्साओं को भी जगाया है, जिससे ही बुजुर्गों की उपेक्षा या उनको उनके हाल पर छोड़ देने की विकृत मानसिकता एवं त्रासदी उभरी है। वृद्धों की उपेक्षा देशभर में देखने को मिल रही है, हाल के वर्षों में केरल के बाद पंजाब–हरियाणा में भी नजर आ रही है। वैसे तो यह हमारे नीति–नियंताओं की नाकामी का भी परिणाम है कि हम युवाओं को उनकी योग्यता–आकांक्षाओं के अनुरूप रोजगार देश में नहीं दे पाए। उन्हें न अपनी जन्मभूमि का सम्मोहन रोकता है और न ही यह फिक्र कि उनके जाने के बाद बुजुर्ग माता–पिता का क्या होगा? एकाकीपन का त्रास झेलते केरल के इन गांवों में बुजुर्गों के पास पैसा तो है मगर समाधान नहीं है। कुछ वृद्धों के पास तो धन का अभाव भी इस समस्या को विकराल रूप दे रहा है। राज्य में वृद्ध लोगों की संख्या बढ़ने के साथ ही बुजुर्गों के अधिकारों पर लगातार हमले हो रहे हैं।

भारत में बुजुर्गों के साथ दुर्व्यवहार, उपेक्षा एवं उदासीनता एक बढ़ती चिंता का विषय है, उनका एकाकीपन एवं अकेलापन उससे बड़ी समस्या है। केरल के वृद्ध–संकट को महसूस करते हुए वहां की सरकार ने वरिष्ठ नागरिक आयोग बनाया है, जो एक सूझबूझभरा कदम है। लेकिन यह वक्त बताएगा कि भ्रष्ट अफसरशाही व घुन लगी व्यवस्था में ये आयोग कितना कारगर होगा? लेकिन फिर भी जिस राज्य में हर पांचवें घर से एक व्यक्ति विदेश चला गया है, वहां ऐसा आयोग एक सीमा तक तो समस्या के समाधान की दिशा में रोशनी बनेगा। जरूरत है सरकारी अधिकारी संवेदनशीलता एवं इंसानियत से बुजुर्गों की समस्याओं का समाधान करने के लिये आगे आये। केरल की सामाजिक न्याय मंत्री आर. बिंदु के अनुसार आयोग समृद्ध और निम्न आय वाले दोनों ही परिवारों के वृद्ध व्यक्तियों के शोषण की समस्या का महत्वपूर्ण समाधान करेगा। जो वरिष्ठ नागरिकों की देखभाल, उनकी गरिमा, कल्याण और जीवन की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए आवश्यक है। उम्र बढ़ने के साथ–साथ लोगों को अक्सर स्वास्थ्य में गिरावट, अकेलापन और वित्तीय असुरक्षा जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। आवश्यक सहायता प्रदान करने से अधिक समावेशी और दयालु समाज बनाने में मदद मिलती है। निस्संदेह, बुजुर्गों की आवश्यकताएं सीमित होती हैं। लेकिन उनका मनोबल बढ़ाने की जरूरत है। सबसे ज्यादा जरूरी उनकी स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याएं दूर करना है। बेहतर चिकित्सा सेवा व घर–घर उपचार की सहज उपलब्धता समस्या का समाधान दे सकती है। वैसे अकेले रह रहे बुजुर्गों को भी इस दिशा में पहल करनी होगी। सामाजिक सक्रियता एवं मनोबल इसमें सहायक बनेगा। नीति–नियंताओं को सोचना होगा कि अगले दशकों में देश युवा भारत से बुजुर्गों का भारत बनने वाला है। वर्ष 2050 तक भारत में साठ साल से अधिक उम्र के 34.7 करोड़ बुजुर्ग होंगे। क्या इस चुनौती से निपटने को हम तैयार हैं? क्या केरल की तरह अन्य राज्यों की सरकारें एवं केन्द्र सरकार लगातार बुजुर्गों से जुड़ी समस्याओं के लिये ठोस कदम उठायेगी? वसुधैव कुटुम्बकम् की बात करने वाला देश एवं उसकी नवपीढ़ी आज एक व्यक्ति, एक परिवार यानी एकल परिवार की तरफ बढ़ रहे हैं, वे अपने निकटतम परिजनों एवं माता–पिता को भी बर्दाश्त नहीं कर पा रहे हैं, उनके साथ नहीं रह पा रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने भी गतदिनों हाईकोर्ट के अनेक फैसलों को पलटते हुए सराहनीय पहल की है। जिनमें अब बुजुर्ग माता–पिता से प्रॉपर्टी अपने नाम कराने या फिर उनसे गिफ्ट हासिल करने के बाद उन्हें यूं ही छोड़ देने, वृद्धाश्रम के हवाले कर देने, उनके जीवनयापन में सहयोगी न बनने की बढ़ती सोच पर विराम लगेगा, क्योंकि यह आधुनिक समाज का एक विकृत चेहरा है।

संयुक्त परिवारों के विघटन और एकल परिवारों के बढ़ते चलन ने वृद्धों के जीवन को नरक बनाया है। बच्चे अपने माता–पिता के साथ बिल्कुल नहीं रहना चाहते। ऐसे बच्चों के लिए सावधान होने का वक्त आ गया है, सुप्रीम कोर्ट ने इसको लेकर एक ऐतिहासिक फैसला में कहा है कि अगर बच्चे माता–पिता की देखभाल नहीं करते हैं, तो माता–पिता की ओर से बच्चों के नाम पर की गई संपत्ति की गिफ्ट डीड को रद्द किया जा सकता है। यह फैसला माता–पिता और वरिष्ठ नागरिकों के भरण–पोषण और कल्याण अधिनियम के तहत दिया गया है, जिससे वृद्धों की उपेक्षा एवं दुर्व्यवहार के इस गलत प्रवाह को रोकने में सहयोग मिलेगा। नये विश्व की उन्नत एवं आदर्श संरचना बिना वृद्धों की सम्मानजनक स्थिति के संभव नहीं है। वर्किंग बहुओं के ताने, बच्चों को टहलाने–घुमाने की जिम्मेदारी की फिक्र में प्रायः जहां पुरुष वृद्धों की सुबह–शाम खप जाती है, वहीं वृद्ध महिला एक नौकरानी से अधिक हैसियत नहीं रखती। यदि इस तरह परिवार के वृद्ध कष्टपूर्ण जीवन व्यतीत कर रहे हैं, रुग्णावस्था में बिस्तर पर पड़े कराह रहे हैं, भरण–पोषण को तरस रहे हैं तो यह हमारे लिए वास्तव में लज्जा एवं शर्म का विषय है। ऐसे शर्म को धोने के लिये ही केरल सरकार का वरिष्ठ नागरिकों के लिए आयोग बनाना एवं सुप्रीम कोर्ट का संवेदनशील होना एक उजाला बना है, जिससे जीवन की संध्या को कष्टपूर्ण होने से निजात मिलने की उम्मीदें जगी है।

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर

राजा रवि वर्मा न होते तो धार्मिक फिल्में कैसे बनतीं? जानें राजा हरिश्चंद्र से बाहुबली तक का कनेक्शन

एजेंसी

राजा रवि वर्मा ऐसे कलाकार थे जिन्होंने हिंदू देवी–देवताओं का चेहरा तैयार किया. और आम लोगों को अपने आराध्य की फोटो को घरों में रखने का अधिकार दिया. लोकमान्य तिलक और स्वामी विवेकानंद जैसी दिग्गज हस्तियों ने भी उनका मनोबल बढ़ाया था. अगर उनकी पेंटिंग न होती तो हम ब्रह्मा, विष्णु, महेश, सरस्वती, लक्ष्मी, दुर्गा या राम–सीता और राधा–कृष्ण की फोटो ना तो अपने–अपने घरों लगा पाते और ना ही उनको पहचान पाते. लेकिन आपको जानकर अचरज होगा कि इसी वजह से तब उनका काफी विरोध भी हुआ था. कट्टर रुढ़िवादियों ने राजा रवि वर्मा के इस काम पर कड़ा ऐतराज जताया था.

विरोध करने वालों का तर्क था कि देवी–देवताओं की जगह केवल मंदिर है. उनकी फोटो घरों में लगाने से धर्म की हानि होगी. लेकिन आगे चल कर राजा रवि वर्मा की उन्हीं पेंटिंग्स ने ऐसा चमत्कार किया कि उसके बगैर ना तो अनुष्ठान पूरा हो सकता था और ना ही धार्मिक फिल्में बन सकती थीं. भारत में राजा हरिश्चंद्र से जब फिल्मों की नींव पड़ी तो राजा रवि वर्मा की पेंटिंग ही उसकी प्रेरणास्रोत बनी. यह रूपक बाहुबली जैसी फिल्मों तक नजर आया है.

पेंटिंग से भारत में सिनेमा की नींव

वास्तव में राजा रवि वर्मा की देवी देवताओं की पेंटिंग्स भारत में हिंदू नवजागरण की नई प्रेरणा बनीं. भारत में सिनेमा की नींव धार्मिक फिल्मों के निर्माण से पड़ी थी. उन्नीसवीं शताब्दी के शुरुआती सालों की बात है. उनकी बनाई पेंटिंग्स प्रसिद्धि पाने लगी थीं. अब तक हमारे देवी–देवताओं की पत्थर की मूर्तियां होती थीं. बेशक वे मूर्तियां बेशकीमती और कारीगरी का बेहतरीन नजीर होती थीं लेकिन ये मूर्तियां आमतौर पर मंदिरों में या फिर भव्य राज महलों में देखी जाती थीं. आम लोग चाहकर भी अपने–अपने पूजा घरों में इन्हें नहीं लगा सकते थे. ऐसे में राजा रवि वर्मा की पेंटिंग्स ने सबके बीच सर्वसुलभता प्रदान की. श्रद्धालु अपने–अपने आराध्य की तस्वीर अपने–अपने घरों में लगाने लगे. धीरे–धीरे यह काफी लोकप्रिय होने लगा.

राजा हरिश्चंद्र बनाने में पेंटिंग से मिली प्रेरणा

राजा रवि वर्मा की पेंटिंग ने फिल्मों के जनक कहे जाने वाले दादा साहब फाल्के को भी प्रभावित किया था. फाल्के खुद भी फोटोग्राफी के शौकीन थे. जीसस क्राइस्ट फिल्म देखने के बाद उनके मन में भी एक फिल्म बनाने की प्रेरणा जन्म लेने लगी थी.

लेकिन कलाकारों की पोषाकें और सेट आदि कैसे बने, इसके लिए उनको कोई आधार नहीं मिल पा रहा था. तब दादा साहब फाल्के ने राजा रवि वर्मा की पेंटिंग का गहराई से अध्ययन किया. रंगों को बारीकी के समझा. कुछ समय के लिए उनके सहायक भी बने. रवि वर्मा को जब मालूम हुआ कि फाल्के फिल्म बनाना चाहते हैं कि तो उन्होंने उनकी मदद करने की ठानी. फाल्के ने जब अपनी पहली फिल्म राजा हरिश्चंद्र बनाई तो राजा रवि वर्मा की पेंटिंग से काफी प्रेरणा ली. यानी उनकी पेंटिंग फिल्म निर्माण की प्रेरणा बनीं.

पौराणिक फिल्मों का आधार बनी पेंटिंग

आगे चलकर भारत में जितनी भी भाषाओं में धार्मिक फिल्में बनीं, उनका आधार राजा रवि वर्मा की पेंटिंग ही था. पौराणिक फिल्मों के किरदारों का रूपक कैसा होगा, इसे राजा रवि वर्मा की पेंटिंग देखकर बनाया गया. रामराज्य, संपूर्ण रामायण, जय संतोषी मां से लेकर बाद के दौर में धार्मिक टीवी सीरियलों मसलन रामायण, महाभारत, जय श्रीकृष्ण आदि सब में राजा रवि वर्मा की पेंटिंग का प्रभाव नजर आता है. यहां तक कि एक्टर प्रभास की मशहूर फिल्म बाहुबली के तमाम राजसी और उपवनों के सीन राजा रवि वर्मा की पेंटिंग से ही प्रभावित हैं. सुंदर नायिका के ईर्द–गिर्द उड़ती हुई तितली और विचरण करते मोर, हिरण की फैंटेसी में रवि वर्मा की पेंटिंग के रंगों का भरपूर इस्तेमाल किया गया है.

भगवान का रूप कैसे किया तैयार?

आखिर राजा रवि वर्मा ने देवी देवताओं का चेहरा कैसे तैयार किया? इसकी एक रोचक कहानी है. रामजी कैसे दिखेंगे, सीताजी कैसी दिखेंगीं, श्रीकृष्ण कैसे दिखेंगे, राधा कैसी दिखेंगीं– इन सबका रूपक तैयार करने में राजा रवि वर्मा ने भरपूर कल्पना का सहारा लिया था. उनके पास ये रूपक गढ़ने का कोई आधार नहीं था. पत्थरों की मूर्तियां थीं या फिर पौराणिक महाकाव्यों में शब्दों से किए गए देवी–देवताओं के रूप के वर्णन थे. राजा रवि वर्मा ने रामायण, महाभारत, गीता, वेद, उपनिषद के अलावा भक्तिकाल के सूरदास जैसे कवियों के साहित्य का भरपूर अध्ययन किया था. श्रीराम के रूप के लिए रामायण सबसे बड़ा आधार है उसी तरह श्रीकृष्ण का रूप जानने के लिए सूरदास का काव्य एक बड़ा जरिया है. राजा रवि वर्मा ने कैनवस पर रेखांकन के लिए उन्हीं शब्दों का सहारा लिया. हर देवी देवता के साथ उनसे जुड़े प्रतीकों का मनोहारी इस्तेमाल किया.

आपको जानकर ये भी अचरज हो कि पेंटिंग बनाने की वजह से कट्टर भक्तों ने उन्हें कोर्ट तक घसीटा था. प्रचलित छवियों को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया. रुढ़िवादियों का कहना था कि उनकी बनाई गई फोटो धार्मिक भावनाओं को आहत पहुंचाने वाली हैं. पूरा मामला बॉम्बे हाईकोर्ट पहुंचा था लेकिन शिकायतकर्ता की अर्जी को खारिज कर दिया गया.

ओवरऑल गवर्नेंस और जवाबदेह सिस्टम पर जोर, पटना में स्वच्छ बिहार पोर्टल लॉन्च

एजेंसी

बिहार के मुख्य सचिव अमृतलाल मीणा ने प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग (डीएआरपीजी), भारत सरकार की तकनीकी सहायता से विकसित स्वच्छ बिहार पोर्टल का शुभांरभ किया. इस पोर्टल को राज्य के सभी प्रशासनिक कार्यालयों में स्वच्छता मानकों की निगरानी, मूल्यांकन और पारदर्शी रिपोर्टिंग के उद्देश्य से विकसित किया गया है.

पुराना सचिवालय स्थित सभा कक्ष में मंगलवार को इसे लेकर सभी जिलों के डीएम और प्रमंडलीय आयुक्त से लेकर संबंधित विभागों के वरीय अधिकारी भी ऑनलाइन माध्यम से जुड़े हुए थे. केन्द्रीय प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग (डीएआरपीजी) की संयुक्त सचिव सरिता चौहान भी वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़ी थीं.

पोर्टल लॉन्च कर क्या बोले मुख्य सचिव

स्वच्छ बिहार पोर्टल की लॉन्चिंग के मौके पर बिहार के मुख्य सचिव अमृतलाल मीणा ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि एनआईसी के सहयोग से इस पोर्टल को विकसित किया गया है. उन्होंने स्पष्ट कहा कि इसमें सिर्फ स्वच्छता ही मात्र नहीं है बल्कि गवर्नेंस पर भी जोर दिया गया है. इसमें स्क्रैप डिस्पोजल की भी मॉनिटरिंग होगी. साथ ही 19 बिन्दुओं पर उनके कार्यों की समीक्षा की जाएगी और फिर प्रदर्शन के आधार पर रैंकिंग की जाएगी.

नोडल ऑफिसर तैनात करने का आदेश

विभागों या जिलों में मौजूद पुराने स्क्रैप से लेकर उनकी स्थापना से जुड़े रखरखाव का मानक के आधार पर परखा जाएगा. उन्होंने सभी विभागों में इस पोर्टल के रखरखाव के लिए लिए एक–एक नोडल ऑफिसर तैनात करने का आदेश जारी किया. उन्होंने सभी विभागीय सचिव के साथ–साथ जिलाधिकारी और प्रमंडलीय आयुक्तों से कहा कि जिन्होंने नोडल ऑफिसर अबतक नियुक्त नहीं किए हैं, वे तुरंत इसकी तैनाती करें. साथ ही इसका वीकली रिव्यू मीटिंग करें. इसके साथ ही उन्होंने सामान्य प्रशासन विभाग को निर्देश दिया कि वर्ष 2026 में होने वाले सिविल सर्विस–डे के दौरान तीन बेहतर प्रदर्शन करने वाले जिला कार्यालय, तीन प्रमंडल कार्यालयों और तीन विभागों को सम्मानित करें. इसके माध्यम से बेहतर मॉनिटरिंग विकसित कर ओवरऑल गवर्नेंस को और सुधारने का प्रयास करें. इस पोर्टल का क्रियान्वयन भारत सरकार के स्तर पर कई वर्षों से सफलतापूर्वक किया जा रहा है. इस मौके पर उन्होंने प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग (डीएआरपीजी) की संयुक्त सचिव सरिता चौहान के साथ–साथ सभी वरीय अधिकारियों को धन्यवाद दिया. यह पोर्टल अधिकारियों को नियमित स्वच्छता रिपोर्ट अपलोड करने, निरीक्षण करने और जरूरत के अनुसार सुधारात्मक कदम उठाने का मंच प्रदान करेगा. इसके साथ ही प्रदेशवासियों को गुणवत्तापूर्ण सेवाएं निर्धारित वक्त पर उपलब्ध कराना मुख्य उद्देश्य है.

प्रीत नगर क्रिकेट क्लब ने शेर-ए-कश्मीर क्रिकेट टूर्नामेंट के समापन पर ट्रॉफी जीती

जम्मू के एम.ए. स्टेडियम में आयोजित फाइनल मैच में लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : सप्ताह भर चलने वाला शेर–ए–कश्मीर क्रिकेट टूर्नामेंट, जिसका थीम था ष्ड्रग्स को नकारेंष् कल रात संपन्न हुआ, जिसमें प्रीत नगर क्रिकेट क्लब ने जम्मू के प्रतिष्ठित एम.ए. स्टेडियम में त्रिकुटा क्रिकेट क्लब के खिलाफ रोमांचक फाइनल में जीत हासिल की।

इस कार्यक्रम में खेल मंत्री श्री सतीश शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए और उन्होंने औपचारिक रूप से फाइनल मैच की शुरुआत की घोषणा की। खेल शुरू होने से पहले, पहलगाम में 22 अप्रैल, 2025 को हुए आतंकी हमले में जान गंवाने वालों की याद में दो मिनट का मौन रखा गया।

ग्रैंड फिनाले में उत्साही भीड़ उमड़ी और इसमें मुख्य अतिथि के रूप में सज्जाद शाहीन (विधायक बनिहाल), इंजी. खुर्शीद (विधायक), सतवंत कौर डोगरा, जम्मू–कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस की महिला विंग की प्रांतीय अध्यक्ष और राकेश सिंह राका, सेंट्रल जोन के उपाध्यक्ष।

यह उल्लेखनीय है कि इस टूर्नामेंट का उद्घाटन जम्मू–कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष और जम्मू–कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. फारूक अब्दुल्ला ने किया था। सकारात्मक युवा जुड़ाव को बढ़ावा देने और मादक द्रव्यों के सेवन के खिलाफ जागरूकता बढ़ाने के मिशन के साथ, इस टूर्नामेंट ने खेल के जुनून के माध्यम से एक मजबूत सामाजिक संदेश दिया।

प्रीत नगर क्रिकेट क्लब ने पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन और खेल भावना का परिचय दिया, और आखिरकार जोरदार जयकारों और जश्न के बीच चैंपियनशिप ट्रॉफी अपने नाम की।

श्री तेजिंदर पाल सिंह अमन, जम्मू–कश्मीर यूथ नेशनल कॉन्फ्रेंस के प्रांतीय अध्यक्ष और टूर्नामेंट के मुख्य आयोजक ने भाग लेने वाली सभी टीमों, समर्थकों और स्थानीय प्रशासन का हार्दिक आभार व्यक्त किया। "इस टूर्नामेंट ने साबित कर दिया है कि खेल एकजुट होने, शिक्षित करने और सशक्त बनाने का एक शक्तिशाली साधन हो सकता है। प्रीत नगर क्रिकेट क्लब को उनकी जीत के लिए बधाई," उन्होंने कहा।

मुख्य अतिथि सज्जाद शाहीन (विधायक बनिहाल), इं. खुर्शीद (विधायक), सतवंत कौर डोगरा, जम्मू–कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस की महिला विंग की प्रांतीय अध्यक्ष और राकेश सिंह राका, सेंट्रल जोन के उपाध्यक्ष, विजेता टीम प्रीत नगर क्रिकेट क्लब, उपविजेता टीम त्रिकुटा क्रिकेट क्लब, मैन ऑफ द मैच, मैन ऑफ द सीरीज, सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज, सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज, अंपायर, स्कोरर, ग्राउंड मैनेजर, वाईएनसी आयोजक टीम और विशेष अतिथियों को ट्रॉफी वितरित करते हुए।

आयोजकों ने समुदाय को उनके भारी समर्थन के लिए विशेष धन्यवाद दिया और युवा उत्थान और सामाजिक जागरूकता के उद्देश्य से इस तरह के और अधिक आयोजनों की मेजबानी करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

इस अवसर पर उपस्थित लोगों में प्रदीप बाली, अयूब मलिक प्रांतीय सचिव जम्मू, अश्वनी चरक ब्लॉक अध्यक्ष जम्मू पूर्व, डॉ. विशाल परिहार उपाध्यक्ष जम्मू प्रांत ल्छब्, शाहन किचलू वरिष्ठ मीडिया विश्लेषक, साहिल केरनी जिला अध्यक्ष जम्मू शहरी ल्छब्, ज़मीर कुरैशी, सोम राज तारोच संयुक्त सचिव मध्य क्षेत्र, माजिद इकबाल नाइक, कौसर मलिक, अमित शर्मा, साहिल चिब, गोरव भगत, अटल सिंह, गुरशरण सिंह, विराज महानूरी, नरेश कुमार, सचिन भट्टी, नवजोत सिंह और अन्य।

पहलगाम हमला : अमेरिका ने तनाव कम करने का आग्रह किया; रूबियो भारत और पाक विदेश मंत्रियों से बात करेंगे

सबका जम्मू कश्मीर

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन : भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के बीच, अमेरिका ने दोनों देशों से संघर्ष को "बढ़ाने" की अपील नहीं की है। विदेश मंत्री मार्को रुबियो आज या कल दोनों देशों के विदेश मंत्रियों से बात करेंगे।

अमेरिकी विदेश विभाग की प्रवक्ता टैमी ब्रूस ने मंगलवार को एक प्रेस वार्ता में कहा कि वाशिंगटन "कश्मीर स्थिति के संबंध में" भारत और पाकिस्तान दोनों से संपर्क कर रहा है और "उन्हें स्थिति को और न बढ़ाने" के लिए कह रहा है।

विदेश मंत्री मार्को रुबियो ष्आज या कल तक पाकिस्तान और भारत के विदेश मंत्रियों से बात करने की उम्मीद कर रहे हैं। वह अन्य राष्ट्रीय नेताओं और विदेश मंत्रियों को इस मुद्दे पर इन देशों से संपर्क करने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं, ब्रूस ने कहा।

महिलाओं को स्वस्थ जीवन जीने में मददगार साबित होंगे, ये 5 योग आसान

दिव्यांशी भदौरिया

रोजाना योगा करने से शरीर को कई स्वास्थ्य लाभ मिलते हैं। मांसपेशियों को मजबूत करने से लेकर कई पुराने रोगों के लक्षणों को कम करने तक, योग शरीर और दिमाग को ठीक करने का एक सबसे बेहतरीन तरीका है। हमारे दैनिक जीवन में योग दिनचर्या के महत्व को कायम रखने के लिए हर साल 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाता है।

महिलाएं अपने जीवन में प्रजनन से लेकर पीरियड्स और मेनोपॉज तक विभिन्न चरणों से गुजरती हैं – ये सभी अवस्थाएं हार्मोनल परिवर्तनों से प्रेरित होती हैं। रुक हुए पीरियड्स चक्र, पीरियड्स की जल्दी शुरुआत, और लंबे समय तक मेनोपॉज संक्रमण को महिलाओं द्वारा सामना किए जाने वाले कुछ मुद्दे हैं, जो फाइब्रॉएड, एडेनोमायोसिस और विभिन्न अन्य प्रजनन बीमारियों जैसी स्थितियों को जन्म दे सकते हैं।

वहीं, इस वर्ष के अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की थीम है – महिला सश. क्तिकरण के लिए योग। इसलिए हम इस लेख में आपको पांच योग आसन बताएंगे जो महिलाओं को स्वस्थ जीवन जीने में मदद कर सकते हैं।

बद्ध कोणासन (तितली मुद्रा)

तितली मुद्रा के रूप में भी जाना जाता है, यह बैठने की मुद्रा कूल्हों को खोलती है और श्रोणि क्षेत्र को उत्तेजित करती है, मासिक धर्म की परेशानी को कम करती है और प्रजनन अंगों में परिसंचरण को बढ़ावा देती है।

सूर्य नमस्कार और चंद्र नमस्कार

सूर्य नमस्कार जीवन शक्ति और शक्ति को प्रज्वलित करता है, जबकि चंद्र नमस्कार आत्मनिरीक्षण और भावनात्मक संतुलन को बढ़ावा देने में मदद करता है, साथ ही हार्मोनल संतुलन का पोषण करता है।

हीलिंग वॉक

हीलिंग वॉक में हाथों को सिर के ऊपर उठाकर और हथेलियों को बाहर की ओर करके चलना शामिल है। यह हल्का व्यायाम शरीर के भीतर आंतरिक संचार को बढ़ाने, मांसपेशियों के तनाव को कम करने और समग्र कल्याण को बढ़ावा देने में मदद करता है।

हनुमानासन (भगवान हनुमान मुद्रा)

इस विभाजित मुद्रा में हैमस्ट्रिंग, कमर और कूल्हों को खींचना, निचले शरीर में लचीलेपन और परिसंचरण को बढ़ाना शामिल है। यह प्रजनन अंगों को उत्ते. जित करने, समग्र पेल्विक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने में भी मदद करता है।

वज्र मुद्रा के साथ वज्रासन

वज्र मुद्रा धारण करते हुए वज्रासन में बैठने से परिसंचरण को संतुलित करने, रक्त आपूर्ति को उत्तेजित करने और वज्र नाड़ी में ऊर्जा को प्रवाहित करने में मदद मिलती है, जिससे समग्र स्वास्थ्य को बढ़ावा मिलता है।

एंग्जाइटी होने पर कभी भी न करें जंक फूड्स का सेवन, वरना हो सकता नुकसान

आमतौर पर लोग अपनी हेल्थ को लेकर बिल्कुल भी सजग नहीं रहते हैं। आजकल खराब लाइफस्टाइल के चलते लोगों में स्ट्रेस और एंग्जाइटी की समस्या देखने को मिल रही है। एंग्जाइटी का संबंध सीधा खाने से होता है। ऐसे में कई लोग तनाव के दौरान बाहर का खाना खाने लगते हैं। हाल ही में बॉल्डर के यूनिवर्सिटी ऑफ कोरोआडो द्वारा एक स्टडी की गई, जिसमे पाया गया है कि तनाव में होने पर जंक फूड खाने वाले लोगों में एग्जाइटी के लक्षण और भी बढ़ जाते हैं।

हाई फैट डाइट लेना पड़ सकता है भारी स्टडी के शोधकर्ताओं की मुताबिक, स्ट्रेस में रहने से लोग अक्सर हाई फैट डाइट जैसे समोसा, बर्गर और पिज्जा आदि जैसे खाद्य पदार्थों का सेवन करने लगते हैं। कई बार तो लोग ओवरईटिंग भी करने लगते हैं, जिससे शरीर को नुकसान पहुंच सकता है।

एक स्टडी के शोधकर्ताओं ने जानवरों पर इस स्टडी को करके पाया है कि हाई फैट लेने से गट में मौजूद बैक्टीरिया दिमाग में मिलने वाले कैमिकल्स में बदलाव कर सकते हैं, जिस कारण एंग्जाइटी के लक्षण और भी गंभीर हो सकते हैं। आगे चलकर इंसानो पर भी यह स्टडी की जा सकती है।

बढ़ सकता है वजन

जर्नल बायोलॉजिकल रिसर्च में प्रकाशित इस स्टडी के मुताबिक जानवरों पर यह स्टडी की जाने के बाद यह सामने निकलकर आया है कि ज्यादा फैट वाली डाइट लेने से जानवरों में वजन बढ़ने की भी समस्या देखी गई है।

वहीं, आंतों में मौजूद बैक्टीरिया भी प्रभावित हो सकता है।

ज्यादा फैट खाने और ओवरईटिंग करने से कई बार शरीर में हार्मोन्स का भी उतार–चढ़ाव देखने को मिल सकता है। जिससे तनाव की समस्या हो सकती है।

रोजाना रात में सोने से पहले जरूर करें ये फेस योग, ग्लोइंग और जवां बनेगी त्वचा

बढ़ती उम्र के साथ ही झुर्रियां, स्किन का लटकना और झाइंया नजर आने लगती हैं। हालांकि यह समस्या आज के समय में सिर्फ बुजुर्गों के साथ नहीं बल्कि युवाओं के साथ भी देखने को मिल रही है। कम उम्र में इस समस्या के होने के पीछे खराब लाइफस्टाइल, काम का बोझ और तनाव आदि है। वर्तमान समय में लोग महंगे–महंगे प्रोडक्ट का इस्तेमाल कर अपनी त्वचा की केयर करते हैं। लेकिन इन प्रोडक्ट्स में कॉस्मेटिक्स और केमिकल्स का इस्तेमाल होता है। जिसके असर हमारी स्किन पर भी नजर आता है।

ऐसे में अगर आप भी इस समस्याओं से जूझ रहे हैं और आप भी हेल्दी व ग्लोइंग स्किन पाना चाहते हैं। तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको इस समस्या से छुटकारा पाने के लिए फेस योग के बारे में बताने जा रहे हैं। रोजाना रात में सोने से पहले फेस योग की मदद से आप स्किन को हेल्दी और ग्लोइंग बना सकते हैं। इससे त्वचा में कसाव आएगा और एजिंग के लक्षण भी कम होते जाएंगे।

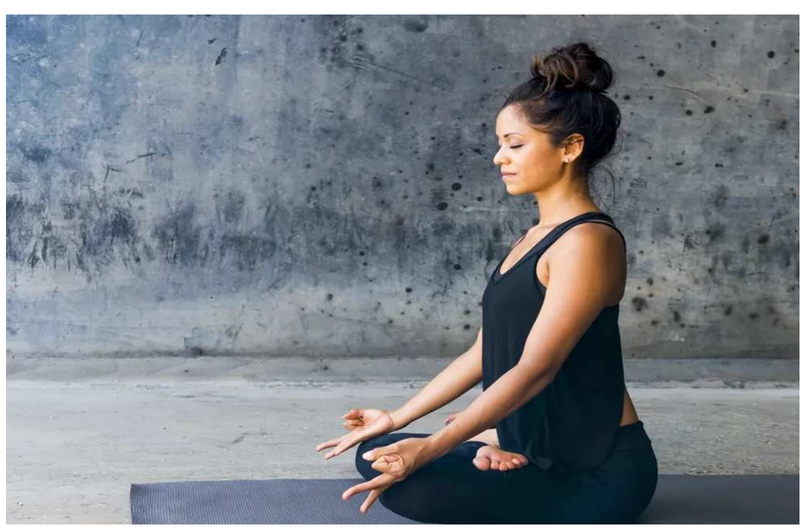

फेस योगा

बता दें कि फेस योग में कई तरह की एक्टिविटी इन्वॉल्व होती हैं। जैसे– मुंह खोलना, गर्दन घुमाना और आंखें खोलना आदि शामिल है। फेस योगा से चेहरे की मांसपेशियों पर अधिक असर पड़ता है। जब आप रोजाना फेस योगा करते हैं, तो समय से पहले झुर्रियां नहीं आती हैं और आपकी त्वचा लंबे समय तक जवां बनी रहती हैं। यहां तक की फाइन लाइंस की समस्या भी नहीं होती है। दरअसल, फेस योगा से चेहरे का ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है और आपके फेस में हाइड्रेशन भी बना रहता है। साथ ही फेस योगा से चेहरे के दाग–धब्बे दूर होते हैं और फेस क्लीन होता है व फेस में निखार आता है।

डी–स्ट्रेस

जब आप रोजाना फेस योगा करते हैं, तो इससे चेहरे की मांसपेशियां खुलती हैं। रोजाना योगा करने से त्वचा शांत होने के साथ शरीर रिलैक्स होता है और तनाव में कमी आती है। वहीं फेस योगा की मदद से फेस डी–स्ट्रेस होता है, मसल्स रिलैक्स होती हैं और नर्वस सिस्टम पर भी अच्छा असर पड़ता है।

ग्लोइंग होगी स्किन

अगर आप फेस योग या एक्सरसाइज आदि नहीं करते हैं। साथ ही स्किन केयर भी नहीं करते हैं। तो आपकी त्वचा लटक जाती है और फेस पर झुर्रियां नजर आने लगती हैं। वहीं अगर आप रोजाना रात में सोने से पहले फेस योगा करते हैं, तो स्किन में कसाव आता है, झुर्रियां कम होती हैं और कॉलेजन का प्रोडक्शन भी बढ़ता है।

स्किन टोन में सुधार

रोजाना रात में सोने से पहले फेस योगा जरूर करना चाहिए। फेस योगा की मदद से स्किन कॉम्प्लेक्शन में सुधार होता है और स्किन टोन बेहतर होती है।

आईआरसीटीसी के इस शानदार टूर पैकेज के साथ करें नॉर्थ ईस्ट के खूबसूरत ठिकानों का दीदार

जून–जुलाई की चिलचिलाती गर्मी से हर कोई परेशान है। ऐसे में गर्मी से राहत पाने के लिए लोग किसी ठंडी व खूबसूरत जगह पर जाने का प्लान बनाते हैं। ऐसे में अगर आप भी इस गर्मी किसी जगह घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो नार्थ ईस्ट इसके लिए बेहद मुफीद जगह है। बता दें कि नार्थ ईस्ट के पास कई ऐसे ठिकाने हैं, जो आपके सफर को यादगार बना देगी। जून में बच्चों की छुट्टियां होती हैं, ऐसे में आप फैमिली के साथ ट्रिप प्लान कर सकते हैं।

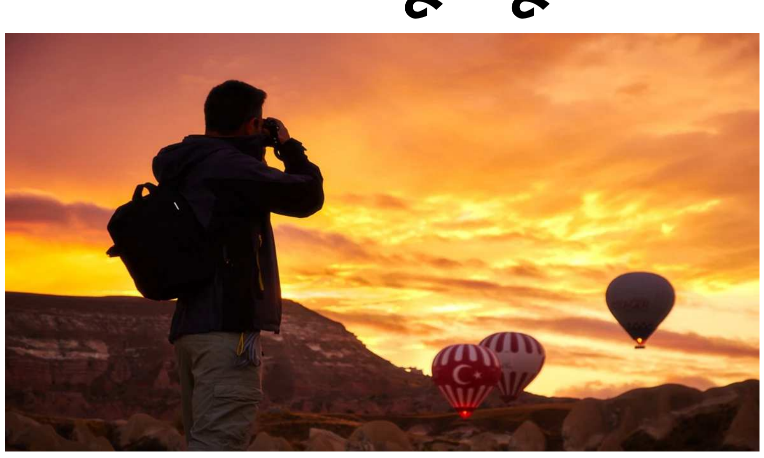

अगर आप भी अपनी फैमिली के साथ घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो आईआरसीटीसी के इस शानदार पैकेज का लाभ उठा सकते हैं। बता दें कि हाल ही में आईआरसीटीसी ने एक टूर पैकेज लॉन्च किया है। जिसमें आपको नार्थ ईस्ट घूमने का मौका मिलेगा। तो आइए जानते हैं इस पैकेज से जुड़ी सभी जरूरी डिटेल्स के बारे में...

पैकेज की अवधि– 6 रात और 7 दिन

ट्रैवल मोड– फ्लाइट

डेस्टिनेशन कवर्ड– दार्जिलिंग, गंगटोक, कलिम्पोंग

कब कर सकेंगे यात्रा– 10 जून 2024

मिलेंगी ऐसी सुविधाएं

इस यात्रा का लाभ लेने वाले पर्यटक को फ्लाइट की इकोनॉमी क्लास की टिकट मिलेगी।

स्टे के लिए होटल की सुविधा मिलेगी।

साथ ही टूर पैकेज में ब्रेकफास्ट और डिनर की सुविधा भी मिलेगी।

इस टूर पैकेज में ट्रैवल इंश्योरेंस भी शामिल है।

शुल्क

अगर आप अकेले इस ट्रिप पर जाना चाहते हैं, तो आपको 61,540 रुपए का भुगतान करना होगा।

वहीं दो लोगों को इस ट्रिप के लिए 49,620 रुपए प्रति व्यक्ति भुगतान करना होगा।

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर

अजित पवार का फिर छलका दर्द, मुख्यमंत्री पद को लेकर कही ये बात

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने मुख्यमंत्री बनने की अपनी इच्छा फिर से जाहिर की है. छह बार उपमुख्यमंत्री रहने के बावजूद, मुख्यमंत्री पद उनसे दूर ही रहा.

एजेंसी

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार की मुख्यमंत्री बनने की इच्छा अब छिपी नहीं है. उन्होंने अब तक उपमुख्यमंत्री बनने की हैट्रिक बना ली है, लेकिन वह अभी तक मुख्यमंत्री नहीं बने हैं. उन्होंने और उनकी पार्टी के नेताओं ने बार–बार मुख्यमंत्री बनने की इच्छा व्यक्त की है. उनकी इच्छा अभी तक पूरी नहीं हुई है. इस बीच फिर अजित पवार का पुराना दर्द छलक पड़ा है और मुख्यमंत्री नहीं बनने को लेकर अफसोस जताया है.

अजित पवार मुंबई में एक कार्यक्रम में बोल रहे थे. अपने भाषण के दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री पद पर टिप्पणी की. पत्रकार राही भिड़े ने आशा व्यक्त की थी कि राज्य को एक महिला मुख्यमंत्री मिलनी चाहिए. उन्होंने इसी कड़ी में मुख्यमंत्री पद पर टिप्पणी की है.

अजित पवार ने कहा, "राही भिड़े ने कहा कि भविष्य में एक महिला को महाराष्ट्र का मुख्यमंत्री बनना चाहिए. हम सभी को ऐसा लगता है, लेकिन अंत में, इसे एक साथ आना होगा. क्योंकि मैं भी कई सालों से सोच रहा हूं कि मुझे मुख्यमंत्री बनना चाहिए, लेकिन सामंजस्य कहां बन रहा है."

एक दिन महिला बनेंगी राज्य की मुख्यमंत्री३ बोलीं अजित पवार

उन्होंने यह भी विश्वास जताया कि राज्य को एक दिन महिला मुख्यमंत्री मिलेगी. जैसे ममता बनर्जी पश्चिम बंगाल में मुख्यमंत्री बनीं. यह फुले, शाहू और आंबेडकर का महाराष्ट्र है, इसलिए राज्य में भी ऐसा ही होगा.

बता दें कि अजित पवार कुल छह बार उपमुख्यमंत्री रहे हैं. अजित पवार अब तक कुल पांच बार उपमुख्यमंत्री रह चुके हैं. यह उनका छठा मौका है. वह पहली बार 2010 में कांग्रेस नेता पृथ्वीराज चव्हाण की सरकार में उपमुख्यमंत्री बने थे.

छठवीं बार उपमुख्यमंत्री बने हैं अजित पवार

2012 में वह एक बार फिर कांग्रेस–राष्ट्रवादी पार्टी सरकार के दौरान उपमुख्यमंत्री बने. नवंबर 2019 में, अजित पवार ने देवेंद्र फडणवीस के साथ उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली. इस बार वह केवल 80 घंटे के लिए उपमुख्यमंत्री रहे.

बाद में 2022 में अजित पवार एक बार फिर महा विकास अघाड़ी सरकार में उपमुख्यमंत्री बने. वह इस पद पर ढाई साल तक रहे. बाद में 2022 में अजित पवार ने बगावत कर दी और भाजपा से हाथ मिला लिया. इस बार वे पांचवीं बार उपमुख्यमंत्री बने. अब उन्होंने महायुति सरकार में छठी बार उपमुख्यमंत्री का पद संभाला है.

पुलवामा हमले के बाद कहां सर्जिकल स्ट्राइक हुई, मैं आज तक उसके सबूत मांग रहा हूं : कांग्रेस सांसद चन्नी

एजेंसी

कांग्रेस कार्यसमिति की शुक्रवार को लंबी बैठक हुई है. इसमें पहलगाम हमले और जाति जनगणना जैसे अहम मुद्दे पर चर्चा हुई. इसके बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कांग्रेस सांसद चरणजीत सिंह चन्नी ने कहा कि सरकार ने अभी तक जो कदम उठाए हैं, उससे कुछ नहीं होने वाला. पानी बंद करना संभव नहीं है. रही बात वाघा बॉर्डर की तो वो पहले से आवाजाही के लिए बंद है. अडानी का व्यापार दूसरे देशों के जरिए हो रहा है. पुलवामा हमले में हमारे 40 जवान शहीद हुए थे. आज तक मुझे तो पता नहीं चला कि पाकिस्तान में कहां अटैक हुआ था. कहीं सर्जिकल स्ट्राइक नहीं हुई. कहां सर्जिकल स्ट्राइक हुई, किसी को नहीं पता. उसके सबूत मैं आज तक मांग रहा हूं.

कांग्रेस सांसद ने कहा कि आज कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की अध्यक्षता में ॅब् की महत्वपूर्ण बैठक हुई. इससे पहले हुई ॅब् की बैठक के बाद सरकार को ये आश्वासन दिया गया था कि सरकार आतंक के खिलाफ–देश की एकता और अखंडता के लिए जो भी निर्णय लेगी, कांग्रेस उनके साथ है. ये बहुत बड़ा संकट है, जिसमें हुई सुरक्षा की चूक को देखने की जरूरत है. पहलगाम हमले में जिनकी जान गई है, सरकार उनके परिवारों को उचित मुआवजा दे. उनके री–रिहैबिलिटेशन की बात करे, उनके परिवार के लिए सरकार आगे आए.

सरकार की क्षमता पर सवाल खड़े हो गए

चरणजीत सिंह चन्नी ने कहा कि आज देश को सुरक्षित रखने में सरकार की क्षमता पर सवाल खड़े हो गए हैं. पूरा देश इंतजार कर रहा है कि पाकिस्तान जैसे देश, जो आतंकवाद को बढ़ावा दे रहे हैं– सरकार उनके ऊपर कब कार्रवाई करेगी? हमारी मांग है कि सरकार आगे बढ़े और जिन लोगों ने हमारे देश में आतंक फैलाया है, उन पर कार्रवाई करे. इस मामले में कांग्रेस, सरकार के साथ है.

प्रधानमंत्री क्या कदम उठा रहे हैं?

वहीं, छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने कहा, पहलगाम की घटना ने पूरे देश–दुनिया को झकझोर दिया है. पूरा देश एक साथ खड़ा है. पूरा विपक्ष सरकार का साथ देने के लिए तैयार है . जो भी सरकार कदम उठाए, हम सरकार के साथ हैं लेकिन सवाल है कि प्रधानमंत्री क्या कदम उठा रहे हैं? मुझे 12 साल पुरानी छत्तीसगढ़ की घटना याद आती है. वहां नक्सलियों ने हमारे नेताओं को नाम पूछ–पूछ कर मारा.

एटम-एटम-एटम... पाकिस्तान की यही रट लिखेगी उसकी तबाही, भारत ही नहीं अमेरिका का भी होगा प्रहार

रमेश सर्राफ धमोरा

भारतीय सेना ने शुक्रवार को आसमान, एक्सप्रेस–वे और समंदर में जो कुछ किया, उससे पाकिस्तान का डर और बढ़ गया है. भारतीय वायुसेना और नौसेना ने एक साथ दो मोर्चों से पाकिस्तान के खिलाफ गर्जना की. इससे इस्लामाबाद से लेकर कराची, लाहौर से लेकर रावलपिंडी तक हड़कंप मच गया. बौखलाए पाकिस्तानी मंत्रियों और सैन्य अधिकारियों ने एटमी हमले की धमकी देना शुरू कर दिया. मगर, सच ये है कि पाकिस्तान के एटमी हमले को नाकाम करने के लिए भारत का फुलप्रूफ मिलिट्री प्लान तैयार है.

उत्तर प्रदेश में गंगा एक्सप्रेस–वे पर भारतीय वायुसेना की ताकत देखने को मिली. वायुसेना के राफेल लड़ाकू विमानों ने गर्जना की. सुखोई फाइटर जेट ने शक्ति प्रदर्शन किया. जगुआर ने हुंकार भरी. मिग लड़ाकू विमानों ने अपनी मारक क्षमता का प्रदर्शन किया. इस तरह गंगा एक्सप्रेस–वे पर वायुसेना का शौर्य दिखा. एक्सप्रेस–वे पर साढ़े तीन किलोमीटर लंबी हवाई पट्टी पर राफेल, सुखोई, जगुआर, मिग और मिराज जैसे 15 लड़ाकू विमाना. ` ने आंधी–तूफान के बीच 'टच एंड गो' किया.

भारतीय वायुसेना आसमान में गर्जना कर शक्ति प्रदर्शन कर रही है तो समुद्र में भारतीय नौसेना हमले के लिए तैयार है. इंडियन नेवी अरब सागर में न सिर्फ लगातार युद्धाभ्यास कर रही है, बल्कि एंटी एयरक्राफ्ट मिसाइलें दागकर पाकिस्तान को कड़ा संदेश दे रही है. नेवी की ताकत उस वक्त और बढ़ गई, जब भारत और अमेरिका में एक बड़ा सैन्य समझौता हुआ. भारत और अमेरिका में 1,107 करोड़ रुपए की डील हुई है. इसके तहत अमेरिका भारतीय नौसेना को उन्नत समुद्री सर्विलांस तकनीक देगा.

पाकिस्तान ने च्वज्ञ के लिए स्पेशल एडवाइजरी जारी की

भारत की इन्हीं तैयारियों और शक्ति प्रदर्शन को देखकर पाकिस्तान बुरी तरह से घबराया हुआ है. पाकिस्तान का कलेजा कांप रहा है. पाकिस्तान ने च्वज्ञ के लिए स्पेशल एडवाइजरी जारी की है. लोगों से कहा गया है कि वो 2 महीने के लिए राशन जुटा लें. इनता ही नहीं कराची और लाहौर का एयरस्पेस बंद कर दिया है. कराची–लाहौर से 1 महीने के लिए उड़ानें बंद कर दी गई हैं.

पाकिस्तान ने ये कदम भारत के संभावित हमले के डर से उठाया है. आइए जानते हैं कि भारत से भयभीत पाकिस्तान अब लगातार एटमी धमकी क्यों दे रहा है? पाकिस्तान जानता है कि सैन्य शक्ति के मामले में वो भारत के सामने कहीं नहीं ठहरता है. लिहाजा उसके नेता और मंत्री एटमी हमले की धमकी दे रहे हैं. पीपीपी अध्यक्ष बिलावल भुट्टो कह रहे हैं कि हमारी फौज में इतनी हिम्मत है कि हर हमले का इंशा अल्लाह मुंहतोड़ जवाब देंगे.

एटमी हमला नहीं होगा क्योंकि दोनों देश तबाह हो जाएंगे

मरियम नवाज का कहना है कि अल्लाह ताला के फजल से पाकिस्तान आज एक एटमी ताकत है. पाकिस्तान के पास एटम बम है. हानिफ अब्बासी ने कहा कि ये जो गौरी, शाहीन, गजनवी हैं, इन्हें चौक में सजाने के लिए हमने नहीं रखे हैं. ये हमने हिंदुस्तान के लिए रखे हैं. पाक पीएम के सलाहकार राणा सनाउल्लाह ने कहा कि एक एटमी ताकत के खिलाफ जंग थोपी जा सकती है. इसका जवाब उन्हें मिलेगा. पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा कि मैं ये मानता हूं कि एटमी हमला नहीं होगा क्योंकि इससे दोनों देश तबाह हो जाएंगे. एटमी धमकियों के बीच पाकिस्तान के राजनीतिक विश्लेषक जावेद चौधरी ने बड़ा एलान किया है. जावेद ने दावा किया है कि मुनीर मानसिक रूप से बीमार हैं. वो हार टालने के लिए परमाणु बम फोड़ सकते हैं. पाकिस्तानी सेनाध्यक्ष आसिम मुनीर पूरी दुनिया के लिए खतरा हैं. पाकिस्तान के राजनीतिक विश्लेषक के इस दावे में इसलिए भी दम है क्योंकि भारत के हमले के डर से बौखलाए आसिम मुनीर लगातार धमकियां दे रहे हैं. मुनीर ने एक बार फिर से भारत को आंख दिखाने की कोशिश की है.

पाकिस्तान की इस बौखलाहट के बीच ट्रंप की योजना

उन्होंने कहा कि भारत के किसी भी हमले का त्वरित, दृढ़ और कड़ा जवाब दिया जाएगा. मुनीर की ये धमकी इस बात का प्रमाण है कि न सिर्फ पाकिस्तानी सेनाध्यक्ष और उनकी फौज, बल्कि पूरा पाकिस्तान भय से भरा हुआ है. पाकिस्तानी पत्रकार रऊफ क्लासरा ने खुद कबूल किया है कि भारतीय सेना बहुत बड़ी और बहुत शक्तिशाली है. पाकिस्तान उसका मुकाबला नहीं कर पाएगा। ऐसे में जब हार सामने खड़ी होगी, तो पाकिस्तान एटमी हमले का विकल्प आजमा सकता है.

पाकिस्तान की इस बौखलाहट के बीच ट्रंप की योजना तैयार है. अमेरिका पाकिस्तान के एटम बमों को कैप्चर कर सकता है. छठ६ की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका ने जो सीक्रेट प्लान बनाया है, उसमें दस ऐसे हालात हैं, जब अमेरिका पाकिस्तान के परमाणु हथियारों को सीज कर सकता है.

अगर पाकिस्तान के एटमी हथियारों से अमेरिका को खतरा हुआ तो ट्रंप पाकिस्तानी एटम पर कब्जा कर सकते हैं.

अमेरिका के सहयोगी देशों को अगर खतरा हुआ तो भी इसे सीज किया जा सकता है.

अगर परमाणु विनाश का खतरा मंडराया तो भी अमेरिका पाकिस्तान के परमाणु शस्त्रागार को सीज कर सकता है.

अगर अमेरिका को लगा कि पाकिस्तान भारत पर हमला कर सकता है तो भी उसके परमाणु बमों को कैप्चर किया जा सकता है.

पाकिस्तान के एटमी सेंटर पर आतंकी हमला होने पर भी अमेरिका ये कदम उठा सकता है. अगर अमेरिका को ऐसा लगता है कि पाकिस्तान के एटम बम आतंकी संगठनों के हाथ लग सकते हैं तो भी अमेरिका उसे सीज कर लेगा.

अगर पाकिस्तान की सत्ता आतंक के आकाओं के हाथ में आ जाती है.

अगर पाकिस्तान में बड़ा गृहयुद्ध छिड़ जाता है.

अगर पाकिस्तान में तख्तापलट हो जाता है.

या पाकिस्तान में मार्शल लॉ लग जाता है तो भी अमेरिका पाकिस्तान के परमाणु हथियारों को अपने कंट्रोल में ले सकता है. (स्रोतरू छठ६ की रिपोर्ट)

पाकिस्तान जिस तरह से एटमी माहौल बना रहा है, वही उसके परमाणु हथियारों के खात्मे का कारण बन सकता है. अगर अमेरिका को इस बात के इनपुट मिले कि पाकिस्तान एटमी हमला कर सकता है तो वो पाकिस्तान के एटम बमों को सीज कर लेगा. पाकिस्तान के एटमी हथियारों पर तहरीक–ए–तालिबान पाकिस्तान यानी ज्ज्च भी कब्जा कर सकता है. इतना ही नहीं अगर भारतीय खुफिया एजेंसियों को पता चला कि पाकिस्तान एटमी हमला करने की तैयारी में है, तो भारत उसके परमाणु जखीरे को जला सकता है.

भारत ने पाकिस्तान के टैक्टिकल न्यूक्लियर हमले को रोकने की तैयारी भी कर ली है. इस बाबत भारतीय सेना कई अभ्यास कर चुकी है. भारतीय सेना के पास ऐसी उन्नत तकनीक है, जो पाकिस्तान के टैक्टिकल न्यूक्लियर हमले को नाकाम कर देगी. पाकिस्तान के पास जंग लड़ने के लिए पैसा नहीं है.

साप्ताहिक राशिफल

मेष

मेष राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह कभी खुशी कभी गम लिए रहने वाला है। इस सप्ताह आपक. ो निजी जीवन से लेकर करियर–कारोबार तक में उतार–चढ़ाव देखने को मिल सकते हैं। हालांकि सप्ताह की शुरुआत सामान्य रहने वाली है। इस दौरान व्यक्तिगत और पेशेवर रूप से खुद को मजबूत पाएंगे। कार्यक्षेत्र में अनुकूलता बनी रहेगी। युवाओं का अधिकांश समय मौज–मस्ती करते हुए बीतेगा। घर–परिवार में मांगलिक कार्य संपन्न होंगे। सप्ताह के मध्य में आपको करियर–कारोबार में कुछ अप्रत्याशित बदलाव को झेलना पड़ सकता है।

इस दौरान नौकरीपेशा लोगों के सिर पर अचानक से अतिरिक्त जिम्मेदारी का बोझ आ सकता है। जिसे पूरा करने के लिए आपको अधिक समय और ऊर्जा खर्च करने की आवश्यकता रहेगी।

वृषभ

वृष राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मध्यम फलदायी है। वृष राशि के जो जातक किसी कार्य विशेष के लिए बीते कुछ समय से लगातार प्रयासरत हैं, उन्हें इस सप्ताह भी उससे जुड़ी सफलता के लिए इंतजार करना पड़ सकता है। सप्ताह के उत्तरार्ध के मुकाबले उनका पूर्वार्ध थोड़ा राहत भरा रहने वाला है।

ऐसे में इस राशि के जातकों को अपने करियर–कारोबार और जीवन से जुड़े अहम कार्यों को इसी दौरान करने का प्रयास करना चाहिए। सप्ताह के मध्य में किसी व्यक्ति विशेष से मेल–मुलाकात होगी। जिसकी मदद से अटके कार्यों में धीमी गति से ही लेकिन प्रगति होती नजर आएगी। सप्ताह के उत्तरार्ध में न सिर्फ कार्यक्षेत्र से जुड़ी बल्कि घर–परिवार से संबंधित समस्याएं भी आपकी परेशानी का कारण बन सकती हैं। इस दौरान पैतृक संपत्ति अथवा किसी जमीन–जायदाद को लेकर विवाद हो सकता है। अचानक से जीवन में तमाम तरह की समस्याएं सामने आने से आपका मन थोड़ा विचलित रह सकता है। हालांकि सुखद पहलू यह है कि इस दौरान आपके संगी–साथी आपकी ढाल बनेंगे और आपके साथ साए की तरह बने रहेंगे।

मिथुन

मिथुन राशि के जातकों को इस सप्ताह सौभाग्य का पूरा साथ मिलेगा। यदि आप किसी कार्य विशेष के लिए लंबे समय से प्रयासरत थे तो उम्मीद का दामन बिल्कुल न छोड़ें क्योंकि इस सप्ताह उसमें आ रही बाधाएं स्वतरू दूर होती हुई नजर आएंगी। सप्ताह के पूर्वार्ध का समय नौकरीपेशा लोगों के लिए अनुकूल रहने वाला है।

इस दौरान आपके शुभचिंतक आपको नेक सलाह देते हुए नजर आएंगे, जिस पर अमल करके आप अपनी चीजों को सुव्यवस्थित कर सकते हैं। सप्ताह के मध्य में किसी तीर्थ स्थान पर जाने का अचानक प्रोग्राम बन सकता है। इस पूरे सप्ताह घरेलू महिलाओं का मन धार्मिक–कार्यों में खूब रमेगा। किसी धार्मिक–आध्यात्मिक व्यक्ति की विशेष कृपा आप पर बरस सकती है। यदि आप व्यवसाय से जुड़े हुए हैं तो आपके लिए सप्ताह के पूर्वार्ध के मुकाबले उत्तरार्ध ज्यादा शुभ रहने वाला है। इस दौरान आप आप समझदारी के साथ अपने पैसे का सही जगह निवेश करते हैं तो आपको उससे भविष्य में बड़ा लाभ मिल सकता है। उच्च शिक्षा के लिए प्रयासरत लोगों के लिए यह सप्ताह गुडलक लेकर आएगा।

कर्क

कर्क राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मिश्रित फलदायक रहने वाला है। इस सप्ताह इस राशि के जातकों को किसी भी फैसले को लेते समय जल्दबाजी करने से बचना चाहिए। रिश्ते–नाते में मिठास बनी रहे और किसी प्रकार की गलतफहमी न पैदा हो इसके लिए स्वजनों के साथ संवाद बनाए रखें।

सप्ताह की शुरुआत में आपको करियर–कारोबार के सिलसिले में बड़े फैसले लेने पड़ सकते हैं। ऐसा करते समय अपने शुभचिंतकों की सलाह अवश्य लें। यदि आप नौकरीपेशा व्यक्ति हैं तो अपने कार्यक्षेत्र में सीनियर और जूनियर को मिलाकर चलें। यदि कार्यक्षेत्र पर हालात आपके अनुकूल नहीं हैं तो आप उससे बजाय भागने के उसे बेहतर बनाने का प्रयास करें। भूलकर भी आवेश में आकर नौकरी में बदलाव जैसा फैसला लेने से बचें। सप्ताह के मध्य में घरेलू समस्याओं के चलते आपका मन थोड़ा खिन्न रहेगा। इस दौरान आपको आपके विरोधी आप पर हावी होने तथा आपके बनते काम बिगाड़ने की को. शिश कर सकते हैं।

सिंह

सिंह राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मध्यम फलदायी रहने वाला है। इस सप्ताह इस राशि के जातकों को अपनी ऊर्जा, धन और समय का प्रबंधन करके चलना उचित रहेगा। सप्ताह की शुरुआत में आपके सिर पर अचानक से कुछ बड़े खर्च आ सकते हैं। इस दौरान कार्य विशेष के लिए लंबी दूरी की यात्रा पर भी अचानक निकलना पड़ सकता है। यात्रा सुखद और नये संपर्कों को बढ़ाने वाली साबित होगी। व्यवसाय से जुड़े लोगों के लिए सप्ताह के उत्तरार्ध के मुकाबले पूर्वार्ध का समय ज्यादा अनुकूल रहने वाला है। ऐसे में आपको अपने कारोबार से जुड़े बड़े फैसले इसी दौरान करने चाहिए। सप्ताह के मध्य में आप कुछ चीजों को लेकर खुद को असमंजस की स्थिति में पा सकते हैं। ऐसे में इस दौरान कोई बड़ा फैसला लेते समय अपने शुभचिंतकों की सलाह अवश्य लें। नौकरीपेशा जातकों इस सप्ताह अपने कार्य दूसरों के भरोसे छोड़ने की बजाय स्वयं बेहतर तरीके से पूरे करने का प्रयास करना चाहिए अन्यथा पूर्व में की गई न सिर्फ आपकी मेहनत बेकार जा सकती है, बल्कि वरिष्ठ अधिकारियों की डांट भी सुननी पड़ सकती है।

कन्या

कन्या राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मिलाजुला रहने वाला है। यदि आप चाहते हैं कि आपको जीवन में मनचाही सफलता और खुशियां मिले तो आपको अपने कार्य और व्यवहार में आमूलचूल बदलाव लाना होगा और अपने शुभचिंतकों को नाराज करने से बचना होगा। इस सप्ताह आपकी किसी बात या व्यवहार से आपके अपने नाराज हो सकते हैं। वाद–विवाद बढ़ने पर वर्षों से बने रिश्ते में दरार आ सकती है। करियर–कारोबार से लेकर घर–परिवार में सब कुछ अच्छा बना रहे इसके लिए दूसरों से अपेक्षा करने करने की बजाय आपको खुद ही आगे बढ़कर प्रयास करना होगा। यदि आप नौकरीपेशा व्यक्ति हैं तो अपने कार्यक्षेत्र में कनिष्ठ लोगों के साथ रुखा व्यवहार न करें और अपने वरिष्ठ लोगों के साथ अच्छा तालमेल बनाए रखें। यदि आप व्यवसायी हैं तो शार्टकट तरीके से लाभ कमाने से बचें और कागजी काम पूरे करके रखें। यदि आप पार्टनरशिप में व्यवसाय करते हैं तो धन का लेनदेन सावधानी के साथ करें।

तुला

तुला राशि के जातकों के लिए करियर और कारोबार की दृष्टि से यह सप्ताह उत्तम और रिश्ते–नाते की दृष्टि से मध्यम फलदायी रहने वाला है।

सप्ताह की शुरुआत में आपको करियर–कारोबार से जुड़ा कोई बहुप्रतीक्षित शुभ समाचार प्राप्त हो सकता है। इस सप्ताह तुला राशि का नौकरीपेशा जातक हो या फिर व्यवसाय से जुड़ा कारोबारी, वह अपना शत प्रतिशत अपने कार्य में देता हुआ नजर आएगा।

खास बात कि उसके प्रयासों को सौभाग्य का भी पूरा साथ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में अनुक. ूलता बनी रहेगी और सीनियर आपके कामक. ाज की खुले मन से प्रशंसा करते हुए नजर आएंगे। सप्ताह के अंत तक आपको बड़ा पद अथवा अहम जिम्मेदारी मिल सकती है। यदि आप लंबे समय से किसी नये कारोबार की शुरुआत करने अथवा किसी बड़ी डील को फाइनल करने के लिए प्रयासरत थे तो आपकी यह मनोकामना इस सप्ताह पूरी हो सकती है। यदि आप लंबे समय से रोजी–रोजगार के लिए प्रयासरत थे तो सप्ताह के उत्तरार्ध में आपकी यह मनोकामना पूरी हो सकती है।

वृश्चिक

वृश्चिक राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह गुडलक लिए है। इस सप्ताह आपको जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में शुभता–सफलता की प्राप्ति होगी। इस सप्ताह आपके सोचे हुए कार्य समय पर पूरे होंगे। करियर–कारोबार में मनचाही प्रगति होती नजर आएगी। कार्यक्षेत्र में आपको सीनियर और जूनियर दोनों का सहयोग और समर्थन मिलेगा। व्यवसाय में अच्छा मुनाफा कमाएंगे। यदि आपके कारोबार में बीते समय से कोई अड़चन आ रही थी इस सप्ताह वह किसी व्यक्ति विशेष की मदद से दूर हो जाएगी। मार्केट में आपकी साख बढ़ेगी। यदि आप साझेदारी में व्यवसाय करते हैं तो आप उसके विस्तार की योजना पर काम करेंगे। आपकी योजना को साकार रूप देने के लिए आपके शुभचिंतक और परिजन पूरी मदद करेंगे। इस संबंध में घर–परिवार के किसी वरिष्ठ सदस्य की सलाह लाभदायी साबित होगी। यह सप्ताह पठन–पाठन एवं शोध से जुड़े कार्यों को करने वालों के लिए अत्यधिक शुभ साबित होगा।

धनु

धनु राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह जीवन के नये अवसरों को लेकर आने वाला है, लेकिन उसका लाभ उठाने के लिए आपको आलस्य और आशंका को त्याग कर कठिन परिश्रम और प्रयास करना होगा। इस सप्ताह यदि आप अपने धन, समय और उर्जा का सही दिशा में उपयोग करते हैं तो आपको आशा से अधिक सफलता और लाभ मिल सकता हैं। वहीं इसकी अनदेखी करने पर बनते काम बिगड़ जाने से मन में निराशा के भाव जाग सकते हैं। धनु राशि के जातकों को इस सप्ताह खुले हाथ धन खर्च करने से बचना चाहिए अन्यथा सप्ताह के अंत तक उन्हें उधार मांगने की नौबत आ सकती है। व्यवसाय की दृष्टि से यह सप्ताह आपके लिए मिश्रित फलदायी साबित होने वाला है। इस सप्ताह आपको कारोबार में लाभ तो होगा लेकिन साथ ही साथ खर्च की अधिकता भी बनी रहेगी। धनु राशि के जातकों को इस सप्ताह मौसमी बीमारी को लेकर सतर्क रहने की आवश्यकता रहेगी। अपनी दिनचर्या और खानपान सही रखें अन्यथा पेट संबंधी दिक्कतें हो सकती है। परीक्षा–प्रतियोगिता की तैयारी में जुटे छात्रों को सप्ताह के मध्य में किसी सुखद समाचार की प्राप्ति संभव है।

मकर

मकर राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह उतार–चढ़ाव लिए रहने वाला है। इस सप्ताह आप अपने करियर–कारोबार में आ रही अड़चनों को लेकर चिंतित रह सकते हैं। कार्यक्षेत्र और कारोबार के अलावा निजी जीवन से जुड़ी समस्याएं भी आपकी बड़ी चिंता का कारण बनेंगी। हालांकि जीवन के कठिन समय में आपके शुभचिंतक एवं परिजन काफी मददगार साबित होंगे और काफी हद तक आप इन समस्याओं का समाधान खोजने में भी कामयाब होंगे। सप्ताह के मध्य में किसी भी कार्य को करते समय विशेष सावधानी बरतें। इस दौरान जल्दबाजी या असमंजस की स्थिति में लिया गया निर्णय आपके लिए हानिक. ारक साबित हो सकता है। इस दौरान स्वजनों के साथ बात–व्यवहार करते समय विनम्रता से पेश आएं अन्यथा लंबे समय से बने हुए रिश्तों में दरार आ सकती है। इस सप्ताह खर्च की अधिकता के चलते आपका बजट थोड़ा गड़बड़ा सकता है। सप्ताह के उत्तरार्ध में करियर–कारोबार के सिलसिले में लंबी दूरी की यात्रा पर निकलना पड़ सकता है।

कुंभ

जीवन में आने वाली छोटी–मोटी दिक्कतों को यदि नजरअंदाज कर दें तो कुंभ राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह शुभ साबित होगा। इस सप्ताह आपको आपकी मेहनत का पूरा फल प्राप्त होगा। करियर और कारोबार की दिशा में किए गये प्रयास सफल होंगे और आपके पद एवं प्रतिष्ठा में बढ़ोत्तरी होगी।

राजनीति से जुड़े लोगों के लिए यह सप्ताह गुडलक लिए हुए है। इस सप्ताह आपकी झोली में कोई बड़ा पद गिर सकता है। सत्तापक्ष से जुड़े लोगों के साथ आपका मेल–मिलाप बढ़ेगा। आपके मान–सम्मान में बढ़ोत्तरी होगी। नौकरीपेशा लोगों को कार्यक्षेत्र में अनुकूलता बनी रहेगी। आप अपनी सूझबूझ से अपने विरोधियों पर काबू पाने में कामयाब होंगे। कुंभ राशि के जो जातक तकनीक के क्षेत्र से जुड़े हुए हैं, उनके लिए यह सप्ताह अत्यंत ही शुभ साबित होगा। इसी प्रकार इलेक्ट्रानिक का कारोबार करने वालों को बड़े लाभ की प्राप्ति होगी। सप्ताह के उत्तरार्ध में किसी वरिष्ठ एवं अनुभवी व्यक्ति से कार्य विशेष के लिए मार्गदर्शन प्राप्त होगा।

मीन

मीन राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मिलाजुला रहने वाला है। सप्ताह के पूर्वार्ध का समय जहां अनुकूल तो वहीं उत्तरार्ध थोड़ा प्रतिकूल रहने वाला है। ऐसे में मीन राशि के जातकों को जीवन से जुड़े महत्वपूर्ण कार्यों सप्ताह की शुरुआत में ही निबटाने का प्रयास करना चाहिए। यदि आप बेरोजगार हैं तो आपको इसी दौरान पूरे मनोयोग से रोजी–रोजगार के लिए प्रयास करना चाहिए। इस दौरान किसी व्यक्ति विशेष की मदद से भूमि–भवन से जुड़े विवाद का समाधान निकल सकता है। मीन राशि के जातकों को इस सप्ताह इस बात का पूरा ख्याल रखना होगा कि उनकी बात से ही बात बनेगी और बात से ही बात बिगड़ भी सकती है।

ऐसे में अपना काम निकलवाने के लिए लोगों की प्रशंसा करने में जरा भी कंजूसी न करें और सभी के साथ अच्छा तालमेल बनाए रखें। सप्ताह के पूर्वार्ध में आपके घर में कोई धार्मिक अथवा मांगलिक कार्यक्रम संपन्न हो सकता है। इस दौरान घरेलू महिलाओं का अधिकांश समय पूजा–पाठ में बीतेगा।

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर

पाक सैनिकों ने जम्मू-कश्मीर के चार जिलों में नियंत्रण रेखा और अंतरराष्ट्रीय सीमा पर बिना उकसावे के गोलीबारी की; भारत ने प्रभावी तरीके से जवाब दिया

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : पाकिस्तानी सैनिकों ने जम्मू–कश्मीर के चार सीमावर्ती जिलों के कई सेक्टरों में नियंत्रण रेखा (एलओसी) और अंतर्राष्ट्रीय सीमा (आईबी) पर अकारण गोलीबारी की, जिसके बाद भारतीय बलों ने श्प्रभावी ढंग से जवाबश दिया, अधिकारियों ने बुधवार को कहा।

छोटे हथियारों से शुरू हुई गोलीबारी जम्मू जिले में आईबी के साथ परगवाल सेक्टर और राजौरी जिले के सुंदरबनी और नौशेरा सेक्टरों से हुई। 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए हालिया आतंकी हमले के बाद नई दिल्ली और इस्लामाबाद के बीच बढ़े तनाव के बीच, नियंत्रण रेखा पर पाकिस्तान द्वारा संघर्ष विराम उल्लंघन की यह लगातार छठी रात थी। जम्मू में एक रक्षा प्रवक्ता ने कहा, 29–30 अप्रैल की रात को, पाकिस्तानी सेना की चौकियों ने केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर के नौशेरा, सुंदरबनी और अखनूर सेक्टरों के सामने नियंत्रण रेखा के पार छोटे हथियारों से अकारण गोलीबारी शुरू की। कश्मीर घाटी में बारामुल्ला और कुपवाड़ा जिलों में नियंत्रण रेखा के पार और परगवाल सेक्टर में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पार पाकिस्तानी चौकियों से भी बिना उकसावे के छोटे हथियारों से गोलीबारी की ऐसी ही घटनाएं सामने आईं। शुरुआत में कुपवाड़ा और बारामुल्ला जिलों में गोलीबारी शुरू हुई और फिर पुंछ और अखनूर सेक्टरों में फैल गई। यह आगे राजौरी जिले के सुंदरबनी और नौशेरा सेक्टरों तक बढ़ गई, इसके बाद जम्मू के परगवाल सेक्टर में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर गोलीबारी हुई।

24 अप्रैल की रात से, जब भारत ने पहलगाम आतंकी हमले में 26 लोगों की हत्या के जवाब में सिंधु जल संधि को निलंबित कर दिया था, तब से पाकिस्तानी सैनिक कश्मीर घाटी से शुरू होकर जम्मू और कश्मीर में नियंत्रण रेखा के पास विभिन्न स्थानों पर बिना उकसावे के गोलीबारी कर रहे हैं।

उसी दिन, पाकिस्तान ने भारतीय एयरलाइनों के लिए अपना हवाई क्षेत्र बंद कर दिया, व्यापार को निलंबित कर दिया और वाघा सीमा क्रॉसिंग को बंद कर दिया, और चेतावनी दी कि सिंधु जल संधि के तहत पानी को मोड़ने का कोई भी प्रयास युद्ध की कार्रवाई माना जाएगा।

फरवरी 2021 में भारत और पाकिस्तान ने नए सिरे से युद्ध विराम पर सहमति जताई थी, जब दोनों देशों के सैन्य संचालन महानिदेशक. ों ने 2003 के युद्ध विराम समझौते के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की फिर से पुष्टि की थी।

भारत पाकिस्तान के साथ 3,323 किलोमीटर लंबी सीमा साझा करता है, जिसमें गुजरात से जम्मू के अखनूर तक लगभग 2,400 किलोमीटर लंबी अंतर्राष्ट्रीय सीमा, जम्मू से लेह तक 740 किलोमीटर लंबी नियंत्रण रेखा और सियाचिन क्षेत्र में 110 किलोमीटर लंबी वास्तविक ग्राउंड पो. जिशन लाइन शामिल है।

विशाखापत्तनम दीवार गिरने पर पीएम मोदी ने जताया दुख, मृतकों के परिजनों को 2 लाख और घायलों को 50 हजार रूपये देने का किया ऐलान

सबका जम्मू कश्मीर

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में दीवार गिरने से हुई जानमाल की हानि पर दुख व्यक्त किया। एक्स पर एक पोस्ट में प्रधानमंत्री मोदी ने मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की।

उन्होंने प्रत्येक मृतक के निकट संबंधी को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ) से 2 लाख रुपये तथा घायलों को 50,000 रुपये की अनुग्रह राशि देने की भी घोषणा की। एक्स पोस्ट में कहा गया है, ष्आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में दीवार गिरने से हुई मौतों से बहुत दुखी हूं। जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खो दिया है, उनके प्रति संवेदना। घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं। प्रत्येक मृतक के परिजनों को पीएमएनआरएफ से 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी। घायलों को 50,000 रुपये दिए जाएंगेरू पीएम @ narendramodi।

इससे पहले आज विशाखापत्तनम में श्री वराहालक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी मंदिर में चंदनोत्सवम उत्सव के दौरान 20 फुट लंबा अस्थायी ढांचा ढह गया, जिसमें आठ लोगा. ` की मौत हो गई और चार लोग घायल हो गए। बंदोबस्ती विभाग के प्रधान सचिव विनय चौन ने तिरुपति में इस घटना पर बात करते हुए कहा कि अभी इसका कारण बताना जल्दबाजी होगी।

उन्होंने कहा, ष्इसलिए हमारे लिए घटना के कारणों पर निष्कर्ष निकालना उचित नहीं है। प्रथम दृष्टया, हमने पाया है कि सुबह 2. 30 से 3.30 बजे के बीच भारी बारिश हुई थी।

हम घटना की जांच कर रहे हैं... फिलहाल, हमें जानकारी मिली है कि करीब आठ लोगों की मौत हो गई है। सारा मलबा हटा दिया गया है... बचाव कार्य पूरा हो गया है। एक अधिकारी ने बताया कि राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) और राष्ट्रीय आपदा मोचन बल की टीमें खोज एवं बचाव अभियान चला रही हैं।

डॉ. नरिंदर सिंह ने विकास समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की; समावेशी विकास और सामाजिक जिम्मेदारी पर जोर दिया

सबका जम्मू कश्मीर

आरएस पुरा, जम्म : आरएस पुरा–जम्मू दक्षिण में विकासात्मक पहलों को गति देने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, विधानसभा सदस्य (एमएलए) और भाजपा के राष्ट्रीय सचिव डॉ. नरिंदर सिंह ने वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों की एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में चल रही परियोजनाओं का आकलन करने और विकास योजनाओं के तेज़ और अधिक कुशल कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए अंतर–विभागीय समन्वय को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

बैठक में एसडीएम अनुराधा ठाकुर, तहसीलदार चंद्र शेखर, खंड विकास अधिकारी (बीडीओ), बाल विकास परियोजना अधिकारी (सीडीपीओ) और पीडब्ल्यूडी, पीडीडी और अन्य आवश्यक सरकारी निकायों जैसे विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों सहित प्रमुख अधिकारी मौजूद थे।

एजेंडा मौजूदा बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की समीक्षा, भविष्य के प्रस्तावों पर चर्चा और उन क्षेत्रों की पहचान करने के इर्द–गिर्द घूमता रहा, जिन पर तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है।

Helpline

पुलिस स्टेशन	
बाग-ए-बहू	2459777
बख्शी नगर	2580102
बस स्टैंड	2575151
शहर	2543688
गांधी नगर	2430528
गंग्याल	2482019
नौबाद	2571332
पक्का डांगा	2548610
रेलवे स्टेशन	2472870
सैनिक कॉलोनी	2462212
सतवारी	2430364
चन्नी हिम्मत	2465164
ट्रांसपोर्ट नगर	2475444
त्रिकुटा नगर	2475133
गांधी नगर	2459660
एसएसपी शहर	2561578
एसपी शहर उत्तर	2547038
एसपी दक्षिण	2433778
सार्वजनिक उपयोगिता सेवाएँ	
इंडियन एयर लाइन्स	
शहर कार्यालय	2542735
एयर पोर्ट	2430449
जेट एयर वेज़	2453999
सिटी ऑफिस	2573399
रेलवे	
रेलवे पूछताछ	131, 132, 2476407
बुकिंग	2470318
आरक्षण	2470315

पब्लिक हेल्थ इंजीनियरिंग स्टेशन	
बख्शी नगर	2543557
गांधी नगर	2430786
कंपनी बाग	2542582
नया प्लॉट	2573429
पंजतीर्थी	2547537
दूरसंचार विभाग	
डायरेक्टरी पूछताछ	197
फॉल्ट रिपेयर	198
ट्रंक बुकिंग	180
बिलिंग शिकायत	2543896
जम्मू नगर पालिका	
जं. लाइन्स	2578503
प्रशासन अधिकारी	2542192
स्वास्थ्य अधिकारी	2547440
डाक सेवाएँ	
मुख्य डाकघर शहर	2543606
गाँधी नगर	2435863
अग्निशमन सेवाएँ	
नियंत्रण कक्ष	101,132, 2476407
शहर	2544263
गाँधी नगर	2457705
नहर	2554064
गंग्याल	2480026
रसोई गैस डीलर	
चिनाब गैस	2547633
गुलमौर गैस	2430835
जैकफेड	2548297
एचपी गैस	2578456
शिवांगी गैस	2577020
तवी गैस	2548455
पावर हाउस	
गाँधी नगर	2430180
नहर रोड	2554147
जानीपुर	2533828
नानक नगर	2430776

परेड	2542289
सतवारी कैंट	2452813
अस्पताल	
जीएमसी अस्पताल	2584290
एस.एम.जी.एस. अस्पताल	2547635
सी.डी. अस्पताल	2577064
डेंटल अस्पताल	2544670
गांधी नगर अस्पताल	2430041
सरवाल अस्पताल	2579402
जी.बी. पंत कैंट अस्पताल	2433500
आयुर्वेदिक कॉलेज	2543661
सी.आर.पी. अस्पताल	2591105
आचार्य श्री चंदर	2662536
मानसिक अस्पताल	2577444
स्वामी विवेकानंद	2547418
ब्लड बैंक	2547637
एम्बुलेंस	2584225, 2575364
एम्बुलेंस (रेड क्रॉस)	2543739
नर्सिंग होम	
मददन अस्पताल	2456727
मेडिकेयर	2435070
त्रिवेणी नर्सिंग होम	2452664
सुविधा नर्सिंग होम	2555965
अल. फिरदौस नर्सिंग होम	2545050
आस्था नर्सिंग होम	2576707
बी एन चौरिटेबल ट्रस्ट	2505310
चोपड़ा नर्सिंग होम	2573580
हरबंस सिंह मेम हॉस्पिटल	2541952
जीवन ज्योति	2576985
युद्धवीर नर्सिंग होम	2547821
मीडियाएड नर्सिंग होम	2466744
सीता नर्सिंग होम	2435007
विभूति नर्सिंग होम	2547969
रामेश्वर नर्सिंग होम	2580601
बी एन चेरिटेबल	2555631
महर्षि दयानंद	2545225

फिल्म तो बहाना है, गुलामगिरी फिर लाना है

बादल सरोज

फुले फिल्म को लेकर जिस तरह का तूमार खड़ा किया जा रहा है, वह सिर्फ उतना नहीं है, जितना दिखाया या बताया जा रहा है रू कि अनुराग कश्यप नाम के किसी फिल्म निर्देशक ने सेंसर बोर्ड की काटछाँट को लेकर सोशल मीडिया पर अपनी असहमति जताई, उस असहमति पर ट्रोल गिरोह की तरफ से आई उकसावे वाली टीप पर खीज कर कोई टाले जाने योग्य क्रियापद लिख दिया। यदि बात इतनी भर होती, तो उस शब्द के लिए अनुराग कश्यप के एक नहीं, दो–दो बार सार्वजनिक रूप से माफी मांगे जाने के बाद खत्म हो जानी चाहिए थी। मगर नहीं हुई दृ क्योंकि इसकी शुरुआत अनुराग कश्यप के उस एक शब्द से हुई ही नहीं थी।

फुले फिल्म को सेंसर बोर्ड का प्रमाणपत्र मिल चुका था। जिनके जीवन पर यह बनी है, उनके जन्मदिन पर सिनेमाघरों में इसे दिखाया जाना तय भी हो चुका था। जैसे ही इसका ट्रेलर जारी हुआ, वैसे ही कथित ब्राह्मणों के कुछ स्वनियुक्त, स्वयंभू संगठनों ने इस फिल्म के कई दृश्यों, संवादों, पात्रों और चरित्रों को लेकर अपने पोथीपत्रों से सेंसर बोर्ड को लाद दिया। लड़कियों और महिलाओं की पाठशाला के लिए जाती सावित्री फुले पर गोबर और पत्थर फेंकने, 'मांग' 'महार' 'पेशवाई' जैसे शब्दों को हटाने, तीन हजार साल पुरानी गुलामी वाले संवाद में से तीन हजार हटाने जैसी मांग उठाई। मोदी राज में सेंसर बोर्ड का गठन ही इस तरह किया गया है, ताकि फिल्मो को भी उनके राजनीतिक एजेंडे को आगे ले जाने के लिए इस्तेमाल किया जा सके। कश्मीर फाइल्स, केरला फाइल्स और छावा जैसी विषाक्त फ़िल्में बिना किसी काट–छांट के धड़ल्ले से झूठ और अर्धसत्य दिखा सकती है, लेकिन इतिहास में सचमुच का सकारात्मक योगदान देने वाले व्यक्तित्वों के संदेश को नहीं जाने दिया जा सकता। फुले फिल्म पर चलाई जाने वाली यह कैंची उनकी लड़ाई और योगदान दोनों को ही अदृश्य कर देती है। मगर इतने सारे कट्स के बाद भी कथित चाणक्य सेना, सर्व ब्राह्मण महासभा, ब्राह्मण सेवा संघ, अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा, विश्व ब्राह्मण परिषद और अखिल भारतीय ब्राह्मण संघ, ब्राह्मण रक्षा मंच जैसे अजब–गजब नामधारी संगठन मोर्चे पर डटे हैं और सरकार से फिल्म पर रोक लगाने की मांग कर रहे है। उनका कहना है कि इस फिल्म के जरिए "पंडितों और ब्राह्मणों को अपमानित किया गया है, ब्राह्मण पंडितों के चरित्र को खलनायक के रूप में दिखाया गया है।" वगैरा–वगैरा!!

कहने की जरूरत नहीं कि इन सबकी चिंता में ब्राह्मण नामक प्राणी नहीं हैं, इनकी चिंता में वह प्रणाली है, जिसे ब्राह्मणवाद के नाम से जाना जाता है। ऐसा नहीं कि उन्हें इन दोना. ें के बीच का अंतर नहीं पता। ऐसा भी नहीं कि वे यह नहीं जानते कि छुआछूत की अमानवीय पराकाष्ठा, शूद्रो को ही नहीं, सवर्ण यहाँ तक कि ब्राह्मण जाति में जन्मी महिलाओं को भी शिक्षा और सामान्य नागरिक जीवन से वंचित करने वाली थी। पेशवाशाही के दौरान यह और भी अधिक यातनापूर्ण हो गयी थी और इससे लड़ने वाले जोतिबा और सावित्री फुले का साथ देने वालों और सत्य शोधक समाज नाम की संस्था के जरिये उसे एक ताकतवर सामाजिक राजनीतिक आन्दोलन में बदलने वालो में फातिमा शेख ही नहीं, विनायक बापू जी भंडारकर, विनायक बापू जी डेंगल और सीताराम सखाराम दातार जैसे उनके वे मित्र भी अगली कतार में थे, जो जन्मना ब्राह्मण थे। कोई व्यक्ति, किस जाति में जन्म लेना है, इसका चुनाव नहीं कर सकता, मगर अपनी और समाज की चेतना को किस तरह विकसित और परिष्कृत करना है, इसका चुनाव तो कर ही सकता है। ऐसे अनेक जन्मना सवर्ण लोग सामाजिक कुरीतियों की लड़ाई में शामिल रहे है, उसके अगुआ भी रहे है। ठीक यही बात बापू साहेब सहस्रबुद्धे के नाम से मशहूर हुए गंगाधर नीलकंठ ने मनुस्मृति को आग लगाते हुए बोली थी और कहा था कि ब्राह्मणवाद की बेड़ियों का साकार रूप यह मनुस्मृति सिर्फ शूद्रों या स्त्रियों के खिलाफ नहीं है ; यह सभ्य समाज की अवधारणा के ही खिलाफ है और जो भी मनुष्यता और समानता में विश्वास करता है वह ऐसा ऐसी प्रणाली को धिक्कार करके ही कर सकता है। सहस्रबुद्धे जन्मना ब्राह्मण थे और जीवन भर डॉ. अम्बेडकर के साथ उनकी छाया की तरह रहे। महाड़ के चावदार तालाब के पानी के लिए हुए सत्याग्रह के संयोजक और प्रबंधक, समन्वयक अनंत विनायक चित्रे भी जन्मना ब्राहमण ही थे। होने को तो नरेन्द्र दाभोलकर भी ब्राह्मण परिवार में जन्मे थे दृ उनकी सरेआम की गयी निर्मम हत्या के समय ये अजब–गजब नामधारी संगठन आक्रोश जता रहे थे या खुशी मना रहे थे, यह याद दिलाने की जरूरत नहीं। इन नामों को गिनाने का मकसद सिर्फ यह ध्यान में लाना है कि फिल्म के नाम पर उड़ रहे गुबार में ब्राह्मण तो बहाना है, असली मकसद उस ब्राह्मणवाद नाम की कुप्रथा को बचाना है, जिसने भारतीय सभ्यता के कोई डेढ़ हजार वर्ष अँधेरे में डुबो दिए। जिसकी जाति श्रेणीक्रम की जकड़न, वर्णाधारित कामों के बंधन और सत्ता के साथ मुट्ठी भर द्विजों के गठबंधन ने विज्ञान, गणित, चिकित्सा विज्ञान, अंतरिक्ष ज्ञान से लेकर साहित्य और भाषा सहित सामाजिक विकास के हाथ–पांव बांधकर रख दिए। फुले फिल्म इसके खिलाफ चले उस युगांतरकारी संघर्ष की झलक दे सकती है, जिसकी उपलब्धियों से पृथ्वी के इस हिस्से में जितनी रौशनी दिख रही, वह आ पाई थी। ब्राह्मणवाद की बहाली की साजिशों को चुनौती दे सकती है, इसलिए सत्ता पर बैठे गिरोह को वह नागवार है। ऐसे अजब–गजब नामधारी संगठनों के नाम पर सेंसर बोर्ड के जरिये वह इस फिल्म के सार को ही ओझल कर देना चाहता है। इसके लिए वह पाखंड की सारी हदें पार कर रहे हैं।

यही सेंसर बोर्ड है, जिसने 'धड़क–2' फिल्म की स्क्रीनिंग यह कहकर रोक दी थी कि यह फिल्म जाति की बात करती है, जबकि "मोदी जी ने इंडिया में कास्ट सिस्टम ही ख़त्म कर दिया है।" ठीक इसी आधार पर 'संतोष' नाम की फिल्म भी इंडिया में रिलीज़ नहीं होने दी गयी थी। आज ब्राह्मण जाति की "भावनाएं आहत" होने के नाम पर फुले की फिल्म के खिलाफ हुड़दंगाई ब्रिगेड को छू बोला जा रहा है। अनुराग कश्यप ने ठीक ही कहा है कि , "भइया, जब कास्ट सिस्टम ही नहीं बचा है, तो काहे का ब्राह्मण? जब कास्ट सिस्टम था ही नहीं, तो ज्योतिबा फुले और सावित्री बाई क्यों थीं?" सवाल तो यह भी है कि अभी फ़क़त दो वर्ष पहले ही तो आर एस एस प्रमुख मोहन भागवत ने फरमाया था कि "जाति पहले से नहीं थी, इसे तो बाद में पंडितों ने बनाया था।" फुले दंपत्ति की सारी मुहिम इन्हीं "बनाई" हुई जातियों के बर्बर श्रेणीक्रम के खिलाफ ही तो थी। फिर डर किस बात का है? डर इस बात का है कि आज दिखावे के लिए दावे कुछ भी किये जाएँ, इस गिरोह का असली मकसद उस ब्राह्मणवादी प्रणाली की पुनर्स्थापना है, जिसे पिछले ढाई–तीन हजार वर्षों से लगातार चुनौती दी गयी। अनगिनत और अनवरत सामा. जिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक संघर्षों से इसे काफी हद तक पीछे धकेला गया। इसकी बहाली ही मौजूदा हुक्मरानों का मुख्य लक्ष्य है, बाकी सब तो दिखावा है। यही इनका असली हिन्दू राष्ट्र है, जिसे हिंदुत्व के नाम पर लाना चाहते हैं। सावरकर और गोलवलकर जैसे इनके पुरखों ने बिना किसी लागलपेट के इसे साफ़–साफ़ कहा भी है, लिखा भी है। उनके आराध्य और हिन्दुत्व शब्द, जिसका खुद उनके अनुसार हिन्दू धर्म की परंपराओं से कोई संबंध नहीं, के जनक सावरकर ने कहा था कि रू

"मनुस्मृति वह शास्त्र है, जो हमारे हिन्दू राष्ट्र के लिए वेदों के बाद सबसे अधिक पूजनीय है और जो प्राचीन काल से ही हमारी संस्कृति–रीति–रिवाज, विचार और व्यवहार का आधार बना हुआ है। सदियों से इस पुस्तक ने हमारे राष्ट्र के आध्यात्मिक और दैवीय पथ को संहिताबद्ध किया है। आज भी करोड़ों हिन्दू अपने जीवन और व्यवहार में जिन नियमों का पालन करते हैं, वे मनुस्मृति पर आधारित हैं। आज मनुस्मृति हिंदू कानून है। यह मौलिक है।"

सावरकर इसे और स्पष्ट करते हुए कहते हैं कि रू "ब्राह्मणों का शासन, हिन्दू राष्ट्र का आदर्श होगा।" वे यह भी कहते हैं कि "सन 1818 में यहां देश के आखिरी और सबसे गौरवशाली हिन्दू साम्राज्य (पेशवाशाही) की कब्र बनी।" यह वही पेशवाशाही है जिसे हिन्दू पदपादशाही के रूप में फिर से कायम कर आरएसएस एक राष्ट्र बनाना चाहता है और इसी को वह हिन्दू राष्ट्र बताता है।

आर एस एस जिन्हें अपना प.पू. गुरुजी मानता है, वे गोलवलकर स्वयं वर्णाश्रम की ताईद करते हुए कह गए हैं कि "आज हम अज्ञानतावश वर्ण व्यवस्था को नीचे गिराने का प्रयास करते हैं। लेकिन यह इस प्रणाली के माध्यम से था कि स्वामित्व को नियंत्रित करने का एक बड़ा प्रयास किया जा सकता था ३ समाज में कुछ लोग बुद्धिजीवी होते हैं, कुछ उत्पादन और धन की कमाई में विशेषज्ञ होते हैं और कुछ में श्रम करने की क्षमता है। हमारे पूर्वजों ने समाज में इन चार व्यापक विभाजनों को देखा। वर्ण व्यवस्था का अर्थ और कुछ नहीं है, बल्कि इन विभाजनों का एक उचित समन्वय है और व्यक्ति को एक वंशानुगत के माध्यम से कार्यों का विकास जिसके लिए वह सबसे उपयुक्त है, अपनी क्षमता के अनुसार समाज की सेवा करने में सक्षम बनाता है। यदि यह प्रणाली जारी रहती है, तो प्रत्येक व्यक्ति के लिए उसके जन्म से ही आजीविका का एक साधन पहले से ही आरक्षित है।" (ऑर्गनाइज़र, 2 जनवरी, 1961, पृष्ठ 5 और 16 में प्रकाशित) ।

६ जिनके नाम पर बनी फिल्म फुले को लेकर सनाका खींचा जा रहा है, वे जोतिबा और सावित्री फुले भारत के सामाजिक इतिहास के ऐसे टर्निंग पॉइंट हैं, जिन्होंने सिर्फ स्त्री और शूद्रों को शिक्षा तक ही खुद को महदूद नहीं रखा, एक विराट राजनीतिक आन्दोलन भी शुरू किया। उन्होंने ब्राह्मणवादी वर्चस्व के खिलाफ लिखना शुरू किया। शिवाजी का सही मूल्यांकन किया और उन्हें किसानों का राजा और बहुजनों का प्रतिनिधि बताया। उन्होंने अपनी किताब 'गुलामगिरी', 'किसानों की चाबुक', 'ब्राह्मणों के विश्वासघात' आदि के माध्यम से इतिहास को सही परिप्रेक्ष्य में रखा, जिसका तार्किक निष्कर्ष 1873 में सत्य शोधक समाज की स्थापना में हुई। यह ब्राह्मणवादी जकड़न के खिलाफ़ एक समग्र आंदोलन था, जिसमें उनके धर्मग्रंथों को चुनौती देना शामिल था। उन्होंने वेदों से लेकर स्मृतियों, पुराणों, रामायण से लेकर महाभारत और यहाँ तक कि गीता तक सभी ब्राह्मणवादी धर्मग्रंथों की निंदा की। उन्होंने ब्राह्मणों की सर्वोच्चता और जाति व्यवस्था की बुनियाद को चुनौती दी। उन्होंने शूद्रों का विश्वास जीता कृ जिन्हें वे ब्राह्मणों के गुलाम मानते थे और सत्य शोधक समाज आंदोलन के माध्यम से उनमें नई भावना भर दी, जिसके तहत पूरे ब्राह्मणवादी नियंत्रण को चुनौती दी गई और शूद्रों को शामिल किया गया। सत्य शोधकों द्वारा घृणित अनुष्ठानों, परंपराओं पर हमला किया गया। उनकी उपयोगिता को निरर्थक माना जाने लगा और लोग ब्राह्मणवादी चालों से दूर होने लगे।

1921 तक इस सत्यशोधक समाज के जबरदस्त आंदोलन बनने से उपजी बेचौनी थी, जिसकी पृष्ठभूमि में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना की गयी। इसके संस्थापक हेडगेवार का लक्ष्य था सवर्ण हिन्दुओं को एकजुट करना, इसके लिए कट्टर और उग्र चेतना उभारना और मराठा प्रभुत्व दृ पेशवाशाही दृ की बहाली करना। ठीक यही बात है, जो फुले फिल्म के बहाने हो रही बिलबिलाहट में दिख रही है। कोई किसी का मुंह काला करने पर एक लाख रूपये के ईनाम का एलान का रहा है, किसी ने जूते मारने के संकल्प के साथ अपनी शिखा में गाँठ मारने की घोषणा कर मारी है, तो किसी ने 'अपने' प्रदेश में उस फिल्म को ही रिलीज़ न होने देने का शंख फूंक दिया है। बातें तो घर परिवार की बहन, बेटियों के साथ बलात्कार की धमकियों तक हो रही हैं।

यह सवर्ण पलटवार भर नहीं है, यह ब्राह्मणवाद की प्राण–प्रतिष्ठा का शंखनाद है ; इसीलिये यह उस संविधान के विरुद्ध भी युद्ध घोष है, जिसने लोकतंत्र और अन्य प्रावधानों के जरिये काफी हद तक इसे पीछे धकेला था । दूधनाथ सिंह के उपन्यास 'आखिरी कलाम' के प्रो. तत्सत पांडे के कहे को याद करना होगा, जिनका ब्राह्मण–पुरोहित परिवार में जन्म लेने के बावजूद विचार था कि रू '"३. ब्राह्मणवाद ही इस देश की प्रगति में बाधक है।

यह एक अलग तरह का उपनिवेशवाद है जिससे जनता को लड़ना पड़ेगा। कोई भी आजादी मुकम्मल नहीं होगी, जब तक ब्राह्मण उपनिवेश का खात्मा नहीं होगा।"बात फिल्म तक नहीं, इसलिए इसका मुकाबला भी फिल्म तक नहीं रखते हुए उसी सर्वा मी व्यवस्थित तरीके से करना होगा, जिस तरह से किया जाना चाहिए ।

(लेखक 'लोकजतन' के संपादक और अखिल भारतीय किसान सभा के संयुक्त सचिव हैं। संपर्क रू 94242–31650)

साप्ताहिक सबका जम्मू कश्मीर

मई दिवस और आज उसे याद करने की वजहें!!

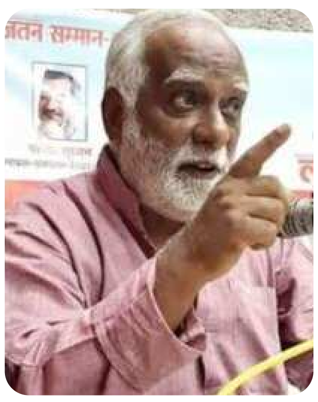

बादल सरोज

अमरीका के शहर शिकागो में 1 मई 1886 को घटी घटना और उसके बाद इस अंतर्राष्ट्रीय दिवस के प्रचलन में आने और बाद में सचमुच में पृथ्वी का अनूठा दिन बन जाने के बारे में कई–कई बार लिखा जा चुका हैं। यहाँ उसके इतिहास का नहीं, उसके युगांतरकारी प्रभाव का जायजा लेना है।

सबसे पहली बात तो यह कि 'इसे सिर्फ मजदूरों का दिन समझने की समझदारी ही सिरे से गलत है।' यह विश्व इतिहास की ऐसी परिघटना है, जिसने पूरी दुनिया को बदलकर रख दिया। आठ घंटे की मांग का हासिल किया जाना कृ और इसी की निरन्तरता में हुई समाजवादी क्रान्ति कृ एक ऐसा बदलाव था, जिसने मनुष्य को मनुष्य बनाया, जिसने उसकी रचनात्मकता, सृजनशीलता को इस कदर मुक्त किया कि उसने जितनी तेजी के साथ इसके बाद की कोई 140 वर्षो में प्रगति की है, उतनी उसने इसके पहले के 10 हजार वर्षों में भी नहीं की थी। कुल मिलाकर यह कि इसने मानव समाज को रहने योग्य बनाया। इस बार का मई दिवस इसलिए और महत्वपूर्ण तथा प्रासंगिक हो जाता है, क्योंकि इन दिनों ठीक वही हालात नजर आए लगे है, जिनके चलते कोई डेढ़ शताब्दी पहले मई दिवस की घटना घटी थी।

मुख़्तसर में यह कि 8 घंटे काम की उपलब्धि पर पूँजी के गिद्ध और मुनाफे के भेड़िये लपक रहे हैं। अठारह–अठारह घंटे की बातें की जा रही हैं और उसके लिए सिर्फ माहौल ही नहीं बनाया जा रहा, क़ानून भी बदले जा रहे हैं। कार्यदशाओं को असहनीय और अमानुषिक बनाया जा रहा है। रोजगार की नियमितता जो अधिकार हुआ करती थी, अब ठेका मजदूरी में बदलते–बदलते उससे भी नीची स्थिति में पहुंचाई जा रही है। महिला कामगारों को, मेहनतकश के नाते, नागरिक के नाते और महिला के नाते तिहरे शोषण की चक्की में पिसने की दशा में ला दिया गया है और लोकतान्त्रिक अधिकार तो दूर की बात रही, ट्रेड यूनियन बनाने और उनके जरिये सामूहिक सौदेबाजी कर मुनाफे में अपना हिस्सा बढ़वाने के मूलभूत अधिकार भी लगभग स्थगित से कर दिए गये हैं। दमन की तीव्रता सारे मानवाधिक. ारों का अतिक्रमण कर रही है और मेहनतकश ही नहीं, हर तरह की असहमति और अभिव्यक्ति से निबटने के लिए हिंसक तौर–तरीके आजमाए जा रहे हैं।

शासक वर्गों की बर्बरता की जाहिर–उजागर वजहें हैं। उनका गुब्बारा पिचक रहा है, शीरा. जा बिखर रहा है। लाख साजिशों के बाद भी पूँजीवाद का संकट सुलझने में नहीं आ रहा, हर गुजरते दिन के साथ और गहरा हो रहा है। अपने आपको बचाने के लिए पूँजीवाद जिस वैश्वीकरण की रणनीति को लाया था, वह भी इस शोषणकारी निजाम को बचा नहीं पायी है। पूँजीवाद को गाय की पूंछ की तरह वैतरणी पार करने का मुक़द्दस जरिया बताने वाले पंडित भी अब विलाप कर रहे हैं। उन्होंने भी इस व्यवस्था के दिवालियेपन को कबूल कर लिया है। पूँजीवाद के इस अतार्किक बेतुकेपन से मुक्ति पाने के लिए वे नवउदार चालबाजी के एक और उतने ही अतार्किक बेतुके रास्ते को आजमाने पर आमादा हुए थे। मगर यह नव उदार मन्त्र भी, जैसा कि होना ही था, चौतरफा विफल होकर चारों खाने चित्त हुआ पड़ा है। इसके चलते जो होना था, वही हो रहा है। भारी गरीबी बढ़ रही है, पूरी दुनिया में असमानता की खाई चौड़ी हुई है और दौलत का कुछ हाथों में अश्लीलता की हद तक केन्द्रीकरण हो गया है। इस सबने इस निजाम की भंगुरता और अव्यावहारिकता को उजागर करके रख दिया है।

मौजूदा दरबारी पूँजीवाद ने खुद के लिए मो. हलत हासिल करने के लिए धुर दक्षिणपंथी रूझानों को बड़ी मेहनत से पाल–पोस कर बढ़ाया और उकसाया है। भले इतिहास में थोड़े समय के लिए ही, ये ताकतें अपनी शैतानियत को उरूज पर ला रही हैं। ट्रम्प की अगुआई वाला संयुक्त राज्य अमरीका खुद एक गंभीर संकट में फंसा हुआ है। इससे उबरने के लिए अपना बोझ दुनिया पर उतार रहा है और उसके लिए लगातार नए–नए साम्राज्यवादी हमले कर रहा है। परोक्ष और अपरोक्ष रूप से सारी दुनिया पर साम्राज्यवादी युद्ध थोप रहा है। फिलिस्तीन के गाजा में नरसंहार लगातार जारी है। अब लड़ाई के इस मैदान को ईरान से लेकर एशिया और लैटिन अमरीका से लेकर कनाडा और यूरोप तक फैलाने की शकुनि योजनायें बनाई जा रही हैं। यह सब जितनी तेज रफ़्तार से हो रहा है, वह अकल्पनीय है दृ यह दुनिया को जिस मुहाने पर धकेल रहा है, वह भयावह है।

भारत में इस धुर दक्षिणपंथ की राजनीतिक प्रजाति दृ नव फासीवादी मोदी सरकार है, जो देश के आम अवाम की मुश्किलों को हल करने में बुरी तरह विफल रही है। इसी के चलते इसने लोकसभा में बहुमत भी गँवा दिया। पिछली साल हुए चुनावों में मोदी की अपरा. जेयता को चुनौती मिली और जनता ने इसे जमीन सुंघा दी। मगर, बजाय इससे कोई सबक लेने के, नवफासीवाद की अगुआई वाली दरबारी पूँजीवाद की यह नस्ल हमलों के नए–नए तरीके और रास्ते ढूँढने में जुटी है। वक्फ़ का नया क़ानून, कश्मीर में आतंकी हमला, कश्मीर के हौलनाक काण्ड के बाद उभारा जा रहा नफरती जहर और युद्धोन्माद, जबरिया हिंदी थोपने की कोशिशें आदि ऐसी ही तिकड़में हैं। ये सब मिलकर विभाजनकारी उन्माद की आग में घी की तरह इस्तेमाल किये जा रहे हैं। मुट्ठीभर लोग आसानी से राज कर सकें इसके लिए चाणक्य से अरस्तू होते हुए मैकियावली तक ने पड़ोसियों से युद्ध छेड़ देने का रास्ता सुझाया था। अब ऐसे नुस्खे भी पुराने पड़ गए लगते हैं, इसलिए अब देश के अन्दर, घर के भीतर ही, अपने नागरिकों के ही एक हिस्से को बाकियों का दुश्मन बताकर विभाजन की भट्टी सुलगाई जा रही है। ट्रम्प ने अपने अमरीका में अपने ही नागरिकों के एक तबके को निशाने पर लिया हुआ है, तो उसके ख़ास दोस्त इधर अपनी ही आबादी के खिलाफ विषैली मुहिम छेड़े हुए हैं ; अभी फिलवक्त निशाने पर मुसलमान और ईसाई हैं, मगर बात यही तक रुकने वाली नहीं है। जिस एजेंडे को लेकर नवफासीवादी अगुआई वाला हिंदुत्वी कार्पोरेटी गिरोह आगे बढ़ रहा है, वह आदिवा. सियों, दलितों और पिछड़ी जातियों तथा सभी जातियों की सभी महिलाओं को मनु के कारागार में बंद करने की बदनीयती से भरा है।

लूट की यह मुहिम फूट की इस तिकड़म की दम पर ही आगे बढ रही है। मगर क्या लुटने वाले इस सच से वाकिफ हैं? लगता तो नहीं है। उन्हें कभी पुलवामा में भुलाया जाता है, कभी पहलगाम में उलझाया जाता है। कभी फुले नाम की फिल्म के बहाने ब्राह्मणों के खतरे में होने का रोना रोया जाता है, तो कभी मंदिर–मस्जिद के नाम पर वोट का अंडा सेया जाता है। यूं भी 'इतिहास का सच यह है कि लोग अपने आप सब कुछ नहीं जान लेते, कि राज करने वाले सिर्फ सत्ता के बूते पर राज नहीं करते, जिन पर राज करते हैं, उनके सोच–विचार के मुद्दों और तरीकों को भी इस तरह ढालते हैं कि वे अपने असली दुश्मन की शिनाख्त ही नहीं कर पायें। सूचना के क्षेत्र में हुई क्रान्ति और पूँजीवाद के नए दरबारी कार्पोरेटी रूप में आने और कारपोरेट मीडिया और इनका गठबंधन पक्का हो जाने के बाद तो यह काम और आसान हो गया है। इसलिए चेतना पर उगी और उगाई जा रही इस खरपतवार की साफ़–सफाई भी एक जरूरी काम हो जाता है। वैसे भी बदलाव के लिए जानना, बूझना और समझना एक अनिवार्य पूर्व शर्त होती है। 2025 के मई दिवस की यही वह पृष्ठभूमि है, जिसमें देश की 10 केन्द्रीय ट्रेड यूनियनों और अनेक स्वतंत्र महासंघों, फेडरेशनों तथा एसोसिएशनों ने मिलकर '20 मई 2025 को देशव्यापी आम हड़ताल' का नारा दिया है। यक़ीनन इस हड़ताल को ऐतिहासिक कामयाबी दिलाकर ही इतिहास को सही दिशा में ले जाने का मार्ग प्रशस्त किया जा सकता है। ठीक इसीलिए 'यह हड़ताल सिर्फ उस दिन दृ 20 मई को दृ की जाने वाली कार्यवाही का मामला नहीं है, यह आम मजदूरों तक उनके जीवन से जुड़े रोजमर्रा के मुद्दों और उनसे जुड़े हालात तथा उनके समाधान के बारे में सन्देश ले जाने का भी एक बड़ा अवसर है।' यह विराट, जुझारू और एकजुट वर्गीय कार्यवाही मजदूर वर्ग के हाथों में ऐसा हथियार बननी चाहिए, जिससे वह पूँजीवाद और उसके राजनीतिक आकाओं के जघन्य हमलों को बेनकाब कर सके, उनके द्वारा फैलाई जा रही धुंध और कुहासे को चीर सके। मानव समाज का इतिहास प्रमाणित कर चुका है कि अमावसें चिरायु नहीं होती, रात कितनी भी लम्बी क्यों न हो, रात ही होती है, ग्रहण कितना भी समय क्यों न चले दीर्घायु नहीं होता ; पूर्णिमा आती है, सुबह होती है और मिथकों में बताये जाने वाले राहू–केतु के पाश से सूरज और चाँद मुक्त होते है। फर्क सिर्फ इतना है कि समझदार और जुझारू समाज ऐसा होने के इन्तजार में नहीं बैठता दृ ऐसा जल्दी हो, इसकी जी तोड़ को. शिशें करता है।

दैनिक जागरण के वरिष्ठ पत्रकार पर मुख्य हमलावर ने जिला मजिस्ट्रेट के समक्ष बिना शर्त लिखित में मांगी माफी

जिला मजिस्ट्रेट ने मुख्य आरोपित रवींद्र पाल सिंह ऊर्फ ठेला निवासी जुथाना को कठुआ में अवैध रूप से कब्जा किए सरकारी क्वार्टर को तुरंत प्रभाव से खाली करने के दिए आदेश

सबका जम्मू कश्मीर

कठुआ, दैनिक जागरण के वरिष्ठ पत्रकार राकेश शर्मा पर गत 23 अप्रैल को कवरेज के दौरान सुरक्षा में खामियों संबंधित तीन विधायकों से पूछे जा रहे सवालों पर भाजपा कार्यकर्ताओं की भीड़ द्वारा किए गए हमले का जिला मजिस्ट्रेट डॉ. राकेश मिन्हास ने पुलिस द्वारा 7 दिन बीत जाने पर भी हमलावरों पर कोई कार्रवाई न किए जाने का कड़ा संज्ञान लिया।जिला मजिस्ट्रेट राकेश मिन्हास ने हमलावर कार्यकर्ताओं में से मुख्य आरोपित रवींद्र पाल सिंह ऊर्फ ठेला निवासी जुथाना को उस समय आदेश जारी करके पुलिस को तत्काल प्रभाव से उनके सामने पेश करने के आदेश जारी किए,जब प्रेस एसोसिएशन कठुआ के प्रतिनिधिमंडल ने पीड़ित दैनिक जागरण के पत्रकार की ओर जिला मजिस्ट्रेट को लिखित में कार्रवाई करने का आवेदन दिया।पीड़ित पत्रकार और उसके साथ प्रतिनिधिमंडल में शामिल प्रेस एसोसिएशन कठुआ के पत्रकार संदीप सिंह,इशांत सूदन ने जिला मजिस्ट्रेट को बताया कि 7 दिन बीतने पर भी पुलिस द्वारा अभी तक एफआईआर लगने पर कोई कार्रवाई नहीं की गई है और मुख्य आरोपी रविंद्र पाल सिंह ऊर्फ ठेला,जिसने सबसे पहले वरिष्ठ पत्रकार पर हमला बोला था,अभी तक शहर में भाजपा के संरक्षण में खुलेआम घूम रहा है और पुलिस

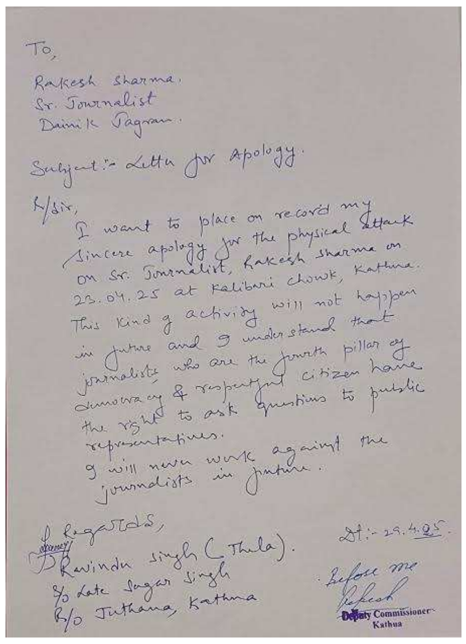
To,
Rakesh Sharma.
Sr. Journalist
Dainik Jagran.

Subject:- Letter for apology.

R/Sir,
I want to place on record my sincere apology for the physical attack on Sr. Journalist, Rakesh Sharma on 23.04.25 at Kalibari chowk, Kathua. This kind of activity will not happen in future and I understand that journalists who are the fourth pillar of democracy & respectful citizen have the right to ask questions to public representatives.
I will never work against the journalists in future.

Regards,
Ravinder Singh (Thela).
S/o Late Sagar Singh
R/o Juthana, Kathua

Dt:- 29.4.25.

Before me
Deputy Commissioner
Kathua

मामला दर्ज होने पर भी उसे गिरफ्तार नहीं कर रही है।जिला मजिस्ट्रेट डॉ.राकेश मिन्हास ने पुलिस की इस तरह की कार्यप्रणाली का कड़ा संज्ञान लिया और तुरंत प्रभाव से अपने कार्यालय के अधीनस्थ अधिकारियों को पुलिस की मदद से उनके समक्ष पेश करने के आदेश दिए।जिला मजिस्ट्रेट के आदेश के बाद पुलिस ने अभी तक बिना गिरफ्तारी के शहर में घूम रहे मुख्य आरोपी को जिला मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया।

उन्होंने पत्रकार पर हमला करने का कारण पूछा और ये भी कहा कि क्या कोई पुरानी रंजिश थी,या सवाल पूछने पर मारपीट कर दी।

आरोपित जिला मजिस्ट्रेट के समक्ष हमले का कारण स्पष्ट नहीं कर पा रहा था,लेकिन दबी जुबान में सवाल पूछने पर हमला करने का कारण जरूर बता रहा था,उसके इस तरह के कारण पर जिला मजिस्ट्रेट डॉ राकेश मिहास ने हमलावर को सवाल पूछने पर पत्रकार पर हमला बोलना गलत और अपराध बताया,उन्होंने कहा कि पत्रकार का काम ही सवाल करना है, अगर किसी को सवाल अच्छा नहीं लग रहा है तो वो अपने तरीके से जवाब दे न कि हमला बोल दे।

जिला मजिस्ट्रेट ने हमला करने का कड़ा संज्ञान लेते हुए मुख्य आरोपित हमलावर को पत्रकार के समक्ष लिखित में बिना कोई शर्त माफी मांगने के आदेश दिए।जिसके बाद रवींद्र सिंह ऊर्फ ठेला ने जिला मजिस्ट्रेट के समक्ष दैनिक जागरण के वरिष्ठ पत्रकार से लिखित में बिना शर्त माफी मांगी,माफीनामा को जिला मजिस्ट्रेट ने अपनी ओर से गवाही के तौर पर हस्ताक्षर किए।इसके साथ ही जिला मजिस्ट्रेट ने आरोपित रवींद्र पाल सिंह ऊर्फ ठेला को अवैध रूप से कब्जा किए कठुआ में सरकारी क्वार्टर को तुरंत प्रभाव से खाली करने के आदेश दिए और उसके अपने गांव जुथाना में लौटने को कह दिया। वहीं जिला मजिस्ट्रेट ने प्रेस एसोसिएशन कठुआ को भरोसा दिलाया कि भविष्य में अब इस तरह के प्रेस के काम में कोई हस्तक्षेप नहीं करेगा।

प्रेस एसोसिएशन कठुआ ने एक बैठक कर जिला मजिस्ट्रेट डॉ राकेश मिन्हास की कार्रवाई और इस गंभीर मामले में कड़ा संज्ञान लेने पर आभार जताया।वहीं प्रेस एसोसिएशन कठुआ ने भाजपा की और पुलिस की कवरेज का बहिष्कार जारी रखने का सर्वसम्मति से फैसला लिया।प्रेस एसोसिएशन कठुआ की ओर बताया गया है कि जब तक भाजपा के प्रदेश मुख्यालय में सभी विधायकों की उपस्थिति में प्रदेश अध्यक्ष प्रेस कांफ्रेंस करके सार्वजनिक माफी नहीं मांगते तब तक कवरेज का बहिष्कार जारी रहेगा।गौर है कि 23 मार्च को पहलगाम हत्याकांड पर जिला भाजपा के तीन विधायक जसरोटा से राजीव जसरोटिया,कठुआ से डॉ भारत भूषण और रामगढ़ से डॉ देवेंद्र मन्याल के नेतृत्व में कालीबड़ी हाईवे पर जाम लगाकर धरना देकर पाकिस्तान के खिलाफ रोष जता रहे थे तब दैनिक जागरण के पत्रकार द्वारा सुरक्षा में खामी पर सवाल पूछने पर भाजपा के कार्यकर्ताओं ने,जिसमें रवींद्र पाल सिंह ऊर्फ ठेला ने हमला बोल दिया था।उसके बाद दर्जनों कार्यकर्ताओं की भीड़ ने हमला बोल दिया।जिसमें दैनिक जागरण के वरिष्ठ पत्रकार बुरी तरह से घायल हुए थे,जिन्हें इलाज के लिए जी एम सी कठुआ में भर्ती कराया गया।

कश्मीर का सम्राट जिसने अरबों को भारत से बाहर भगाया

भारतीय इतिहास में बहुत से शूरवीरों की कहानी आपने सुनी होगी। हमारी भूमि पर बहुत से ऐसे शासक हुए जिन्होंने इतिहास के पन्नों में अपनी गौरव गाथा को अमर कर दिया। फिर चाहे वो सम्राट अशोक हो, चंद्रगुप्त विक्रमादित्य हो या फिर पृथ्वी राज चौहान और महाराणा प्रताप जैसे योद्धा जिनकी कहानी हम बचपन से सुनते और पढ़ते आए हैं। लेकिन इतिहास के कुछ योद्धा ऐसे भी हैं जिनके बारे में बहुत कम ही सुनते को मिलता है। ये कहानी ऐसे सम्राट की है जिसकी कीर्ति केवल भारत में ही नहीं बल्कि पूरे मध्य एशिया में गूंजती थी।

अभिनय आकाश

जम्मू कश्मीर के अनंतनाग में बना मार्तंड मंदिर के बारे में तो आप सभी को पता ही होगा। 8वीं शताब्दी का मार्तंड मंदिर भारत के सूर्य मंदिरों में सबसे पुराना और अमूल्य प्राचीन आध्यात्मिक विरासत का प्रतीक है। ये एएसआई द्वारा संरक्षित स्मारक है। लेकिन आज इसकी हालत खंडहर जैसी है। लेकिन इस मंदिर से भी ज्यादा दिलचस्प उस राजा की कहानी है जिसने इस मंदिर को बनवाया था। एक ऐसा राजा जिसने दक्षिण से लेकर पूर्वी भारत तक सैन्य अभियान चलाए थे। यहां तक की चीन के भी एक हिस्से को जीत लिया था। इसी कारण इस राजा को एलेक्जेंडर ऑफ कश्मीर की उपाधि भी मिली। सरल भाषा में कहे तो कश्मीर का सिंकदर। हम बात कश्मीर के सबसे शक्तिशाली राजा ललितादित्य मुक्तपीड की कर रहे हैं। ललितादित्य ने अपना राज्य चीन तक कैसे फैलाया। कैसे मार्तंड मंदिर का निर्माण हुआ। मातृभूमि के इस एपिसोड में जानेंगे।

एलेक्जेंडर ऑफ कश्मीर

भारतीय इतिहास में बहुत से शूरवीरों की कहानी आपने सुनी होगी। हमारी भूमि पर बहुत से ऐसे शासक हुए जिन्होंने इतिहास के पन्नों में अपनी गौरव गाथा को अमर कर दिया। फिर चाहे वो सम्राट अशोक हो, चंद्रगुप्त विक्रमादित्य हो या फिर पृथ्वी राज चौहान और महाराणा प्रताप जैसे योद्धा जिनकी कहानी हम बचपन से सुनते और पढ़ते आए हैं। लेकिन इतिहास के कुछ योद्धा ऐसे भी हैं जिनके बारे में बहुत कम ही सुनते को मिलता है। ये कहानी ऐसे सम्राट की है जिसकी कीर्ति केवल भारत में ही नहीं बल्कि पूरे मध्य एशिया में गूंजती थी। ऐसा योद्धा जिसने अखंड भारत के सपने को सच करके दिखाया और भारत पर हो रहे अरबी और तुर्की आक्रमणों को रोक कर रखा। इनके शासनकाल में राज्य की सीमा कश्मीर से लेकर मध्य एशिया तक और उज्बेकिस्तान से होते हुए बंगाल के सुंदरवन तक फैली हुई थी।

कार्कोटा वंश

सम्राट ललितादित्य मुक्तपीड के जीवन की जानकारी हमें बहुत से मध्य कालीन क्रानिकल जैसे 12वीं सदीं में लिखी गई रजतरंगिनी, शींतांग शू व फतहनामसिंध से मिलती है। ललितादित्य का जन्म कश्मीर के कारकोटा वंश में हुआ। कारकोटा वंश को 625 सीई में दुर्लभवर्धन द्वारा स्थापित किया गया था। दुर्लभवर्धन गोंडिया यानी गोनार्ड वंश के राजा बालादित्य के सेनापति थे। राजा बालादित्य ने इनकी वीरता से प्रसन्न होते हुए अपनी पुत्री अनंतलेखा का विवाह इनसे करवाया था। राजा बालादित्य की मृत्यु के बाद राज्य की बागडोर दुर्लभवर्धन के हाथों में आ गई। तब उन्होंने कार्कोटा वंश की स्थापना की। दुर्लभवर्धन के बाद इनके पुत्र दुर्लभका यानी प्रतापादित्य राजा बने। ललितादित्य राजा प्रतापादित्य और रानी नरेंद्रप्रभा के ही पुत्र थे। इनके दो और भाई ब्रजादित्य और उदयादित्य थे। 724 सीई में ललितादित्य मुक्तपीड राजा बने। उन्होंने 761 सीई तक सफलता पूर्वक राज किया।

तीनों तरफ से अपने साम्राज्य की सीमा की सुरक्षा सुनिश्चित करने की चुनौती

प्रारंभ से ही सम्राट ललितादित्य साहस और पराक्रम की मूरत रहे। उनके 37 साल के शासनकाल को कश्मीर का स्वर्ण युग कहा जाता है। जिस समय सम्राट ललितादित्य गद्दी पर बैठे उस वक्त भारत के उत्तरी भाग में तिब्बती बहुत ताकतवर हो चुके थे। कश्मीर पर अपना प्रभाव बढ़ाते जा रहे थे। वहीं पश्चिमी भाग से अरब का आक्रमण शुरू हो गया था। जिन्होंने अब तक सिंध के राजा ताहिर को परा. जित कर सिंध पर कब्जा कर लिया था। वहीं दक्षिण की तरफ राजा हर्षवर्धन की मृत्यु के बाद कन्नौज में के खालीपन सा आ गया था। 725 सीई आते आते कार्कोटा शासन के सामने तीनों तरफ से अपने साम्राज्य की सीमा की सुरक्षा सुनिश्चित करना जरूरी हो गया था। हालांकि सम्राट ललितादित्य ऐसी समस्याओं से भयभीत होने वाले नहीं थे।

तिब्बतियों से जंग की कहानी

जिस समय ललितादित्य गद्दी पर बैठे उस समय चीन में तांग वंश का शासन था। तिब्बत एक शक्तिशाली राज्य के रूप में अपनी पहचान बना चुका था। कश्मीर और चीन दोनों ही तिब्बत के बढ़ते हुए प्रभाव से परेशान थे। ललितादित्य अरब मुस्लिमों के बढ़ते प्रभाव को भी रोकना चाहते थे। वो जानते थे कि अरब पंजाब और सिंध को जीत कर कश्मीर पर हमला जरूर करेंगे। इस समय कश्मीर एक छोटा राज्य था।

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर

मंत्री सतीश शर्मा से मिले राजकुमार गोयल,अमरनाथ यात्रा में सरकार को सहयोग का दिया आश्वासन

सबका जम्मू कश्मीर

अमरनाथ यात्रा के श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने और प्रबंधों के मद्देनजर श्री अमरनाथ जी यात्रा वेलफेयर सोसाइटी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष राजकुमार गोयल ने जम्मू कश्मीर सरकार के कैबिनेट मंत्री सतीश शर्मा से मुलाकात की। उनके साथ आल जम्मू कश्मीर गौ रक्षा समिति के अध्यक्ष राजकुमार गुप्ता भी थे। राजकुमार गोयल ने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद जम्मू कश्मीर के हालात काफी हद तक खराब हुए हैं। इस समय दोनों देशों के बीच भी तनाव की स्थिति बनी हुई है। ऐसे में जम्मू कश्मीर में आने वाले पर्यटकों की संख्या में भारी गिरावट आई है। कुछ दिनों में अमरनाथ यात्रा भी शुरू होने वाली है। उन्हें उम्मीद है कि उपराज्यपाल प्रशासन और जम्मू कश्मीर सरकार यात्रा शुरू होने से पहले सभी प्रबंध पूरे कर लेगा और लोग बिना किसी डर के बोले बाबा के दर्शन कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि उनकी संस्था लंबे समय से जम्मू कश्मीर में अमरनाथ यात्रियों के लिए लंगर लगाती आ रही है। समिति का पूरा समर्थन सरकार के साथ है। अमरनाथ यात्रा जम्मू कश्मीर के प्रदेश व्यक्ति के लिए गर्व की बात है। यात्रा को सुचारू रूप से चलाने के लिए श्री अमरनाथ की यात्रा वेलफेयर सोसाइटी सरकार का पूरा समर्थन करेगी। आल जम्मू कश्मीर गौ रक्षा समिति के अध्यक्ष राजकुमार गुप्ता ने भी यात्रा प्रबंधन में सरकार को समर्थन देने की बात कही।

कैबिनेट मंत्री सतीश शर्मा ने कहा कि अमरनाथ यात्रा को सुचारू रूप से चलाने और पर्यटकों को जम्मू कश्मीर की तरफ फिर से आकर्षित करने में सरकार के अलावा आम लोगों की भी अहम भूमिका है। उन्होंने श्री अमरनाथ जी यात्रा वेलफेयर सोसाइटी के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि संस्था देश–विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं की सेवा करती है और उन्हें उम्मीद है कि बड़ी चुनौतियों के बीच इस बार भी अमरनाथ यात्रा को शांतिपूर्वक तरीके से चलाने में सरकार का सहयोग करेगी।

न्यू मिलेनियम हाई स्कूल के प्रांगण में मनाया गया श्रमिक दिवस

सबका जम्मू कश्मीर

नगरी। गुरुवार को देशभर में जहां श्रमिक दिवस के मौके पर विभिन्न संगठनों की ओर से कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है।

वहीं कुछ संस्थाओं कि और से नुक्कड़ नाटक व स्कूलों में कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता हैं। वही कस्बा नगरी में न्यू मिलेनियम हाई स्कूल के प्रांगण में स्कूली छात्रों को श्रमिक दिवस के बारे में जानकारी दी इस मौके पर स्कूल की प्रधानाचार्य स्नेहल खजुरिया व अध्यक्ष कुशल शर्मा ने स्कूली छात्रों को स्थानीय उप जिला अस्पताल में मैं जाकर दिन–रात काम करने वाले कामगारों को सम्मानित किया।

वहीं स्कूल के प्रांगण में पिछले काफी वर्षों से अपनी सेवा देने वाले कामगार महिलाओं में पुरुषों को सम्मानित किया। इस मौके पर स्कूल की प्रधानाचार्य स्नेहल खजूरिया ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि उनका इस तरह से कार्यक्रम करवाने का मुख्य उदेश्य बच्चों को हर वह दिन की जानकारी देना है। इस मौके पर स्नेहल खजूरिया ने कहा जहां मैं महीना में के नाम से जाना जाता है। वहीं पहले में उन श्रमिकों को भी याद करने का दिन है जो आज हमारी जिंदगी में अहम भूमिका रखते हैं।जबकि हमने प्रयास किया है कि जो हमारे इर्द–गिर डी हमारे समाज को बेहतर बनाने का कार्य कर रहे हैं। हम उन्हें सम्मानित करें। ताकि हमारे समाज का एक हिस्सा जो श्रमिक है उन्हें भी एहसास हो कि वह समाज के लिए कितना योगदान दे रहे हैं। इस मौके स्कूली छात्र व स्कूली अध्यापक उपस्थित थे।

ग़ज़ल

धर्म ना पुछे, जात ना पुछे आते जब
तूफ़ान।
पक्के बंदोबस्त करे ना यदि हाकिम
नादान।
जीते जी निर्धन को कोई रोटी ना पूछे।
चढ़त चढ़ावे भर–भर खाए पत्थर का
भगवान।
कानूनावस्था उच्च दर्ज़ो की ऊतम है
प्रशासन, शिखर दुपहरे मारे जाते बस्ती में
इन्सान।
उन को भी फिर बांट लिया है जाति–पाति
भीतर, शीश हथेली पर धर कर जो हो
गए हैं कुर्बान।
गुलशन की सत्ता में आ गए माली बाहर
निकाले, चोर उचक्के लुटेरे झूठे एंव
शैतान।
अंधेरे के संग जीना है अंधेरे में मरना,
चांद सितारे सारे कहते सूरज नहीं
परवान।
नेक इरादे से है करना मौक़े का निपटारा,
पैसे ही धनवान ना कोई मस्तिष्क है
धनवान।
रब्ब की बात नहीं
है कोई रब्ब है
सब का सांझा,
मेहनत के संग
आन बने है उद्यम
के संग शान।
बहन जवाई साला
चाचा या फिर
कोई सज्जन,
घर के भीतर अच्छा लगता कुछ दिन का
मेहमान।
डंस जब भी खाओगे तो फिर मालूम हो
जाएगा, सांपों के संग रहने से तो बनती
नहीं पहचान।
बालम इस की शक्ति आगे हर इक चीज़
गुलाम, ना यह दुश्मन ना यह सज्जन
वक़्त बड़ा बलवान।

बलविन्दर बालम गुरदासपुर
ओंकार नगर गुरदासपुर पंजाब
में – 9815625409

गरीब रेहड़ी फड़ी वालों से हफ्ता वसूली करने वाले पुलिसकर्मी चढ़े एसीबी के हत्थे

हफ्ता न देने पर एस पी ओ करता था परेशान, तंग आकर रेहड़ी–फड़ी वालों ने दी एसीबी को शिकायत

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम ने बक्शी नगर पुलिस थाने के अधीन आने वाली जी एम सी पुलिस चौकी में तैनात एक एसपीओ को रंगे हाथों रिश्वत लेते गिरफ्तार किया। जीएमसी पुलिस चौकी में पूछताछ और छापेमारी के बाद चौकी अफसर के बठिंडी स्थित घर पर भी रेड की गई। इस कार्रवाई के दौरान रेहड़ी फड़ी वाले लोग चौकी के बाहर जमा रहे और दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग उठाई। बक्शी नगर में स्थित गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज अस्पताल(जीएमसी) के बाहर टी स्टॉल चलाने वाले ललित कुमार शर्मा निवासी रेशम घर कॉलोनी ने एंटी करप्शन ब्यूरो को शिकायत दी थी कि जी एम सी पुलिस चौकी में तैनात एस पी ओ उन्हें परेशान करता है और पैसे की डिमांड करता है। वह सभी रेहड़ी–फड़ी वालों से हफ्ता लेता है और पैसे ना देने पर धमकता है। गत दिवस भी उसने फोन पर धमकाया और सभी रेहड़ी–फड़ी वालों से पैसे इकट्ठा कर उसे देने के लिए कहा। शिकायत पर कार्रवाई करते हुए एसपी सन्नी गुप्ता की अगुवाई में जांच के दौरान आरोपों की पुष्टि की गई। इसके बाद एंटी करप्शन की टीम अस्पताल में पहुंच गई।

स्वतंत्रता गवाहों की देखरेख में शिकायतकर्ता को पैसे देने के लिए भेजा गया। इस दौरान जैसे ही उसने पुलिसकर्मी को पैसे थमाए एसीबी के कर्मचारियों ने उसे गिरफ्तार कर लिया। उसे पकड़कर कर जीएमसी पुलिस चौकी ले जाया गया। सूत्रों के अनुसार इस कार्रवाई के दौरान जी एम सी पुलिस चौकी में किसी भी पुलिसकर्मी या बाहरी व्यक्ति को ना तो अंदर आने दिया गया और ना ही बाहर जाने दिया गया। पुलिस चौकी की वीडियोग्राफी की गई। इस मामले में चौकी अफसर की भूमिका की भी जांच की गई।

उसके ऑफिस और गाड़ी की भी तलाशी ली गई। सूत्रों की मानें तो दोनों से पूछताछ के बाद चौकी अफसर के बठिंडी स्थित किराए के मकान घर में भी छापेमारी की गई। उसके लैपटॉप की भी जांच की जा रही है। उक्त एस पी ओ पर पहले भी भ्रष्टाचार के आरोप लगा चुके हैं लेकिन वह कभी पकड़ा नहीं गया। जीएमसी पुलिस चौकी का ड्राइवर भी है। चार–पांच दिन पहले ही वह जी एमसी चौकी में आया था। उसे चौकी अफसर ने ही लाया था।

ना’पाक’ साजिश३ इंडियन आर्मी से लड़ने की औकात नहीं तो वेबसाइट पर कर रहा साइबर अटैक

एजेंसी

कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के बाद भारत के पलटवार से पाकिस्तान खौफ में जी रहा है. अपने खौफ पर पर्दा डालने और भारतीय सेना के खिलाफ प्रोपेगेंडा फैलाने के साथ ही नापाक साजिशें भी रच रहा है. अब सीमा पार से साइबर अटैक जैसी कायराना हरकतें की जा रही हैं. पाकिस्तान से भारतीय सेना से संबंधित ऑटोनोमस वेबसाइट को हैक करने की कोशिश की गई है. पिछले दो दिन में दो बार ये हरकत हुई है. हालांकि, ये सभी भारतीय सेना के नेटवर्क से जुड़ी नहीं हैं.

बता दें कि साइबर ग्रुप प्ङ्क ॅंबामत, जो कि पाकिस्तान बेस्ड है, इसने भारतीय सेना से जुड़ी कुछ सार्वजनिक वेबसाइट को टारगेट किया. आर्मी पब्लिक स्कूल श्रीनगर, रानीखेत की वेबसाइट, आर्मी वेलफेयर हाउसिंग ऑर्गेनाइजेशन और वायुसेना के प्लेसमेंट पोर्टल को निशाना बनाने की नापाक हरकत की.

स्वामित्व, मुद्रक, प्रकाशक: राज कुमार द्वारा एम/एस डी. आर प्रिंटिंग प्रेस, बैन बजाल्ता, तहसील जम्मू से मुद्रित एवं नगरी पैरोल नगरी, जिला कठुआ, जम्मू और कश्मीर पिन.कोड नं: 184151 | संपादक: राज कुमार